3 राजधानी
दिल्ली की सीमाओं में पेड़ लगाने की मांग

6 अभिमत
परंपरागत और डिजिटल बैंक

10 विदेश
यूक्रेन के हमले में रूसी पोत क्षतिग्रस्त

12 स्पोर्ट्स
सचिन बैसोया ने जीव मिल्खा सिंह आमंत्रण टूर्नामेंट जीता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 4
नई दिल्ली, सोमवार, 6 नवंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बिहार में हुए जाति सर्वेक्षण पर शाह ने उठाए प्रश्न
राष्ट्रीय-11

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को भी किया धराशायी

- विराट कोहली ने 49वां शतक लगाकर तेंदुलकर की बराबरी की
- रविंद्र जडेजा ने झटके पांच विकेट, भारत के 326 रन का पीछा करते हुए मात्र 83 रन पर ढेर हुई दक्षिण अफ्रीकी टीम

भाषा। कोलकाता

शतकवीर विराट कोहली

दक्षिण अफ्रीका की टीम का विकेट लेने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते रविंद्र जडेजा व अन्य भारतीय खिलाड़ी

अपने विजयी अभियान को जारी रखते हुए भारत ने किंग कोहली के 49 वें शतक व सर जडेजा के पांच विकेट की मदद से विश्वकप के महत्वपूर्ण मैच में दक्षिण अफ्रीका को 243 रनों से रौंद दिया। इसी के साथ भारत अंकतालिका में आठवीं जीत हासिल कर शीर्ष पर बरकरार है।

अपने जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतकों की बराबरी करने वाले विराट कोहली, पांच विकेट लेने वाले रविंद्र जडेजा और बाकी गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के दम पर भारत ने फाइनल की रिहर्सल माने जा रहे मैच में शानदार खेले से लगातार आठवीं एकतरफा जीत दर्ज की। शीर्ष दो टीमों के मुकाबले में कोहली (नाबाद 101) और श्रेयस अय्यर (77) के बीच 134 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 326 रन बनाए। श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में 302 रन से मिली जीत में शतक से 12 रन से चूके कोहली ने आखिरकार यहां अपने 289वें मैच में 277वीं पारी में 49वां शतक जमाया। ईडन गार्डन पर जमा करीब 65000 दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए कोहली ने यह यादगार पारी खेली।

जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 27.1 ओवर में 83 रन पर आउट हो गई। इस जीत के बाद भारत आठ मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर है और उसे आखिरी लीग मैच बेंगलुरू में 12 नवंबर को नीदरलैंड से खेलना है। दक्षिण अफ्रीका इतने ही मैचों में 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है और दोनों टीमों के विश्व कप फाइनल में भिड़ने की संभावना जताई जा रही है। पूरे टूर्नामेंट में जबर्दस्त फॉर्म में चल रहे भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर उसी प्रदर्शन को दोहराते हुए दिग्गज बल्लेबाजों से भरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को एक स्कूली टीम की तरह उन्नीस साबित कर दिया। टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक (इस मैच से पहले 545) रन बना चुके क्विंटोन डिकॉक (पांच) दूसरे ही ओवर में मोहम्मद सिराज की गेंद पर बोल्ड हो गए और इस झटके से दक्षिण अफ्रीकी टीम उबर ही नहीं सकी। उसके लिए सर्वाधिक 14 रन सातवें नंबर पर उतरे मार्को जेनसन ने बनाए। टूर्नामेंट में अब तक रन उगल रहा उसका शीर्ष क्रम मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह का सामना नहीं कर सका। रविंद्र जडेजा ने विकेट से मिल रही टर्न का फायदा उठाकर मध्यक्रम की नींव हिला दी।

जडेजा ने नौ ओवर में 33 रन देकर पांच विकेट लिए। भारतीय पारी का आकर्षण 35वां जन्मदिन मना रहे विराट का शतक रहा। तेंदुलकर ने 463 वनडे की 452 पारियों में 49 शतक और 96 अर्धशतक बनाए थे हालांकि उस समय खेल के नियम अलग थे। सचिन के नाम सौ अंतरराष्ट्रीय शतक हैं जबकि कोहली का यह 79वां अंतरराष्ट्रीय शतक है जिन्होंने टेस्ट में 29 और टी20 में भी एक शतक बनाया है। कोहली ने श्रेयस अय्यर (77 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 134 रन बनाकर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। शीर्ष दो टीमों के इस मुकाबले में केशव महाराज को छोड़कर दक्षिण अफ्रीका का कोई गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों खासकर कोहली पर अंकुश नहीं (शेष पेज 9)

निज्जर हत्याकाण्ड का मामला

भारतीय उच्चायुक्त ने ओटावा से मांगा सबूत

- कनाडा ने मामले में कोई ऐसी विशिष्ट, प्रासंगिक सूचना मुहैया नहीं करायी जिसके आधार पर मदद कर सकें: वर्मा

एजेंसी। ओटावा/नई दिल्ली

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर लगाए गए आरोपों के संबंध में ओटावा से सबूत मुहैया कराने को कहा। वर्मा ने साथ ही कहा कि निज्जर की हत्या के मामले को लेकर कनाडा की जांच में उच्च स्तर के एक कनाडाई अधिकारी के सार्वजनिक बयानों से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

वर्मा ने ग्लोब एंड मेल के दिए एक साक्षात्कार में शुक्रवार को कहा कि इस मामले में हमें कोई ऐसी विशिष्ट या प्रासंगिक सूचना मुहैया नहीं कराई गई, जिसके आधार पर वह उनकी मदद कर सकें। वर्मा के हवाले से कहा, सबूत कहां हैं। इस जांच का निष्कर्ष कहां है। वह एक कदम आगे जाकर कहेंगे कि जांच पर पहले ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ चुका है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना शनिवार को कहा था कि यह कहने के लिए एक उच्च स्तरीय व्यक्ति से निर्देश मिला है कि इसके पीछे भारत या भारतीय एजेंट का हाथ है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर में आरोप लगाया था कि जून में उनके देश में हुई निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता थी। भारत ने निज्जर को 2020 में आतंकवादियों की सूची में शामिल किया था। आरोप लगाए जाने के बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। भारत ने इन आरोपों को बेतुका और निहित स्वार्थ से प्रेरित बताया है।

भारत ने ट्रूडो द्वारा आरोप लगाए जाने के कुछ दिनों बाद कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थाई रूप से बंद कर दिया था और कनाडा से भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति को कम करने के लिए कहा था, ताकि दोनों देशों में राजनयिकों की संख्या बराबर हो सके। इसके बाद कनाडा ने भारत से अपने 41 राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों को वापस बुला लिया था। वर्मा ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते (शेष पेज 9)

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप चार लागू, हवा और जहरीली

- प्रदूषण बढ़ने पर प्राथमिक विद्यालय 10 नवंबर तक बंद
- सरकारी और निजी कार्यालयों में 50% कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के कारण छाई धुंध

राष्ट्रीय राजधानी को अभी जहरीली हवा से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। आने वाले दिनों में प्रदूषण बेहद खराब या अति गंभीर श्रेणी में बना रहेगा। एक तरफ जहां पराली का धुआं दिल्ली का दम घोंट रहा है तो वहीं तापमान में गिरावट और हवा की रफ्तार कम होना भी प्रदूषण बढ़ने की वजह है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार, रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 दर्ज किया गया। दिल्ली-एनसीआर में प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण एक्यूआई में इस प्रवृत्ति के मद्देनजर, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के संचालन के लिए उप-समिति की बैठक हुई। उप-समिति की बैठक में पूरे एनसीआर में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के लिए चरण एक, दो और तीन के तहत सभी कार्रवाइयों के अलावा, तत्काल प्रभाव से ग्रैप के चरण-चार के अनुसार 8-सूत्रीय कार्य योजना लागू करने का निर्णय लिया है। जिसमें सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने के निर्देश भी शामिल है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सभी प्राथमिक विद्यालयों 10 नवंबर तक बंद करने का आदेश दिया है। वहीं कक्षा 6 से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प दिया है। ग्रैप की स्टेज-दो और स्टेज-तीन पहले से ही लागू हैं। उप-समिति ने बैठक के दौरान क्षेत्र में समग्र वायु गुणवत्ता परिदृश्य के साथ-साथ आईएमडी और आईआईटीएम द्वारा उपलब्ध मौसम संबंधी स्थितियों और वायु गुणवत्ता सूचकांक के पूर्वानुमानों की व्यापक समीक्षा करते हुए पाया कि चार (शेष पेज 9)

ग्रैप चार के तहत 8-सूत्रीय कार्य योजना लागू

ग्रैप के चरण-चार के अनुसार 8-सूत्रीय कार्य योजना रविवार से पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस 8-सूत्रीय कार्य योजना में विभिन्न एजेंसियों और एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा कार्यान्वित और सुनिश्चित किए जाने वाले कदम शामिल हैं। ये चरण हैं, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले ट्रकों और सभी एलएनजी, सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रकों को छोड़कर दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा आवश्यक वस्तुएं ले जाने वाले या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले वाहनों को छोड़कर, ईवी, सीएनजी, बीएस-छह डीजल के अलावा दिल्ली के बाहर पंजीकृत एलसीवी को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं। दिल्ली में पंजीकृत डीजल संचालित वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध लागू रहेगा।

जमानत पर छूटे आतंकियों की होगी निगरानी

- जम्मू कश्मीर पुलिस ने घुटने में लगाया जीपीएस ट्रैकर, डिवाइस हटाने पर होगी जमानत रद्द

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

जम्मू कश्मीर पुलिस ने जमानत पर छूटे आतंकियों को पुराने आकाओं के जाल में फिर से फंसने से बचाने और निगरानी के लिए जीपीएस ट्रैकर स्ट्रेप लगाने की शुरुआत की है। देश में किसी भी पुलिस बल द्वारा की गई अपनी तरह की यह सबसे नवीनतम पहल है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार, ये उपकरण विशेष एनआईए अदालत, जम्मू द्वारा एक आदेश पारित करने के बाद लागू किया गया, जिसमें पुलिस को एक आतंक के आरोपी पर जीपीएस ट्रैकर स्ट्रेप लगाने का निर्देश दिया गया। ट्रैकर हटाने पर उसकी जमानत को रद्द कर दिया जाएगा। पुलिस के अभियोजन विभाग ने इसके महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा,

जमानत पर छूटे एक आतंकी को जीपीएस ट्रैकर लगाते कर्मचारी

जीपीएस ट्रैकर स्ट्रेप एक पहनने योग्य उपकरण है जो व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखने और ट्रैक करने के लिए के (शेष पेज 9)

आजः बांग्लादेश और श्रीलंका का मैच 2:00 बजे से दिल्ली में खेला जाएगा

क्विक न्यूज

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अनुष्ठान आरंभ

अयोध्या। अयोध्या में रविवार को अक्षत पूजा के साथ राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अनुष्ठान शुरू हो गया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अधिकारियों ने कहा कि ट्रस्ट ने राम जन्मभूमि पर भगवान राम के दरबार में हल्दी और देसी घी के साथ लगभग 100 क्विंटल साबुत चावल की पूजा के साथ अक्षत पूजा का आयोजन किया। इस पूजित चावल को पांच किलोग्राम क्षमता वाले पीतल के बर्तनों में पैक किया गया है और देश के 45 संगठनात्मक प्रांतों से अयोध्या में एकत्र हुए विश्व हिंदू परिषद के 90 पदाधिकारियों को वितरित किया गया है, जो 22 जनवरी से पहले इसे पूरे देश में वितरित करेंगे।

भूटान नरेश दिल्ली पहुंचे, एस जयशंकर के साथ की बैठक

भाषा। नई दिल्ली

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक तीन नवंबर से शुरू हुई अपनी आठ दिवसीय भारत यात्रा के तहत रविवार को दिल्ली पहुंचे।

यहां हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने गर्मजोशी से उनकी अगवानी की, जो भारत द्वारा उनकी यात्रा को दिए जा रहे महत्व को प्रदर्शित करता है। वांगचुक की भारत यात्रा भूटान और चीन द्वारा अपने दशकों पुराने सीमा विवाद के शीघ्र समाधान के लिए नए सिरे से की जा रही कोशिश के बीच हो रही है।

भारत, भूटान और चीन के बीच सीमा विवाद पर बातचीत पर करीबी नजर रखे हुए है, क्योंकि इसका भारत के सुरक्षा हितों पर प्रभाव पड़ सकता है, खासकर डोकलाम ट्राई-जंक्शन क्षेत्र में। बाद में, विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान (शेष पेज 9)

समुद्री कचरे, आक्रामक प्रजातियों से भारतीय तटों को खतरा

- समुद्री मलबे से मछुआरों और स्थानीय लोगों की आजीविका पर संकट
- भारत के दक्षिण-पूर्वी तट पर हुए अध्ययन की रिपोर्ट में खुलासा

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारतीय समुद्री तट पहले से ही जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, अतिदोहन, सीवेज और अनियमित पर्यटन समेत अन्य समस्याओं के बीच बाहर से आए मलबे, जैसे बोतलें, रबर, घरेलू सामान और प्लास्टिक की थैलियों के साथ बड़ी संख्या में आक्रामक प्रजातियां (बाहर से आए पादप व जीव) मछुआरों सहित स्थानीय लोगों की आजीविका के लिए खतरे का एक नया कारण बन रहे हैं।

इन प्रजातियों को पर्यावरणीय अराजकता की भी संज्ञा दी गई है। भारत के दक्षिण-पूर्वी तट पर अध्ययन करने के दौरान भारतीय और विदेशी शोधकर्ताओं की एक टीम ने हाल ही में समुद्री प्रदूषण बुलेटिन में प्रकाशित शोध में इस खतरे पर प्रकाश डाला कि 7,516 किमी की भारतीय तटरेखा पर खतरा मंडरा रहा है, जिसमें से 5,422 किमी मुख्य भूमि है। लगभग 250 मिलियन भारतीय भारत के तटीय क्षेत्रों से 50 किमी की दूरी के भीतर रहते हैं। भारत के दक्षिण-पूर्वी तट पर प्लास्टिक आक्रामक प्रजातियों के उपनिवेशण के बढ़ते खतरे को उजागर करते हैं। यह ऐसे समय में विशेष रूप से चिंताजनक है जब प्लास्टिक समुद्री जीवों के लिए एक आम आहार बनता जा रहा है। खासकर भारत में, जो समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण में सबसे अधिक योगदान देने वाले शीर्ष देशों में से एक है। मेड्रेकवर समूह के सदस्य और अध्ययन के मुख्य लेखक डॉ. ब्लैंका फिगुएरोला बताते हैं कि हमारा अध्ययन भारत में प्लास्टिक प्रदूषण और उससे संबंधित खतरों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई के आह्वान के रूप में कार्य करता है।

बार्सिलोना विश्वविद्यालय (यूबी), अब्देलमलेक एस्सादी विश्वविद्यालय (यूएई) और ओस्लो विश्वविद्यालय के सहयोग से इंस्टीट्यूट डी सिएन्सिस डेल मार (आईसीएम-सीएसआईसी) और सत्यबामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के नेतृत्व में शोध दल (यूआईओ) ने प्लास्टिक, कांच, रबर, फोम स्पंज, कपड़ा, धातु और लकड़ी सहित विभिन्न प्रकार के फंसे हुए कूड़े पर गंदे जीवों की व्यापक जांच की थी। उन्हें सात फ़ाइलों से संबंधित कुल 3,130 नमूने/कालोनियां मिलीं और इन कूड़े पर फंसी 17 प्रजातियों का प्रतिनिधित्व किया गया। उदाहरण के तौर पर जाल डालने पर आक्रामक मसल मायटेला स्ट्रिगाटा मछली को जाल में बड़ी मात्रा में पाया गया। अध्ययन के पहले लेखक डॉ. गुणसेकरन कन्नन ने बताया, यह खोज आक्रामक प्रजातियों के प्रसार में समुद्री कूड़े की प्रमुख भूमिका पर जोर देती है, जो संभावित रूप से भारतीय जल के पारिस्थितिक संतुलन को बाधित करती है।

डॉ कन्नन ने बताया, उच्च उछाल वाली कूड़े की वस्तुएं, जैसे बोतलें, बोया और प्लास्टिक बैग प्रचुर मात्रा में मैक्रोइनवर्टेब्रेट संयोजन का समर्थन करते हैं, जो लंबी दूरी के परिवहन की क्षमता रखते हैं। समुद्री कूड़े से जुड़े सबसे आम तौर पर पाए जाने वाले जीवों में कॉस्मोपॉलिटन ब्रायोज़ोअन जेलीएला ट्यूबरकुलटा और जे एबर्निया, बार्नाकल लेपास एनसेरीफेरा, एम्फबिलानस एम्फट्राइट, और एम्फ़बिलानस एसपी, और सीप सैकोस्ट्रिया कुकुलता और मैगलाना बिलिनेटा शामिल थे। आईयूसीएन ने एक रिपोर्ट में समुद्री आक्रामक प्रजातियों को सबसे घातक खतरे में से एक के रूप में (शेष पेज 9)

वन विभाग की एफआईआर में एल्विश का नाम नहीं

नोएडा पुलिस ने माना वांटेड नहीं है यूट्यूबर, सांपों के जहर की लखनऊ लैब में होगी जांच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव का नाम वन विभाग की एफआईआर में नहीं है। जबकि नोएडा पुलिस ने एल्विश के खिलाफमामला दर्ज किया है।

शनिवार शाम को राजस्थान पुलिस ने एल्विश को पकड़ा। नोएडा पुलिस से संपर्क किया। इस पर नोएडा पुलिस ने कहा कि एल्विश वांटेड नहीं है। इसके बाद राजस्थान पुलिस ने एल्विश को छोड़ दिया। वहीं तस्कर राहुल के पास से मिले 20 जहर किस सांप के हैं। इसकी जांच के लिए लखनऊ लैब में भेजा जाएगा। जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में असल कीमत के बारे में पता चल सकेगा। फिलहाल, नोएडा पुलिस पता लगा रही है कि आरोपी जहर खुद निकालते थे या ये भी राजस्थान, झारखंड से तस्करी कर लाया जाता था। वन विभाग के मुकदमे में सिर्फ पांच आरोपी हैं, जो मौके से पकड़े गए। इनमें मुख्य आरोपी राहुल है। उसके साथ ही टीटूनाथ, जयकरण, नारायण और रविनाथ को भी पकड़ा गया है। पीपल फॉर एनिमल के गौरव गुप्ता ने बताया कि एल्विश और उनके यूट्यूब साथियों के कई वीडियो वायरल हुए थे। हालांकि, वन विभाग की ओर से की गई एफआईआर में एल्विश का नाम नहीं है। प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वन विभाग साक्ष्य और मौजूद लोगों के आधार पर कार्रवाई करता है। मौके पर एल्विश नहीं था। इसलिए राहुल और बाकी जो लोग वहां मौजूद थे उन पर एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच की जा रही है। अगर एल्विश के खिलाफसाक्ष्य मिले तो ही उसका नाम एफआईआर में दर्ज किया जाएगा। पकड़े गए सांपों में एक अजगर, एक धामिन, दो दो मुंह वाले सांप और पांच कोबरा हैं। इनकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत करीब 5 करोड़ रुपए है। इन सांपों में सबसे महंगा सांप दो मुंह वाले हैं, जिनकी कीमत करीब 3 करोड़ है, जिसमें एक सांप की कीमत करीब डेढ़ करोड़ मानी जाती है। न्यायालय से अनुमति के बाद वेनम को लखनऊ लैब भेजा जा रहा है। एसीपी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया, वेनम वन विभाग के पास है। वही इसकी जांच पड़ताल कराएंगे। इससे पता लगेगा कि ये जहर किस सांप का है और इसकी बाजार में असल कीमत कितनी है।

इधर, एल्विश यादव ने भाजपा सांसद मेनका गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। एल्विश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि वो जल्द ही मेनका गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करवाने वाले हैं। वीडियो में एल्विश कह रहे हैं, हम पर तो इल्जाम लगा दिया। मेनका गांधी ने तो मुझे सांपों का सरगना कहा है। पता नहीं ये होता क्या है। होता होगा कुछ।

एल्विश ने कहा-सांपों का हेड, सांप बेचने वाले सप्लायर्स का हेड। एक डिफेमेशन मानहानि का केस आएगा। ऐसे नहीं छोड़ने वाला हूं। हल्के में तो छोड़ता ही नहीं मैं। अब मैं इन चीजों में एक्टिव हो चुका हूं।

दिल्ली-मोदीनगर-मेरठ मार्ग पर लगा चार किमी लंबा जाम, घंटों जूझते रहे चालक

- रेलवे फाटक में तकनीकी आने से लोग रहे परेशान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर राज चौपला रेलवे फाटक रविवार की दोपहर में तकनीकी दिक्कत के चलते खराब हो गया और सवा घंटे तक बंद रहा। रेलवे फाटक बंद रहने से हापुड़ मार्ग और दिल्ली-मेरठ मार्ग पर दो घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा और 4 किलोमीटर तक जाम लग गया। जाम के कारण मेरठ व हापुड़ जाने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जाम को देखते हुए जगह-जगह ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहे। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर राज चौपला रेलवे फाटक है। रेलवे फाटक से दिल्ली-मेरठ मार्ग की दूरी महज 150 मीटर है। इस रेलवे ट्रैक से रोजाना दो दर्जनों से अधिक एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेन गुजरती है। ट्रेन निकलने पर रेलवे फाटक बंद किया जाता है। दोपहर 12:15 बजे के आसपास मेरठ से दिल्ली की और जाने वाली ट्रेन के लिए राज चौपला रेलवे फाटक को बंद किया गया। ट्रेन जाने के बाद गैटमेन ने जब फाटक खोलने का प्रयास किया तो नहीं खुला। गैटमेन ने बताया कि फाटक उठाने की गरारी में खराबी आ गई। गैटमेन ने इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक मोदीनगर को दी। स्टेशन अधीक्षक ने तकनीकी टीम को फाटक ठीक करने के लिए बुलाया। दोपहर 1:30 बजे के आसपास तकनीकी टीम ने फाटक ठीक कर दिया। सवा घंटे से अधिक समय तक फाटक बंद रहने से दोनों तरफ वाहनों का लंबी कतार लग गई।

मोदीनगर से हापुड जाने के लिए एक मात्र रास्ता राज चौपला स्थित रेलवे फाटक से जाने का ही है। इस मार्ग पर पांच दर्जन से अधिक गांव भी पड़ते है। हापुड़ जाने के लिए राहगीरों को सीकरी खुर्द कलछीना मार्ग से हापुड़ मार्ग के लिए जाना पड़ा। राहगीरों को चार किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ी। स्टेशन अधीक्षक शिवकुमार ने बताया कि गरारी में दिक्कत आने से रेलवे फाटक बंद हो गया। तकनीकी टीम को तुरन्त बुलाया गया।

नोएडा से गायब हुई युवती का अधजला शव बागपत में मिला

- जिला पुलिस ने मृतका की रिश्तेदार महिला को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा से करवा चौथ पर जहां महिलाएं अपने अपने सुहाग की सलामती के लिए व्रत कर रही थी, वहीं नोएडा की रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती अचानक से लापता हो गई। नोएडा की इस युवती का शव यूपी के बागपत में एक सूटकेस में अधजली अवस्था में बरामद हुआ है।

दरअसल, नोएडा की इस युवती का मर्डर एक मिस्ट्री बना हुआ है, जिसे सुलझाने के लिए बागपत पुलिस लगी हुई है। इस मामले में लापता युवती की एक नजदीकी महिला को हिरासत में लिया गया है। आपको बता दें कि यूपी की बागपत पुलिस ने सिसाना गांव में हत्या कर शव को सूटकेस में डालकर आग लगाने के मामले का सनसनीखेज खुलासा किया है। बताया जाता है कि सूटकेस में मिला अधजला शव नोएडा की रहने वाली 20 वर्षीय मनीषा उर्फमिनी का था। मनीषा करवा चौथ यानि 1 नवंबर को गायब हुई थी।

वह नोएडा से बागपत कैसे पहुंची पुलिस का पता लगाने की कोशिश कर रही है। आपको बता दें कि नोएडा के सदरपुर गांव निवासी 20 साल की मनीषा उर्फ मिनी एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। 1 नवंबर को ड्यूटी पर नहीं गई तो उसकी गांव छलेरा निवासी मनीषा की सहेली मुस्कान चिंतित हो गई। उसने मनीषा के घरवालों को फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। मुस्कान ने बताया कि वह ड्यूटी पर नहीं आई है तब जाकर घरवालों को मनीषा के लापता होने की जानकारी हुई। अनहोनी की आशंका के चलते मनीषा के तेहरे भाई ने नोएडा थाना पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई गई। किसी अनहोनी की आशंका के चलते सहेली मुस्कान, मनीषा के कई रिश्तेदारों को फोन लगा चुकी थी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग रहा था। फिर उसकी एक करीबी रिश्तेदार महिला को फोन किया तो पता चला कि बागपत में मनीषा की लाश अधजली अवस्था में मिली है। यह सुनकर मुस्कान का दिल बैठ गया। बागपत जनपद के सिसाना गांव के जंगल में श्मशान घाट के पास गुरुवार की सुबह ग्रामीण व चौकीदार टहलने गए थे। चौकीदार रण सिंह ने बताया कि श्मशान घाट के समीप पहुंचे तो शव जलने की भयंकर बदबू आ रही थी। आसपास देखा तो उन्हें एक गड्ढे में कूड़े में आग जलती हुई दिखी। उन्होंने गड्ढे के नजदीक जाकर कूड़ा हटाया तो एक सूटकेस में युवती का शव जलता हुआ मिला। घटना की सूचना निवाड़ा चौकी पर फोन कर दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आग बुझाई।

प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए डीएम मनीष ने निर्माणाधीन साइट का निरीक्षण किया। नियमों का उल्लघंन करने वाले पर 1 करोड़ 56 लाख का जुर्माना लगाया।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा पुलिस द्वारा चिल्ला बॉर्डर पर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया एवं सुचारू यातायात संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है। शनिवार को इसकी वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुई। कई लाख लोगों ने ये वीडियो देखी। इसमें आरोपी एक धर्म विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है और अपनी सरकार आने पर बदला लेने जैसी धमकी दे रहा है। नरेश कुमार ने बताया, इस मामले में अयान कुरैशी निवासी रफीकाबाद के खिलाफथाना मसूरी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अयान को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तारियां राजनीतिक बदले से प्रेरित: आप

गाजियाबाद। गाजियाबाद में आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि भाजपा राजनीतिक बदले की भावना से कार्य कर रही है। पहले डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और अब राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित लगती है। भाजपा, आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है लेकिन वो इसमें कामयाब नहीं हो पाएगी। हमारी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। रविवार को गाजियाबाद में एक बैंक्वेट हॉल में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी पर आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष अधिवक्ता सोमेंद्र ढाका ने कहा कि जांच एजेंसियों का रवैया ऐसा लगता है जैसे वो किसी राजनीतिक दबाव में कार्य कर रही हैं। बैठक में प्रधान महासचिव मोहित चौधरी सदरपुर, मीनाक्षी श्रीवास्तव, हरेंद्र शर्मा, मोहित अग्रवाल, कुशल कुमार गोयल, प्रियांशु शर्मा, अधिवक्ता अनिल हटैत, निमित यादव, अधिवक्ता इरफान अहमद, गौरव निर्वाण, प्रशांत चौधरी, शैलेश कुमार, रवि त्रिपाठी, भूपेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

कंपनी के कर्मचारी से साढ़े नौ लाख लूटे

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक सनसनीखेज वारदात में स्टील फर्म के कर्मचारियों से तीन बदमाशों ने 9:30 लाख रुपए की लूट को अंजाम दिया। संदीप स्टील लोहा मंडी 244 के मालिक संदीप गोयल के मुताबिक उनके कर्मचारी कमलेश गुप्ता मथुरा से यह पैसे लेकर बस से गौतमबुद्धनगर के परी चौक पर आए। परी चौक पर कमलेश की स्कूटी खड़ी थी। इसी स्कूटी में उसने 9:30 लाख रुपए रखे और वह गाजियाबाद आ रहा था। गाजियाबाद में थाना कोतवाली के धोबी घाट आरओबी पर तीन लोग पीछे से आए और उन्होंने आरोप लगाया की कमलेश ने उन्हें रास्ते में गाली दी है। इसके बाद उन्होंने झगड़ा किया और स्कूटी लेकर फरार हो गए। डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल के मुताबिक पुलिस टीम लगा दी गई है। आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

दबंगों ने दंपति को बेरहमी से पीटा

नोएडा। नोएडा शहर में किसी की करनी, किसी और को भरनी पड़ गई। नोएडा के सेक्टर 86 स्थित गांव इलाबांस में सड़क पर रेहडी लगाकर भोजन बेच रहे एक दंपति के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। गांव के कुछ दबंगों ने रेहडी वाले की जमकर पिटाई की, बीच बचाव करने के लिए आई रेहडी वाले की पत्नी को भी दबंगों ने नहीं बख्शा और हेलमेट से जबरदस्त धुनाई करने के बाद भोजन की पूरी रेहडी को पलट दिया। नोएडा के सेक्टर 86 में गांव इलाबांस है। गांव के बाहर शाम के वक्त भोजन बेचने वालों के साथ साथ सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता और चाट पकौडी विक्रेता अपनी अपनी रेहडी लगाते हैं। यहां पर एक प्रवासी पति पत्नी भी भोजन पकाकर बेचते हैं, ताकि सेक्टर 86 ?और 85 स्थित कंपनियों व फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी अपना पेट भर सके। शाम करीब सात बजे पति पत्नी अपनी रेहडी पर खड़े होकर ग्राहकों को भोजन परोस रहे थे।

बेटे से मिलने आ रहे पिता की ट्रेन से कटकर मौत

- परिजनों का दावा-ढाई घंटे बाद भी नहीं मिली एंबुलेंस

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नए गाजियाबाद स्टेशन पर एक शख्स की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। वह अहोई अष्टमी के त्योहार के लिए अपने पुत्र से मिलने आ रहे थे। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हादसे के ढाई घंटे बाद भी उन्हें एंबुलेंस समेत किसी भी चीज की मदद नहीं मिली। उनके मुताबिक शव को उन्होंने ही ट्रैक से उठाकर प्लेटफार्म पर रखा है।

सहारनपुर के रहने वाले 63 साल का सुभाष चंद्र अहोई के त्योहार के चलते अपने बेटे अतुल वर्मा से मिलने ट्रेन से गाजियाबाद आ रहे थे। सुभाष चंद्र सहारनपुर में परचून व्यापारी है। नया गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर सुभाष चंद्र की ट्रेन से काटने से मौत हो गई। यह जांच का विषय है कि सुभाष की मौत कैसे हुई। क्या, सुभाष चलती ट्रेन से उतर रहे थे या उनका पैर फिसला या अन्य किसी तरीके से इस हादसे में उनकी मौत हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह वो ट्रेन से सहारनपुर से चले थे। आशंका है कि हादसा करीब 12 बजे दोपहर को हुआ। लेकिन मौत होने के ढाई घंटे बाद भी परिजनों का आरोप है कि ना तो शव को ले जाने के लिए कोई एंबुलेंस मिली, ना ही कोई और किसी तरह की मदद।

सुभाष चंद्र का बेटा अतुल वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से गुहार लगा रहा है। जीआरपी से आए दरोगा राजवीर सिंह इस मामले की जांच कर रहे हैं। मौत कैसे हुई, इसका कारण वह भी बताने में अभी असमर्थ हैं। सुभाष चंद्र सुबह सहारनपुर से बेटे अतुल से मिलने ट्रेन से गाजियाबाद आ रहे थे। उनका बेटा अतुल गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की एक सोसायटी में रहता है। मल्टी नेशनल कंपनी में काम करता है। परिजनों का आरोप है की पटरी पर पड़े शव को उठाकर भी उन्होंने ही प्लेटफार्म पर रखा है।

इंटर्नशिप कर रही युवती से बॉस ने की छेड़छाड़, पुलिस से शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कौशांबी थाना क्षेत्र में दिल्ली निवासी एक युवती के साथ इंटर्नशिप के दौरान ऑफिस में उसके बॉस ने छेड़छाड़ की। घटना दशहरे के अगले दिन की बताई जा रही है। पीड़िता ने चार नंवबर यानी शनिवार शाम को मामले की तहरीर दी।

इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गाजियाबाद के थाना कौशांबी में युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें उसने बताया है कि वह थाना क्षेत्र की एक निजी कंपनी में जॉब इंटर्नशिप कर रही है। आरोप है कि कंपनी के हेड सागर ने जब से इसकी जॉइनिंग हुई है तब से इसके साथ छेड़छाड़ करते हैं। पुलिस को दी तहरीर के मुताबिक युवती ने आरोप लगाया है कि दशहरे के अगले दिन इवनिंग शिफ्ट के दौरान इसको रोक लिया गया और बाकी लोगों को भेज दिया गया। युवती का आरोप है कि इसको गलत तरीके से छूने की कोशिश की। इसके बाद वह डर गई और लिफ्ट से नीचे उतरने लगी। आरोप है कि वहां भी बॉस ने पीछा नहीं छोड़ा और पीछा करता रहा।

शहीद होने के 61 साल बाद जवान की प्रतिमा लगी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुरादनगर के गांव रेवड़ा रेवड़ी में शनिवार को शहीद सिपाही बनारसी दास की प्रतिमा का अनावरण केन्द्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह व तेजेन्द्र पाल त्यागी द्वारा किया किया।

सिपाही बनारसीदास 1962 में शहीद हो गए थे। शहीद होने के बाद भी उनको प्रशासन से कोई सम्मान नहीं मिला। उनकी 98 वर्षीय पत्नी बह्मवत्ती अभी तक जिंदा हैं। राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा बनारसी दास के शहीद होने के 61 साल बाद उनकी प्रतिमा स्थापित करने का फैसला लिया। गांव रेवड़ा रेवड़ी में केन्द्रीय राज्यमंत्री व सांसद वीके सिंह व आंध्र प्रदेश के सलाहकार राजन छिब्बर व राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र तेजेन्द्र पाल त्यागी के अलावा शहीद की पत्नी ब्रहमवत्ती व पुत्र ब्रजेश कसाना ने उनकी प्रतिमा का पर्दा हटाकर अनावरण किया। केन्द्रीय राज्यमंत्री व सांसद वीके सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में ही शहीदों का सम्मान होता है।

उन्होंने कहा कि सिपाही बनारसी दास को शहीद हुए 61 साल हो गए हैं। किसी ने उनके परिवार की परवाह नहीं की। गांव रेवडा रेवड़ी का विकास कराया जाएगा। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि हमारी संस्था शहीद परिवारों के हर दुख दर्द में साथ रहती है।

एक पैर से नृत्य कर पावकी ने किया मंत्रमुग्ध

- फादर एग्नेल स्कूल में दिव्यांग सुधा चंद्रा व अरूणिमा के संघर्ष को मंच पर किया साकार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा स्थित फादर एग्नेल स्कूल (एफएएस) में शनिवार को आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अपराजिता' में छात्रों ने मौज मस्ती के साथ परंपरा से हटकर 'स्काई इज द लिमिट' की थीम पर अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीनियर विंग के छात्रों ने हरिवंश राय बच्चन की प्रेरक कविता 'अग्निपथ' की प्रस्तुति में प्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन और एथलीट अरुणिमा सिन्हा की यात्रा को दर्शाया गया। ज्ञात रहे कि प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना सुधा चंद्रन ने 16 साल की उम्र में एक सड़क हादसे में अपना एक पैर गवां दिया था। लेकिन उन्होंने हार न मानते हुए कृत्रिम पैर से सिने व अभिनय जगत में अपना एक मुकाम बनाया। सुधा चंद्रन के जीवन यात्रा को कक्षा 10 की छात्रा पावकी झा ने मंच पर साकार किया। पावकी ने लगभग पांच मिनट तक एक पैर पर नृत्य किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और उनकी आंखें नम हो गईं। वहीं 11वीं की अद्रिजा रॉय और नौवीं कक्षा की विद्या ने एक पैर से एवरेस्ट फतह करने वाली अरुणिमा सिन्हा की भूमिका निभाई।

ज्ञात रहे कि अरुणिमा को 2011 में लुटेरों द्वारा चलती ट्रेन से धक्का दिए जाने के बाद अपना बायां पैर खोना पड़ा था, जब वह उनका विरोध कर रही थीं। उन्हें रीढ़ की हड्डी में भी चोट लगी थी। इस अवसर पर एफएएस के निदेशक रेव जोस अलारिको कार्वाल्हो, एफएएस नोएडा के प्रिंसिपल अलेक्जेंडर कोट्स रीड, सभी एफएएस दिल्ली-एनसीआर के स्कूल प्रशासन, माता-पिता, छात्र और अन्य विशेष आमंत्रित लोग उपस्थित थे।

ग्रेनो में बदमाशों से मुठभेड़, तीन को लगी गोली

- कब्जे से अवैध कट्टा व लूटी गई चेन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

यह लोग राह चलती महिलाओं से चेन लूट की वारदातों को अंजाम दिया करते थे। पुलिस ने इन लुटेरों के कब्जे से अवैध शस्त्र, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व लूटी गयी चैन, 19200 रूपये नकद बरामद किए हैं। शनिवार रात को बीटा 2 पुलिस गामा सेक्टर के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें पुलिस ने रोकने का इशारा किया, लेकिन वह लोग नहीं रुके और जब पुलिस उनकी तरफ जाने लगी तो उन लोगों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसके बाद वह लोग घबराकर अपनी मोटरसाइकिल को छोड़कर भागने लगे और इसी दौरान तीनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर गए। पुलिस के द्वारा घायल अवस्था में तीनों बदमाशों को पकड़ लिया गया। इन बदमाशों की पहचान बुलंदशहर के सिकंदराबाद निवासी समीर, सूरजपुर निवासी अमन और सौरव के रूप में हुई। घायल अवस्था में इन तीनों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। यह तीनों ही बदमाश बड़े शातिर किस्म के लुटेरे हैं, जो मोटरसाइकिल पर सवार होकर राह चलते लोगों के साथ लूटपाट की वारदातों को अंजाम दिया करते थे। यह लोग खासकर महिलाओं को अपना निशाना बनाते थे और राह चलती महिलाओं से चेन लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो जाया करते थे। इन लुटेरों ने अभी 30 अक्टूबर को सेक्टर अल्फा वन में घर के सामने टहल रही एक महिला से चेन लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उसके बाद 2 नवंबर को इन्होंने गामा सेक्टर में सब्जी लेने आई एक महिला से चैन लूटी थी। इन घटनाओं के बाद पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। यह लोग शातिर किस्म के लुटेरे हैं।

प्राधिकरण की अनुमति के बिना अवैध निर्माण, 39 पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में प्राधिकरण की बिना अनुमति के ग्राम बिसरख जलालपुर में एक खसरा पर बहुमंजिला भवन का निर्माण कार्य होने पर विकास प्राधिकरण ने इसको संज्ञान में लेते हुए सख्त फैसला लिया है।

इस जमीन पर निर्माण कार्य करने वाले 39 लोगों को नामित करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया गया है। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक वर्क सर्किल-3 ने थाना बिसरख में यह मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि ग्राम बिसरख जलालपुर में प्राधिकरण की बिना अनुमति के खसरा नंबर 814 पर बहुमंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस जमीन की कीमत करोड़ों में है। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि ये लोग खसरा नंबर 814 पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। इन्होंने प्राधिकरण से अनुमति भी नहीं ली है। आपको बता दें कि इससे पहले भी काफी ऐसे लोगों पर केस दर्ज किया जा चुका है, जिन्होंने अतिक्रमण किया हुआ था।

फिलहाल घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। कई बार प्राधिकरण की तरफसे इन्हें इस निर्माण कार्य से रोका गया, लेकिन यह लोग छुपकर काम जारी रखे हुए थे। बिसरख के कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि प्राधीकरण के सहायक प्रबंधक वर्क सर्कल.3 गौरव कुमार ने यह रिपोर्ट लिखवाई है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 6 नवंबर, 2023

प्रदूषण से फेफड़ों के साथ मस्तिष्क और हृदय भी प्रभावित

चिकित्सकों ने कहा बुजुर्गों, स्कूल जाने वाले बच्चों और गर्भवती महिलाएं बरते सावधानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में बेकाबू हुए वायु प्रदूषण से जूझते विदेशी सैलानी। फोटो: रंजन डिमरी

दिल्ली में हवा के गंभीर रूप से प्रभावित होने के बीच शहर के चिकित्सकों ने लोगों को आगाह किया है कि वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को प्रभावित करता है, बल्कि सभी आयु समूह के लोगों के हृदय और मस्तिष्क जैसे अन्य प्रमुख अंगों को भी प्रभावित करता है। सफदरजंग अस्पताल में श्वसन रोग संबंधी औषधि विभाग के प्रमुख डॉ. नीरज गुप्ता ने कहा कि वायु प्रदूषण के चलते विशेषकर बुजुर्गों, स्कूल जाने वाले बच्चों और गर्भवती महिलाओं जैसी संवेदनशील आबादी में सिरदर्द, चिंता, चिड़चिड़ापन, भ्रम और संज्ञानात्मक क्षमताओं में कमी के मामलों में अचानक वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, तंत्रिका संबंधी संज्ञानात्मक क्षमता का सीधा संबंध हवा में बढ़ते नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड से है क्योंकि वे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं।

डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि इसलिए गैस चैंबर तकनीकी रूप से एक सही शब्द है जिसका इस्तेमाल हानिकारक गैसों की सांद्रता में वृद्धि के संदर्भ में किया जाता है, न केवल कणीय पदार्थ के संबंध में।

गुप्ता ने कहा कि नॉर्थ कैरोलिना में स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का उनकी गणितीय क्षमताओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसलिए एकमात्र रास्ता इस जहरीली हवा के संपर्क में आने से बचना है, विशेष रूप से संवेदनशील आबादी और अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और रक्त के प्रवाह में कमी संबंधी हृदय रोग जैसी पहले से मौजूद स्थितियों वाले रोगियों को घर के अंदर रहने की कोशिश करनी चाहिए तथा निवारक उपाय करने चाहिए। दिल्ली में एक्यूआई शनिवार शाम चार बजे के 415 के मुकाबले और खराब होकर रविवार सुबह सात बजे 460 हो गया। डॉक्टरों ने कहा कि शहर के अस्पतालों में पिछले कुछ दिनों से श्वसन संबंधी जटिलताओं से पीड़ित रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि कई अध्ययनों में वायु प्रदूषण को मस्तिष्काघात, मनोभ्रम और संज्ञानात्मक ह्रास के बढ़ते खतरों से जोड़ा गया है। गुलेरिया वर्तमान में मेदांता अस्पताल में आंतरिक चिकित्सा, श्वसन और निद्रा औषधि विभाग के अध्यक्ष हैं।

वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए ठोस कार्वाई करने की तत्काल आवश्यकता है। हर बार सर्दियों में हवा की गुणवत्ता खराब स्तर तक गिर जाती है और इस पर बहुत चर्चा होती है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। लंबे समय तक खांसी, गले में संक्रमण और सीने में जकड़न के साथ-साथ मरीज चिंता, भ्रम और बढ़ते चिड़चिड़ापन की शिकायत कर रहे हैं। यह वायु प्रदूषण एक बड़ा संकट है जिसे तत्काल अंकुश लगाए जाने की जरूरत है।

दमकल कर्मी सर्वाधिक प्रदूषण वाले क्षेत्रों में कर रहे छिड़काव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली सरकार की मदद कर रही और सर्वाधिक प्रदूषण वाले स्थानों पर पानी का छिड़काव कर रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया, दमकल के कुल 12 वाहनों को प्रदूषण में कमी लाने के काम पर लगाया गया है। पहचान किए गए सर्वाधिक प्रदूषित स्थानों पर पानी का छिड़काव करना शुरू कर दिया गया है। गर्ग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पानी के छिड़काव से नागरिकों को थोड़ी राहत मिलेगी।

पानी का छिड़काव

आरडब्ल्यूए को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर रहा एनडीएमसी

नई दिल्ली। मेरी जिंदगी, मेरा स्वच्छ शहर के राष्ट्रीय अभियान के तहत, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने पर्यावरणीय चेतना और कलात्मकता का प्रदर्शन करने के लिए जोर बाग आवासीय कल्याण संघ के सहयोग से नागरिक भागीदारी कार्यशाला को मजबूत करने के लिए ग्लास-अपसाइक्लिंग कार्यशाला का आयोजन किया है। इस कार्यशाला में फेंकी गई कांच की बोतलों को कलात्मक और सजावटी कला के आश्चर्यजनक टुकड़ों में बदल दिया गया है। क्षेत्र के निवासी 500 बेकार कांच की बोतलों का उपयोग करके जोर बाग फाउंटेन में इस कलात्मक और पर्यावरण के प्रति जागरूक आंदोलन का हिस्सा थे। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2 के तत्वावधान में एक राष्ट्रव्यापी अभियान मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर शुरू किया है। इस थीम के अनुसार, पर्यावरण चेतना और कलात्मक सरलता के शानदार प्रदर्शन में, जोर बाग रेजिडेंट्स ने एनडीएमसी की आरआरआर परियोजना मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर की दृष्टि से एक ग्लास अपसाइक्लिंग कार्यशाला का आयोजन किया है ।

चोरी के संदेह में युवक की पीटकर हत्या

● पुलिस ने सोनू को पीटने वाले तीन लोगों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में जल बोर्ड के द्वार के समीप 26 वर्षीय एक युवक की चोरी के संदेह में कथित रूप से पीटकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान सोनू के रूप में हुई है, जो विनोद नगर का रहने वाला था। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर, सोनू को कथित रूप से पीटने वाले तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, शनिवार को पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) को मधु विहार थाने के समीप जल बोर्ड के द्वार के पास एक चोर के पकड़े जाने की सूचना मिली। एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया, जहां उसे एक घायल व्यक्ति मिला। उसे तुरंत लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने एक बयान में बताया कि मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया, मधु विहार थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या), 341 (गलत तरीके से रोकना) और 34 (साझा इरादे के साथ कई व्यक्तियों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के रहने वाले आरोपियों और पेशे से मजदूर जीवन (30), अश्विनी (28) तथा राकेश (41) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जेएनयू कुलपति आवास के बाहर प्रदर्शन पर 16 छात्रों को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के चार प्रतिनिधियों और 12 छात्रावास अध्यक्षों को कुलपति आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के मामले में जांच में शामिल होने के लिए नोटिस मिला है। इस संबंध में प्रॉक्टर एन जनार्दन राजू की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। छात्रों को पूछताछ के लिए सात नवंबर को प्रॉक्टर के सामने उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। कुलपति के आवास के बाहर 19 सितंबर को विरोध प्रदर्शन में इन छात्रों की भागीदारी को लेकर मुख्य सुरक्षा अधिकारी को शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर जांच की जा रही है। नोटिस पाने वाले छात्रों में से एक एवं जेएनयूएसयू अध्यक्ष आइशी घोष ने कहा, कम से कम पांच छात्रावासों में कई दिन तक पानी की आपूर्ति नहीं होने पर जेएनयूएसयू के छात्रों और छात्रावास अध्यक्षों ने कुलपति के आवास के बाहर प्रदर्शन किया था।

उन्होंने दावा किया, आज भी, इनमें से कई छात्रावासों में पानी की किल्लत बनी हुई है।

पूरे दिन में केवल पांच घंटे आपूर्ति होती है। इन छात्रावासों में लगभग 700-800 छात्र रहते हैं।

निहाल विहार में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

● धारदार हथियार से गर्दन व हाथ पर किए वार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के निहाल विहार इलाके में दो लोगों ने 25 वर्षीय युवक पर धारदार हथियार से कथित तौर पर हमला कर दिया, जिसमें युवक की गर्दन और हाथ पर कई चोट आई हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम को पीसीआर को एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें हनुमान मंदिर के समीप दो लोगों द्वारा एक युवक पर धारदार हथियार से हमला करने की जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि युवक की गर्दन और हाथ पर हथियार से कई वार किए गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पुलिस के एक दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया, जिन्हें जानकारी मिली कि पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की पहचान हाशिम के रूप में हुई, जो नांगलोई का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, हाशिम ने पुलिसकर्मियों को बताया कि दो अज्ञात लोगों ने बिना किसी कारण के अचानक उसपर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या के प्रयास) और 34 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया, हम घटनाक्रम को जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला को पड़ोसी ने कुत्ते से कटवाया, दो पर केस दर्ज

● घर के सामने मल त्याग करवाने से मना करने पर छोड़ा पिटबुल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने यहां स्वरूप नगर में पालतू कुत्ते को कथित रूप से उकसाकर अपने एक पड़ोसी को उससे कटवाने पर एक व्यक्ति और उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को जब एक महिला ने अपने घर के सामने एक पिटबुल कुत्ते के मलत्याग कर देने पर एतराज किया तब यह घटना घटी।

महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि कुत्ते के मालिकों ने उसे उकसाकर उसके पीछे छोड़ दिया तथा कुत्ते ने दाहिने पैर और हाथ समेत उसके शरीर पर चार जगह काट लिया। इस महिला को उसके पड़ोसी इलाज के लिए नजदीक के एक अस्पताल ले गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें नजर आ रहा है कि कुत्ता महिला पर हमला कर रहा है तथा वहां से गुजर रहे लोग उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, शुक्रवार को एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पिटबुल कुत्ते ने उसके मालिक द्वारा उकसाने और खुला छोड़ देने के बाद उसपर हमला कर दिया।

स्वरूप नगर क्षेत्र में यह घटना तब घटी जब महिला ने उसके मालिक को उसके घर के सामने कुत्ते का मलत्याग नहीं करवाने को कहा।

दिल्ली सरकार के 9 अस्पतालों में आईसीयू सुविधा नहीं : सचदेवा

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अरविंद केजरीवाल सरकार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद दिल्ली सरकार के अस्पतालों की वास्तविकता की जांच से पता चलता है कि केजरीवाल सरकार के 9 प्रमुख लिंक अस्पतालों में रोगियों के लिए आईसीयू की बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नही है।

ये 9 अस्पताल आचार्य भिक्षु अस्पताल मोती नगर, बाबू जगजीवन राम अस्पताल जहांगीरपुरी, गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल रघुबीर नगर, जग प्रवेश चंद्र अस्पताल शास्त्री पार्क, महर्षि बाल्मीकि अस्पताल पूठ खुरद, डॉ.एन.सी. जोशी अस्पताल करोल बाग, सरदार बल्लभ भाई पटेल अस्पताल पटेल नगर, दादा देव अस्पताल डाबड़ी, राव तुला राम अस्पताल जाफरपुर कलां ऐसे लिंक अस्पताल हैं, जो आम आदमी के लिए दिल्ली में स्थित प्रमुख दिल्ली सरकार या केंद्र सरकार के अस्पतालों में प्रवेश पाने में असमर्थ रोगियों के लियें एक बड़ा विकल्प हैं।

सीआईएसएफ के जवान ने बचाई मेट्रो यात्री की जान

● उत्तम कुमार ने यात्री के बेहोश होने पर दिया कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एक जवान ने दिल्ली मेट्रो के एक स्टेशन पर बेहोश हुए 58 वर्षीय व्यक्ति को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन देकर उसकी जान बचाई। सीपीआर एक जीवनरक्षक तकनीक है जो सांस या हृदयगति रुक जाने जैसी आपात स्थितियों में जीवनरक्षक साबित हो सकती है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी ने बताया कि यह घटना नांगलोई स्टेशन पर शनिवार को दोपहर करीब साढ़े बजे हुई। जब यात्री स्टेशन के प्रवेश पर शारीरिक सुरक्षा जांच को पार करने के बाद व्यक्ति अचानक बेहोश हो गया। ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ कर्मी उत्तम कुमार ने यात्री को तुरंत सीपीआर दिया, जिसके बाद व्यक्ति को होश आ गया। पीड़ित को इसके तुरंत बाद पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसके परिवार के सदस्यों को स्टेशन से ही सूचित कर दिया गया था तथा वे उसके साथ हैं। सीआईएसएफ दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की सुरक्षा करता है और इसके कर्मियों ने समय पर सीपीआर देकर पिछले कुछ साल में कई लोगों की जान बचाई है।

आप के कई नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में हुए शामिल

नई दिल्ली। किराड़ी विधानसभा के आम आदमी पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आप पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अरविन्दर सिंह लवली ने उनका कांग्रेस में स्वागत किया और कहा कि उनके सम्मान का पूरा ख्याल रखा जाऐगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में शामिल नेताओं को पार्टी का कार्य करने के लिए जिम्मेदारी भी दी जाऐगी। इस अवसर पर अरविन्दर सिंह लवली के अलावा दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री मंगत राम सिंघल, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमित मलिक, नगर निगम के प्रभारी जितेन्द्र कोचर आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

पोस्टर जारी करते हुए डॉ आर. पी. पाराशर, डॉ ज्ञानेश्वर शर्मा, डॉ ए. के. सिंह, डॉ. मुकेश त्यागी और डॉ टी. पी. सिंह।

सर्वजन हिताय यज्ञ से धनवंतरी सप्ताह शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय धनवंतरी सप्ताह पूरे देश में मनाया जा रहा है। इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (आयुष) द्वारा आठवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस और धनवंतरि जयंती के कार्यक्रम रविवार से से शुरू हो गए हैं। इसकी शुरुआत संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद अपनाएं अभियान की शुरुआत आज रोहिणी में आयोजित सर्वजन हिताय यज्ञ से की गई। यज्ञ के समापन के बाद एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरपी पाराशर ने बताया कि मरीजों और आम लोगों को आहार-विहार से संबंधित आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाएगी। संगठन के संरक्षक डॉ. युवराज त्यागी, संगठन की दिल्ली शाखा के अध्यक्ष डॉक्टर ज्ञानेश्वर शर्मा उपाध्यक्ष डॉ एके सिंह, डॉ टीपी सिंह, डॉ वीके जैन, डॉ. मुकेश त्यागी, डॉ शशिकांत शर्मा, डॉ धर्मेंद्र कौशिक मौजूद थे।

इग्नू में नया शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू करने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष सरदार जसविंदर सिंह जॉली ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली विश्वविद्यालय व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में पंजाबी भाषा में डिप्लोमा, स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर नए दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू करने की अपील की। शिक्षा मंत्री सहित दिल्ली व इग्नू दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को लिखे पत्र में सरदार जसविंदर सिंह जॉली ने कहा कि पंजाबी भाषा का यह कोर्स शुरू करने से विद्यार्थियों व विश्वविद्यालयों को भी बहुत लाभ होगा क्योंकि पंजाबी व्यापक स्तर पर बोली जाती है व पंजाब प्रांत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है जिसका आज के विविधतापूर्ण व वैश्विकृत युग में बहुत अधिक महत्व है।

दिल्ली की सीमाओं में पेड़ लगाने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने अपने पंच प्रमुखों की बैठक में दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से छोटे छोटे बच्चे, बुजुर्ग व बेजुबान पक्षीयों की परेशानी देख कर उपराज्यपाल दिल्ली व मुख्यमंत्री दिल्ली से मांग की कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए दिल्ली सीमा पर दिल्ली के चारों ओर वनों जंगलों को बनाया जाए। और इसमें बरगद,नीम,पीपल जैसे बड़े वृक्ष लगाएं जाएं। फलदार वृक्षों को भी लगाया जाए। बेजुबान पक्षीयों जानवरों के लिए।और इनमें थोड़ी थोड़ी दूरी पर तालाब वाटर बॉडी की तरह बनाए जाएं। ताकि इनमें बेजुबान पक्षीयों का बसेरा हो ओर इनको भी प्रदूषण से बचाया जा सके। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि सरकार इन वनों,जंगलों के लिए एक बोर्ड का गठन करे।ओर इसमें गांवों को भी जोड़े। सह प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि दूसरी ओर दिल्ली के गांवों में जो तालाब मौजूद है।

फूल वालों की सैर का समापन, कलाकारों ने समां बांधा

सिर्फ एक उत्सव नहीं, ये दशकों से दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब का हिस्सा: आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय संस्कृति और एकता का प्रीतकफूल वालों की सैर कार्यक्रम का धूमधाम से समापन समारोह आयोजित किया गया।

राजस्व मंत्री आतिशी ने इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया और विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और यहां शानदार कव्वाली का भी आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि फूलवालों की सैर सिर्फ एक उत्सव नहीं, ये दशकों से दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में देश के हर हिस्से के लोग, हर धर्म संप्रदाय, मान्यता के लोग रहते है और इस प्रकार के उत्सव सभी को साथ लाने का काम करते है। उन्होंने कहा कि फूल वालों की सैर के जीवंत उत्सव के बीच, आज आपके सामने खड़ा होना बेहद खुशी की बात है। हमारी सदियों पुरानी परंपराओं का हिस्सा यह उत्सव, भारत की समृद्ध और साझी संस्कृतियों का एक प्रमाण है। राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि भारत, असंख्य परंपराओं, विविध मान्यताओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों का मिश्रण का देश है। आज का उत्सव उन्हीं परंपराओं का हिस्सा है जो हमें धर्म, जाति और पंथ की बाधाओं से परे एक साथ जोड़ता हैं।

हमारी साझी विरासत का ताना-बाना बुनता हैं। उन्होंने कहा कि, आज के समय में जब इंसान को इंसानियत से दूर किया जा रहा है, एक दूसरे से लड़ाया जा रहा है। ऐसे में फूलवालों की सैर लोगों को साथ लाने का त्यौहार है। जो आपसी भेदभाव की भुलाकर प्रेम और सौहार्द को बढ़ाता है। आतिशी ने कहा कि हमें अपनी इन परंपराओं को संजोना और उनका जश्न मनाना जारी रखना चाहिए, क्योंकि ये ऐसे पुल हैं जो हमें हमारी जड़ों से, एक-दूसरे से और उस भविष्य से जोड़ते हैं जिसकी हम सामूहिक रूप से कल्पना करते हैं।

सिर पर मैला ढोने को लेकर फैसले का पालन करें : कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार और एमसीडी के अधिकारियों को सिर पर मैला ढोने की प्रथा के उन्मूलन के लिए कानून के सख्ती से कार्यान्वयन पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कई निर्देश पारित किए हैं, जिसमें सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौत के लिए 30 लाख रुपए की बढ़ी हुई मुआवजा राशि और स्थाई रूप से दिव्यांगता के मामले में न्यूनतम 20 लाख रुपए की मुआवजा राशि शामिल है। पीठ ने हाल में जारी एक आदेश में कहा, शीर्ष अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई अन्य निर्देश जारी किए हैं कि सिर पर मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए।

पार्षद पद के उपचुनाव में संदीप सिंगला ने पूर्व पार्षद को 162 वोटों से हराया

नरेश रोहिल्ला। सोहना

नगर परिषद के वार्ड-15 में पार्षद पद का हुआ उपचुनाव में संदीप सिंगला ने पूर्व पार्षद कुसुम गोयल को 162 वोटों से हरा दिया। संदीप सिंगला को 703 और कुसुम गोयल को 541 वोट मिली।

रविवार को नगर परिषद के वार्ड 15 में पार्षद का हुआ उपचुनाव कड़ी सुरक्षा और शांतिपूर्ण वातावरण में हुआ। नगर के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में बना मतदान केन्द्र पर दो बूथ बनाए गए थे। वार्ड में कुल वोट 1541 थी। जिनमें से 1253 वोट पोल हुई। जिसमें बूथ नंबर 30 पर 604 तथा 31 पर 649 वोट पड़ी। संदीप सिंगला को 703 तथा कुसुम गोयल को 541 वोट मिली। जिससे संदीप सिंगला ने कुसुम गोयल को 162 वोटों से हरा दिया। संदीप सिंगला ने इस जीत को वार्ड मतदाताओं के सहयोग और आशीर्वाद कहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड वासियों के सामुहिक समस्याओं को जल्द से जल्द निपटाने का काम किया जाएगा। जो विश्वास मतदाताओं ने उस पर किया है। वह उस विश्वास को पूरा करेगा।

चुनाव जीतने के बाद संदीप सिंगला का माला पहनाकर किया भव्य स्वागत।

संदीप परिजनों से मिलने के दौरान जीत की खुशी में हुए भावुक।

2022 में हुई हार का बदला : संदीप सिंगला को नगर परिषद का 2022 में हुआ आम चुनाव में इसी वार्ड-15 में कुसुम गोयल के पति स्वर्गीय राजकुमार गोयल से हार मिली थी। राजकुमार गोयल की मृत्यु करीब छह माह पहले बीमारी के कारण हो गई थी। आज संदीप सिंगला ने राजकुमार कोयल की पत्नी कुसुम गोयल को हराते हुए 2022 में मिली हार का बदला ले लिया।

> **उपचुनाव** में ड्यूटी करने वाली कर्मचारी और अधिकारियों के कुशलता के चलते समपन्न हुआ। चुनाव में ड्यूटी करने वाले सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने ड्यूटी को सही तरीके से निभाया। जिससे उपचुनाव सही समय पर पूरा कराने में सफल रहे।
> **(प्रदीप सिंह-एसडीएम सोहना)**

चुनाव कड़ी सुरक्षा और शांति में हुआ : रविवार को हुआ पार्षद पद का उपचुनाव शांतिपूर्ण और कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ। सुबह के दो घंटा मतदान धीमा चला।

सही सड़क के ऊपर नई सड़क बना रहा नगर निगम, टूटी सड़कों की सुध नहीं

लोगों ने सड़क न बनाने को दिया है पत्र

सड़क पर सड़क बनाने से लेवल हो रहा ऊंचा, घरों में भरेगा बरसाती पानी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-14 में बनी हुई सड़क को फिर से बनाया जा रहा।

सेक्टर-14 में पुराना दिल्ली रोड से पुलिस स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क बिल्कुल ठीक है। कहीं से टूटी नहीं है। फिर भी उस सड़क के ऊपर नई सड़क बनाई जा रही है। लोगों ने लिखित में सड़क नहीं बनाने के लिए दिया है, फिर भी जबरदस्ती सड़क बनाई जा रही है। दूसरी तरफ वर्षों से टूटी सड़कों पर पैच वर्क करने का भी काम नगर निगम नहीं कर रहा। नगर निगम गुरुग्राम की कार्यप्रणाली भी समझ नहीं आ रही।

वार्ड-6 के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-14 के निवासी अमी लाल, शकुंतला वर्मा, विनय कुमार सैनी, आशीष भाटिया ने वार्ड के निवर्तमान पार्षद को लिखित में पत्र देकर कहा है कि मकान नंबर-281 से 323 तक सड़क बिल्कुल सही है। इसमें किसी प्रकार की कोई टूट-फूट नहीं है। इसलिए इस गली को दोबारा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। साथ ही एक समस्या बताते हुए यह भी कहा गया है कि इस गली में 15 घर ऐसे हैं, जिनमें बरसात के समय पर पानी भर जाता है। सीवर ओवरफ्लो हो जाते हैं। ऐसे में इस सड़क के ऊपर नई सड़क बनाने से इसका लेवल ऊंचा हो जाएगी और बरसात के समय लोगों के घरों में अधिक पानी भरेगगा। बिना वजह सड़क को 4.5 सेंटीमीटर ऊंचा उठा देना समस्या को और गंभीर करेगा। लोगों ने यह भी कहा कि अगर नगर निगम बनी हुई इस सड़क को नया ही बनाना चाहता है तो पहले पुरानी सड़क से 3-4 ईंच तक मलबा हटाए। इसके बाद इसका निर्माण करेगा। कहीं थोड़ी सी कमी है तो उसे पैच वर्क करके ठीक किया जा सकता है। सड़क पर सड़क बनाना फिजूलखर्ची है। समाजसेवी ऋतुराज ने कहा कि जीएमडीए और नगर निगम में सीईओ व कमिश्नर के पद पर एक ही अधिकारी है। नए गुरुग्राम में जीएमडीए ने बरसात में भी सड़कों का निर्माण किया है, लेकिन पुराने गुरुग्राम में नगर निगम क्षेत्र में सूखे में भी काम नहीं किए जा रहे। सेक्टर-14 में बिना टूटे ही सड़क का फिर से निर्माण करना समझ से परे है। इसकी जांच भी होनी चाहिए कि आखिर इस तरह से सड़क क्यों बनाई जा रही है।

टूटी सड़कें निगम की अनदेखी का शिकार : नगर निगम गुरुग्राम में टूटी सड़कों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा। वर्षों से इन सड़कों से उड़ती धूल और गड्ढों के कारण लोग परेशान हैं। फिर भी इनको दुरुस्त करने की जहमत नहीं उठाई जाती। सेक्टर-10 चौक से गढ़ी-हरसरू की सड़क को ही ले लें। यहां बहुत गहरे गड्ढे सड़क में हैं। गाड़ौली से पहले सड़क बनाने का काम तो शुरू किया गया, लेकिन कुछ दूरी में ही इस सड़क को बनाया गया है। इसके बाद कई दिन से काम बंद पड़ा है। यहां गड्ढे से आते-जाते लोगों के वाहन कबाड़ा होते जा रहे हैं, लेकिन सड़क कब तक बनेगी इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता। अधिकारियों को चाहिए कि नगर निगम के इस क्षेत्र में भी विकास का काम करा दें तो आम जनता को लाभ होगा।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ गुरुग्राम विवि का चौथा युवा महोत्सव

गुरुग्राम विवि के युवा महोत्सव में ओवरऑल विजेता द्रोणाचार्य कॉलेज की टीम।

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय चौथे युवा महोत्सव का रविवार को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में हुए इस महोत्सव में द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय गुरुग्राम ओवरऑल विजेता रहा।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि आनंद मोहन शरण अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग व विशिष्ट अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। तीन नवंबर से शुरू हुए तीन दिवसीय युवा महोत्सव शंखनाद-4 में गुरुग्राम विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 20 कॉलेजों के 1165 से अधिक प्रतिभागियों ने 44 प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी कला-कौशल एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गुरुग्राम विवि ने पृथ्वी एवं गीतांजलि ट्रॉफी पर कब्जा किया। हरिदास ट्रॉफी गवर्नमंट कॉलेज गर्ल्स ने जीती। शंखनाद-4 में गुरुग्राम विवि के छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। जहां गुरुग्राम विवि के छात्रों ने शास्त्रीय नृत्य, भारतीय शास्त्रीय संगीत (स्वर वाद्य), गजल/ गीत / भजन, एकल नृत्य (लोक) महिला, वन-एक्ट-प्ले, माइम, बहस (हिन्दी), बहस (अंग्रेजी), क्ले मॉडलिंग,डाक्यूमेंट्री, जुलूस, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-वन एक्ट प्ले, की प्रतियोगिता में पहला स्थान एवं कव्वाली, वेस्टर्न वोकल, लोक गीत (हरियाणवी), लोक गीत, एकल नृत्य पुरुष, स्किट हरियाणवी, शार्ट फिल्म, काव्य पाठ (पंजाबी) उर्द, हरियाणवी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विवि का नाम रोशन किया।

संक्षिप्त समाचार

अभिभावक अपनी इच्छा बच्चों पर ना थोपें: राजेंद्र तिवारी

मैत्री इंटरनेशनल स्कूल बोहड़ाकलां के प्रथम वार्षिक दिवस समारोह में दीप प्रज्जवलित करते अतिथि।

गुरुग्राम। मैत्री इंटरनेशनल स्कूल बोहड़ाकलां द्वारा अपना प्रथम वार्षिक दिवस समारोह आयोजित कियागया। इस वार्षिक दिवस समारोह की थीम अतुल्य भारत पर केंद्रित रही। इस सामारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राजेन्द्र तिवारी रहे। कार्यक्रम को ओम शांति रिट्रीट सेंटर की प्रमुख ब्रह्म कुमारी आशा दीदी ने भी संभोधित किया। समारोह का प्रारंभ विद्यार्थियो द्वारा परेड प्रस्तुत कर किया गया। मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ आनर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के प्रबंध निदेशक सुमंत दत्ता ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि राजेंद्र तिवारी डायरेक्टर राज्यसभा ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा की खेल का मैदान हो या फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही परीक्षा का समय। छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। तनाव रहित रहकर प्रदर्शन करने पर कामयाबी मिलना निश्चित है। राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि बच्चों के स्वाभाविक विकास के लिए अभिभावक अपनी इच्छा उन पर नहीं थोपनी चाहिए। उन्होंने मैत्री स्टूडेंट्स की तारीफ करते हुआ कहा कि ये बच्चे सम्पूर्ण भारत की किसी भी स्कूल से अधिक बेहतर हैं। इन्हें ज्यादा अच्छे तरीके से तराशा गया है। इस मौके पर बोहड़ाकला ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशक बीके आशा दीदी ने विद्यार्थियों प्रोत्साहित करते हुए कहा अध्यापक और अभिभावक इनका जीवन में सदैव सम्मान करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा अपने से उम्र में बड़ों और हम उम्र तथा छोटों से ही जीवन पर्यंत कुछ न कुछ सीखने के लिए अवश्य मिलता है। बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए शिक्षित सहित सभ्य होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि कर्नल सुरेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया।

दिल्ली के रामलीला मैदान में 26 को होगा धरना

अहीर रेजिमेंट की मांग के लिए दिल्ली में धरना देने के लिए पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह से आग्रह करते लोग।

गुरुग्राम। चार फरवरी से अहीर रेजिमेंट के गठन की मांग को लेकर खेड़की दोला टोल प्लाजा के नजदीक धरने पर बैठे यादव समाज के लोगों ने आगामी 26 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में धरने का निर्णय लिया है। इस धरने पर पहुंचने के लिए शनिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह से मुलाकात की और अपना समर्थन देने का आग्रह किया। इस मौके पर यादव समाज के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह को बताया कि संयुक्त अहीर रेजिमेंट मोर्चा की तरफ से पिछले दिनों की गई बैठक में भी 18 नवंबर से दिल्ली-जयपुर हाइवे को जाम करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटा जाएगा और रेजिमेंट का गठन करवाने की मांग पर अडिग रहेंगे। सरकार काफी समय से हमारी जायज मांग को नहीं मान रहीं है। पहले भी इस मांग के धरने में कई राजनीतिक और सामाजिक दलों ने हिस्सा लेकर सेना में गठन के लिए अहीर रेजिमेंट की मांग की है। समाज के लोग पहले भी कई बार इस मांग को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं। मगर सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। अब इस धरने को आंदोलन का रूप दिया जाएगा। इस मौके पर धर्म नंबरदार बादशाहपुर, कंवर लाल नकडोला, अरुण यादव खेड़की दोला, सतीश कुमार, जय नारायण जफरपुर, रविंद्र फौजी समेत कई लोग शामिल रहे।

प्रदूषण से खांसी व आंखों में जलन, लोग परेशान

सोहना। आसमान में फैला प्रदूषण के चलत रविवार को सूर्य देवता के पूरे दिन में दर्शन नहीं होने दिया। प्रदूषण बढ़ने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। लोग खांसी, आंखों में जलन, दमा रोगियों को सासें लेना मुश्किल हो रहा है। पिछले करीब चार दिन से आमसान में छाया प्रदूषण सास लेने में परेशानियां पैदा कर रहा है। वाहन चालकों को भी प्रदूषण खराब होने के कारण रात के समय में परेशानियां हो रही है। प्रदूषण कोहरे की तरह से छाया होने से वाहनों की रोशनी अधिक दूरी तक पहुंच नही पा रही है। अस्थमा के रोगियों को अधिक परेशानियां हो रही है। जिन्हे सास लेने में परेशानी आ रही है। दवाइयां कम असर दिखा रही है। नागरिक अस्पताल में खॉसी व जुखाम के रोगियों की संख्या में बढौत्तरी हुई है। नागरिक अस्पताल में उपचार लेने आ रहे रोगियों में 30 फीसदी खांसी से परेशान हैं। घरों से बाहर अपने कामकाज पर जाने वाले लोगों को डॉक्टर मास्क लगाने की सलाह दे रहे है। ताकि उन्हें खांसी होने से बचाव हो सके। इसके अलावा आंखों को दिन में दो से तीन बार सादे पानी के छीटें मारे या धौ ले। जिससे प्रदूषण से होने वाली जलन कम हो सके। 24 घंटा उपयोग होने वाला मास्क का उपयोग करना अधिक लाभदायक होता है। जिसमें सफर करने के दौरान प्रदूषण के कण बैठ जाते है। इसलिए उपयोग के बाद फेंक देने वाला मास्क का ही इस्तेमाल करना आसान होता है।

जैन संत फूल चंद चैरिटेबल अस्पताल में मनाई दीवाली

गुरुग्राम में जैन संत फूल चंद जी चैरिटेबल अस्पताल में दीवाली उत्सव में कैंडल जलाते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

न्यू रेलवे रोड सेक्टर-4 स्थित जैन संत फूल चंद जी चैरिटेबल अस्पताल के डॉक्टरों, कर्मचारियों, कुछ मेहमानों और मरीजों सहित लगभग 150 लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ दिवाली का पर्व मनाया। अस्पताल के अध्यक्ष अनिल जैन ने अस्पताल में सुविधाओं की जानकारी दी।

दीवाली पर्व को जैन धर्म में इसे भगवान महावीर स्वामी जी के निर्वाण दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस खास त्योहार को मनाने के लिए सभी ने हाथों में जलती हुई मोमबत्ती पकड़ी और एक-दूसरे के समृद्ध और सुखी जीवन की कामना की। अस्पताल के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन पिछले दो वर्षों से अस्पताल का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं। उन्होंने सभी को उपहार और मिठाइयां वितरित कीं। अनिल जैन ने पूरे प्रबंधन की ओर से सभी को त्योहार मनाने के लिए अपना समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया।

सितार, सारंगी, गायन और स्वरलय-संवाद की प्रस्तुतियों के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय 19वां समप संगीत सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सोपोरी अकादमी ऑफ म्यूजिक एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स (समप) ने दिल्ली के वार्षिक सामापा संगीत सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कमानी सभागार में तीन से पांच नवम्बर तक आयोजित तीन दिवसीय 19वें वार्षिक समप संगीत सम्मेलन में इस बार भी युवा एवं दिग्गज कलाकारों का प्रस्तुतिकरण शामिल रहेगा। इंडियन ऑयल और इफको के सहयोग से प्रस्तुत किए जा रहे इस संगीत समारोह में जम्मू-कश्मीर से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के सम्मान प्रतिष्ठित समप पुरस्कार दिए जाएंगे। उत्सव महान संगीत दिग्गज स्व. पं. भजन सोपोरी जी को श्रद्धांजलि है।

तीन दिवसीय समप संगीत सम्मेलन की शुरुआत दीप जलाकर हुई, जिसके बाद बच्चों ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। संगीत प्रस्तुतियों में पहल प्रस्तुति रही अंकुश नायक (सितार) की, उस्ताद अकरम खान (तबला) ने उन्हें संगत दी। शाम की दूसरी प्रस्तुति उस्ताद मुराद अली खान (सारंगी) की थी, जिन्होंने शाहनवाज अली एवं सुभान अली (सारंगी) एवं अमान अली खान (तबला) की संगत में मंत्र-मुग्ध करने वाली प्रस्तुति दी। इसके बाद विदुषी शाश्वती मंडल (गायन) ने उपस्थित दर्शकों की वाह-वाही लूटी। इस प्रस्तुति में उन्हें संगत दी पं. दुर्जय भौमिक (तबला) एवं पारोमिता मुखर्जी (हारमोनियम) ने। सम्मेलन के पहले दिन की आखिरी प्रस्तुति में सुरबहार और सुरसिंगार 'दुर्लभ वाद्य' का प्रदर्शन किया गया, जहां पं. विजय शंकर मिश्रा (समन्वयक) के नेतृत्व में श्याम रस्तोगी (सुरबहार और सितार) और जॉयदीप मुखर्जी

(सुरसिंगार और सरोद) के साथ स्वर-लय-संवाद हुआ। कार्यक्रम का संचालन जानी-मानी एंकर साधना श्रीवास्तव ने किया। समप संगीत सम्मेलन के दूसरे दिन अजय पी. झा (मोहन वीणा), विदुषी सुभ्रा गुहा (गायन) की संगीत प्रस्तुतियां होंगी और नृत्य में पं. दीपक महाराज और रागिनी महाराज के कार्यक्रम शामिल रहेंगे। वहीं तीसरे और अंतिम दिन विराज जोशी (गायन) पं. अभय रुस्तम सोपोरी (संतूर) और डॉ. प्रभाकर और डॉ. दिवाकर कश्यप (कश्यप बंधु)-(स्वर) की प्रस्तुतियां रहेंगी। दोनों ही दिन समप पुरूस्कार भी दिये जायेंगे। पुरस्कारों में पं. डालचंद शर्मा (पखावज) को 'समप वितस्ता सम्मान', डॉ. रोजलिन पाटसानी मिश्रा- परिचय फाउंडेशन, ओडिशा को 'समप कला वर्धन सम्मान', शाहनाज रशीद को 'समप नुंद ऋषि सम्मान', अवतार कृष्ण मोटा को 'समप आचार्य अभिनवगुप्त सम्मान', डॉ. प्रभाकर कश्यप और डॉ. दिवाकर कश्यप (गायन) को 'समप संगीत तेजस्वी सम्मान', विराज जोशी (गायन) को 'समप युवारतन सम्मान' और साधना श्रीवास्तव (कॉम्पेयर और कला वृत्तचित्र निर्माता) को 'समप उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किया जा रहा है।

14 दिसंबर तक बढ़ाई आधार कार्ड अपडेशन की तारीख

गुरुग्राम। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने जनहित में आधार कार्ड अपडेशन की तिथि बढ़ाकर 14 दिसंबर 2023 कर दी है। डीसी निशांत कुमार यादव ने आमजन से आह्वान किया है कि वे अपने आठ से 10 साल पहले बने आधार कार्ड को 14 दिसंबर 2023 तक यूआईडीएआई के पोर्टल पर स्वयं निशुल्क अपडेट कर सकते हैं। आधार कार्ड को ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए आधार कार्ड धारक को किसी प्रकार के शुल्क की अदायगी नहीं करनी होगी, जबकि सीएससी सेंटर से अपडेट कराने पर निर्धारित शुल्क देना होगा। जिला में जिन व्यक्तियों ने पिछले आठ या दस सालों में आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है, ऐसे व्यक्ति को अपना आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए रिहायशी प्रमाण पत्र और स्वयं का पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। डीसी ने बताया कि आधार कार्ड धारक माई आधार पोर्टल से आधार ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

मधुकर रेनबो चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल द्वारा स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित बच्चों का इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के एक प्रमुख बाल चिकित्सा और प्रसूति अस्पताल, मधुकर रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) के एक मामले के इलाज में अपनी सफलता प्रकाशित की, जो एक जन्मजात आनुवंशिक विकार है जो मुख्य रूप से तंत्रिका तंत्र और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है। शुरुआती मामलों में बच्चे के 2-3 साल से अधिक जीवित रहने की उम्मीद नहीं है।

3-4 महीने की उम्र से ही शिशु के ऊपरी और निचले दोनों अंगों में लगातार कमजोरी आ रही थी, साथ ही श्वसन मांसपेशियों की कमजोरी के कारण सांस लेने में कठिनाई बढ़ रही थी। भले ही बीमारी का कोई पारिवारिक इतिहास नहीं था, लेकिन आनुवंशिक परीक्षण द्वारा एसएमए के नैदानिक संदेह की पुष्टि की गई थी। यह मामला पारिवारिक इतिहास के बिना आनुवंशिक विकारों के होने की संभावना पर प्रकाश डालता है। ऐसे विकारों के लिए भावी माता-पिता में सामान्य आनुवंशिक विकारों के लिए वाहक परीक्षण के महत्व पर जोर देने की आवश्यकता है।

न्यूरोलॉजी टीम ने पर्यवेक्षण के तहत मौखिक दवा प्रदान की, जो एक जीन संशोधित दवा है, और माता-पिता को घर पर दवा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। इसके अतिरिक्त, पल्मोनोलॉजी टीम द्वारा माता-पिता को उचित भोजन के तरीके और वायुमार्ग प्रबंधन तकनीकों के बारे में बताया गया। रोगी की चल रही देखभाल के लिए नियमित मासिक जांच निर्धारित की गई थी। बच्चे की हालत में काफी सुधार हुआ है और उसकी सांस संबंधी समस्याएं ठीक हो गई हैं। बेहतर मांसपेशियों की शक्ति के कारण वह लंबे समय तक बैठने में भी सक्षम है, दवा के बिना उससे ऐसा करने की उम्मीद नहीं की जाती थी। एसएमए एक जटिल, प्रगतिशील और दुर्लभ बीमारी है जो उपचार को चुनौतीपूर्ण बना देती है। हालाँकि, हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, नए उपचारों से एसएमए से पीड़ित लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार की संभावना है, बशर्ते कि बीमारी के दौरान जल्दी उपचार शुरू किया जाए।

डॉ. चंद्र शेखर सिंघा, वरिष्ठ सलाहकार, एमबीबीएस, एमडी, पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर, ने कहा, आनुवंशिक विकार उपचार प्रभावी हैं, लेकिन उनकी उच्च लागत विकासशील देशों में उन तक पहुंच को मुश्किल बनाती है। इन मामलों में, वाहक स्क्रीनिंग और प्रसवपूर्व निदान जैसी पारंपरिक आनुवंशिक विधियाँ आवश्यक हो जाती हैं। ये विधियां दंपत्तियों को एसएमए से निपटने के दौरान बच्चे पैदा करने के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करती हैं।

मत्स्य से कल्कि तक के अवतार को स्कूली बच्चों ने किया मंचित

गुरुग्राम के ग्रीनवुड स्कूल के वार्षिकोत्सव पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

गुरुग्राम। सेक्टर-9 में स्थित ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुत दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ योगा व अन्य प्रेरणादायी कार्यक्रमों से बच्चों ने समां बांध दिया। कार्यक्रम में भगवान विष्णु के दैवीय स्वरूपों पर आधारित दशावतार विषय पर मत्स्य से कल्कि तक कार्यक्रम बेहद ही खास रहा। संभवत: ऐसी पहली बार हुआ कि बच्चों ने इस तरह का धार्मिक आयोजन करके अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया हो।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कामधेनु आरोग्य संस्थान के संस्थापक एवं सेवानिवृत्ति आईएएस अधिकारी एसपी गुप्ता ने शिरकत की। स्कूल की अध्यक्षा सरिता कुमार, विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा तथा समारोह में पधारे सभी अतिथिगण ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रेरणा देने व धार्मिक संस्कारों को जागृत करने के लिए कार्यक्रम दशावतार की थीम पर हुआ।

विद्यालय के छात्रों ने भगवान विष्णु जी के विभिन्न अवतारों पर नृत्य, संगीत, अभिनय जैसे अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रमों को बड़े रोचक तरीके से प्रस्तुत किया तथा भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार से कल्कि अवतार तक के आध्यात्मिक स्वरूपों को प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को मुग्ध कर दिया।

19वां समप संगीत सम्मेलन का दूसरा दिन

मन मोह गए अजय की मोहन-वीणा, सुभ्रा का गायन और दीपक-रागिनी का कत्थक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कमानी सभागार में शुक्रवार की संध्या शुरू हुए 19वें समप संगीत सम्मेलन के दूसरे दिन भी दर्शकों ने संगीत की विभिन्न विधाओं का लुत्फ उठाया और दिल्ली के गंभीर होते वातावरण में राहत के कुछ पल बिताये। सोपोरी अकादमी ऑफ म्यूजिक एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स (समप) द्वारा आयोजित दिल्ली के लोकप्रिय वार्षिक समप संगीत सम्मेलन में दूसरे दिन श्री. अजय पी. झा (मोहन वीणा), विदुषी सुभ्रा गुहा (गायन) की संगीत प्रस्तुतियां और पंडित दीपक महाराज एवं सुश्री रागिनी महाराज (कथक नृत्य) के नृत्य कार्यक्रम शामिल थे। इसके अतिरिक्त वार्षिक प्रतिभाओं को समप पुरूस्कार भी दिए गए। तीन दिवसीय इस समारोह में कमानी सभागार के फॉयर में लगाई गई जम्मू-कश्मीर के कलाकारों की चित्र प्रदर्शनी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

महान संगीत दिग्गज स्व. पं. भजन सोपोरी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते 19वें समप संगीत सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरूआत स्कूली बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद पारंपरिक अंदाज में दीप प्रज्जवलित किया गया। संगीत कार्यक्रम में शाम की पहली प्रस्तुति श्री. अजय पी. झा (मोहन वीणा) ने दी। उनके प्रस्तुतिकरण में उस्ताद अख्तर हसन (तबला) और डॉ. विनय मिश्रा (हारमोनियम) साथी कलाकार थे।

एक मंझे हुए कलाकार की भांति अजय पी झा ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों की तालियां बटोरी। उन्होंने सभी को अपनी वीणा से तारों से मंत्रमुग्ध कर दिया और पारम्परिक आलाप, जोड़, झाला प्रस्तुत करके उनकी खूब वाहवाही लूटी। शाम की दूसरी प्रस्तुति में विदुषी सुभ्रा गुहा (गायन) की रही। उन्होंने साथी कलाकारों सुश्री सबीना मुमताज (गायन), पं. राम मिश्रा (तबला) एवं श्री जाकिर ढोलपुरी (हारमोनियम) के संग मिलकर समां बांध दिया। समप संगीत सम्मेलन के दूसरे दिन की अंतिम प्रस्तुति स्व. पंडित बिरजू महाराज के बेटे दीपक महाराज और पोती रागिनी के कथक नृत्य के नाम रही। सभागार में दो चीजों का बोल-बाला था, एक दीपक महाराज एवं रागिनी की कथक और दूसरा दर्शकों का भई वाह! इंडियन ऑयल और इफको के सहयोग से प्रस्तुत किए जा रहे इस 3 दिवसीय संगीत समारोह के दूसरे दिन वार्षिक समप पुरस्कार भी दिए गए।

प्रदूषण बढ़ने से गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे लोग

पदम सिंह घुघेरा। पलवल

शहर में कूड़े के ढेर में आग लगाने व किसानों के पराली जलाने की वजह से एकाएक वातावरण बहुत ही प्रदूषित हो गया है। जिसकी वजह से सुबह-शाम वातावरण में स्मॉग की मात्रा काफी अधिक हो गई है। वहीं किसानों की धान, बाजरा फसलों की कटाई-उठाई से वातावरण में धूलकणों की अधिकता हो गई है। जिससे शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। लोगों का कहना है कि एकाएक वातावरण मे धुआं और धूलकणों की अधिकता की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। वहीं इसकी वजह से लोग कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। स्मॉग की अधिकता की वजह से लोगों को अस्थमा, दमा, लीवर इंफेक्शन, फेफड़ों के रोग, आंखों में जलन आदि बीमारियां बढ़ रही हैं। शहर के हुडा सेक्टर दो, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अनाज मंडी, सब्जी मंडी, तुहीराम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, शिव कॉलोनी, प्रकाश विहार, आदर्श कॉलोनी, जवाहर नगर, न्यू कॉलोनी, धर्म नगर, मोहन नगर, कैलाश नगर, बंसत विहार, नीमतला मोहल्ला, थांई मोहल्ला, सराय पुख्ता, लक्खी विहार आदि का वायु गुणवत्ता सूचकांक काफी नीचे स्तर तक पहुंच गया। जिससे सांस लेने में कठिनाई होने पर कई बार तो लोगों को अस्पतालों

तक में भर्ती होना पड़ रहा है। वातावरण में स्मॉग और धूलकणों की अधिकता होने पर रात को कपड़े बाहर रहने पर उन पर धुएं की परत जम जाती है। जिससे कई बार तो महिलाओं को दोबारा कपड़े आदि धोने पड़ रहे हैं। पलवल शहर का एयर क्वालटी इंडेक्स 176 तक पहुंच गया है। एयर क्वालटी इंडेक्स बढ़ने से छोटे बच्चों को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि वातावरण में स्मॉग व धूलकणों की अधिकता होने से लोग कई बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस समय बचाव ही सबसे बड़ा इलाज है। वायु में प्रदूषण से बचाव के लिए लोग मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें। इसके अलावा सांस लेने में दिक्कत होने पर भाप भी लें, प्राणायाम करें, तुलसी, गिलोय, नीम आदि का काढ़ा भी ले सकते हैं। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से जांच करवाकर इलाज करवाएं। इसमें कोताही बरतने पर बीमारी अधिक बढ़ सकती है।

> **वातावरण** में स्मॉग व धूलकणों की अधिकता होने से लोग अस्थमा, दमा और सांस फूलने जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इससे बचाव के लिए लोग मास्क पहनें। सुबह शाम भाप जरूर लें। जरूरत पड़ने पर चिकित्सकों की सलाह लें।
>
> **-डॉक्टर संजीव तोमर**
>
> **पिछले** कुछ दिनों से वातावरण में प्रदूषण की बढ़ोतरी से रोगियों की संख्या मे बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह से हर रोज मरीज अस्पतालों में इलाज के लिए आ रहे हैं।
>
> **-डॉक्टर हमीदुल्ला**

नशा मुक्त भारत और अखंड भारत के लिए हाफ मैराथन में दिखा उत्साह

एसपीएस इंटरनेशनल द्वारा आयोजित की गई हाफ मैराथन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रविवार को एसपीएस इंटरनेशनल ने हाफ मैराथन का आयोजन किया, जो नशा मुक्ति और अखंड भारत के उद्देश्य के लिए आयोजित की गई। करीब 10 किलोमीटर की यह हाफ मैराथन युवाओं को नशे से मुक्त कराने और संपूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए आयोजित की गई। विशाल जनसमूह ने हाफ मैराथन के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया।

पलवल ही नहीं अपितु क्षेत्र के आसपास के गांव व फरीदाबाद, नारनौल, हिसार, नोएडा, हापुड़, कैथल, दिल्ली, महेंद्रगढ़, रोहतक, अंबाला, नूंह, मथुरा से भी काफी बड़ी मात्रा में युवाओं ने भाग लिया। अनुमान के अनुसार पांच हजार तक का विशाल जन समूह इस मैराथन में भाग लेने वाले था, लेकिन छह हजार से भी अधिक लोगों ने इस मैराथन में भाग लेकर यह दिखा दिया कि युवाओं को नशे से मुक्त कराना ही उनका प्रथम उद्देश्य है। हाफ मैराथन की इस दौड़ मे सर्वप्रथम आने वाले युवा अश्विन जिन्होंने मात्र 32 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया इसके साथ अभिषेक, अरुण डागर, अंकित, सुनील, ऋतिक, हरिंदर, सुमित कुमार, सुनील कुमार और सुमित होडल ने प्रथम 10 युवाओं में पहले आकर अपना नाम दर्ज कराया। प्रत्येक प्रतिभागी ने 5100 रुपये का इनाम हासिल किया। दूसरे स्थान पर आने वाले सभी 10 प्रतिभागियों को 3100 तथा तृतीय आने वाले सभी 10 विजेताओं को 2100,चौथे स्थान पर आने वाले सभी प्रतिभागियों को 500 की राशि प्रदान की गई। इस मैराथन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को विद्यालय के संस्थापक सुरेश भारद्वाज द्वारा सर्टिफिकेट तथा टी शर्ट भी वितरित किए गए। करीब 10 किलोमीटर लंबी इस मैराथन में 11 चिन्हित स्थान पर धावकों के लिए पानी एवं जूस की व्यवस्था की गई। विद्यालय के संस्थापक सुरेश भारद्वाज ने बताया कि एसपीएस इंटरनेशनल हर संभव समाज कल्याण जन-हितैषी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सक्षम है और यह मैराथन उसी कड़ी में एक सफल प्रयास है। विद्यालय की अकादमिक डायरेक्टर संतुष्टि थापर एवं प्रधानाचार्या ममता छाबड़ी ने सभी प्रतिभागियों एवं एसपीएस इंटरनेशनल के सभी अध्यापकों को इस मैराथन के सफल आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पलवल विधायक दीपक मंगला ने की तथा हथीन विधायक प्रवीण डागर सहित बहुत अधिक संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। विद्यालय के मैनेजर चेतन भारद्वाज ने बताया कि एसपीएस इंटरनेशनल छह से आठ नवंबर तक द्वितीय इंटर स्कूल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन करने जा रहा है। जिसके मुख्य अतिथि ओलंपिक मेडलिस्ट एवं पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित पहलवान योगेश्वर दत्त होंगे। साथ ही अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी धर्मेंद्र दलाल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में करीब 60 से ज्यादा विद्यालयों के छात्र भाग लेंगे।

फरीदाबाद के दो दिव्यांग खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड-सिल्वर मेडल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई, परिजनों के चेहरे खिले

तिगांव निवासी सरिता ने चीन के हांगझू में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में कंपाउंड तीरंदांजी प्रतियोगिता में शीतल देवी के साथ मिलकर रजत पदक अपने नाम किया।

वहीं तिगांव के नीमका गांव के रहने वाले प्रिंस शर्मा ने 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया हैं। दोनों की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों की तरफ से बधाई दी है। साथ ही पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने घर पहुंचकर नकद पुरस्कार और बधाई दी।

इस मौके पर दोनों खिलाड़ियों के परिवारो में पदक जीतने पर खुशी की लहर है। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुखिया मनोहर लाल ने खिलाड़ियों के लिए खेल बोर्ड का अलग से गठन किया है। जिससे उनके पदक अनुसार विभिन्न विभागों में अलग अलग पदों पर नियुक्ति मिलेगी, ताकि अन्य खिलाड़ियों को भी इनसे मार्गदर्शन मिल सके।

वहीं इस मौके पर पूर्व मंत्री ने दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी खिलाड़ी की जीत के पीछे उसके परिवार के लोगों का सबसे बड़ा त्याग और योगदान होता है। सबसे ज्यादा हिम्मत व सपोर्ट परिवार के लोग ही उसको आगे बढ़ने के लिए करते हैं। इसलिए उनकी जीत व कामयाबी के लिए उनको भी श्रेय जाता है। सभी लोग बधाई के पात्र हैं।

नेशनल गेम्स गोवा में प्रीति लांबा फरीदाबाद ने जीता स्वर्ण पदक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एशियन गेम्स चीन में 3000 मीटर स्टेपल चेज पदक विजेता प्रीति लांबा फरीदाबाद ने नेशनल गेम्स गोवा में 10 मिनट 19 सेकेंड और 78 माइक्रोन का बेहतरीन समय देकर स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इस इवेंट में कोमल जगदले महाराष्ट्र ने रजत पदक और भाग्यश्री गुजरात ने कांस्य पदक जीता।

नेशनल गेम्स गोवा में एथलेटिक्स हरियाणा के एथलीट खिलाडियों ने तीन स्वर्ण पदक, सात रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 14 पदक जीते। एथलेटिक्स हरियाणा की बेटियों ने वुमेंस टीम स्कोर में प्रथम स्थान प्राप्त किया और ओवर आल कंबाइंड टीम स्कोर में तीसरा स्थान प्राप्त कर ऊंची बुलंदियों को छुआ। एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि 37वें नेशनल गेम्स का आयोजन गोवा में किया जा रहा है। नेशनल गेम्स में एथलेटिक्स हरियाणा के 61 एथलीट खिलाड़ियों ने 29 अक्टूबर से तीन नवंबर तक भाग लिया और नेशनल गेम्स गोवा में पदकों की झड़ी लगाकर एथलेटिक्स हरियाणा का परचय लहराया। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान ने बताया कि नेशनल गेम्स गोवा में शिल्पा रानी जींद ने जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक, प्रीति लांबा फरीदाबाद ने 3000 मीटर स्टेपल चेज में स्वर्ण पदक, पूजा फतेहाबाद ने हाई जंप में स्वर्ण, निधि रानी रोहतक ने डिस्कस में रजत पदक, निर्भय सिंह भिवानी ने डिस्कस रजत पदक, मनप्रीत कौर अंबाला ने शॉटपुट में रजत पदक, विक्रांत पांचाल फरीदाबाद ने 400 मीटर दौड़ में रजत पदक, प्रियंका सिंह चरखी दादरी ने जेवलिन में रजत पदक, अजय कुमार सोनीपत ने हेमर थ्रो में रजत पदक, तनू हिसार ने हैपटाथलान में रजत पदक और हरदीप भिवानी ने 20 किलोमीटर रेस वाक इवेंट में कांस्य पदक, पूजा फतेहाबाद ने 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक, सोनू कुमारी चरखी दादरी ने हैपटाथलान में कांस्य और नन्ही हिसार ने 400 मीटर हर्डल इवेंट में कांस्य पदक जीतकर समस्त भारत वर्ष में हरियाणा राज्य का नाम रोशन किया।

सेक्टरवासियों को पीने का मीठा और बेहतर पानी उपलब्ध होगा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हुडा सेक्टर दो में पीने के पानी की बेहतर और सुचारू सप्लाई करने के लिए जल्द ही तीन नए ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। जिसके बाद सेक्टर में पीने के पानी की समस्या का समाधान हो जाएगा। पुराने कुछ ट्यूबवेलों का पानी बदल जाने से नए ट्यूबवेलों को लगाने की जरूरत पड़ी है। इन नए ट्यूबवेलों के लगाने का कार्य आगामी मार्च महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। जिससे आगे गर्मी में बेहतर पीने के पानी की सप्लाई हो सके। लोगों की मांग पर नए ट्यबवेल लगाने का फैसला लिया गया।

हुडा विभाग की तरफ से पलवल के हुडा सेक्टर दो में बेहतर और अच्छे पीने के पानी की सप्लाई देने के लिए नए ट्यूबवेल लगाने का फैसला किया है। जिससे सेक्टर में रहने वाली लगभग 10 हजार की आबादी को बेहतर पीने के पानी की सप्लाई दी जा सके। लगातार ट्यबवेलों के चलने से दो ट्यूलवेलों के पीने के पानी में बदलाव आ गया था। जिसकी वजह से पानी बदल कर खारा हो गया था। जिससे सेक्टर वासियों को पीने के पानी की दिक्कत हो रही थी। इन ट्यूबवेलों की जगह अब हुडा विभाग नए ट्यूबवेल लगायेगा। इनको लगाने के लिए विभाग की तरफ से ट्यूबवेलों का प्रपोजल और इस्टीमेट बनाकर अधिकारियों की मंजूरी ले लगी गई है।

> **हुडा** सेक्टर दो पलवल में पिछले कुछ दिनों से खारा पानी सप्लाई किया जा रहा था। जिसके लिए सेक्टर वासियों ने मीठे पानी की सप्लाई की मांग की थी। जिस पर विभाग की तरफ से आश्वासन दिया था।
>
> **-लता सिंह, सेक्टर-2, पलवल**
>
> **पलवल** के हुडा सेक्टर-2 में पिछले कुछ दिनों से पीने के पानी का संकट बना हुआ था। जिसके लिए विभाग की तरफ से नए ट्यूबवेल लगाने का आश्वासन दिया गया है।
>
> **-अशोक कुमार, सेक्टर निवासी**
>
> **पलवल** सेक्टर-2 में लोगों की पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए जल्द ही तीन नए ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। जिससे सेक्टर वासियों को गर्मी के मौसम में बेहतर और मीठा पानी उपलब्ध हो सके।
>
> **-मेहरचंद, कनिष्ठ अभियंता हुडा विभाग**

शिविर में विद्यार्थियों को बताया योग का महत्व

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल के तत्वावधान में संस्कार व योग विज्ञान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन नशा मुक्त भारत, योग संस्कृति, भारतीय सनातन संस्कृति को उजागर करने के लिए योगाचार्य गुरमेश सिंह के सानिध्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आगरा चौक में गायत्री मंत्र के उपरांत हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रिंसिपल धर्मवीर सिंह रावत ने की तथा संयोजन राजेंद्र सिंह डीपी ने किया। शिविर में 500 छात्रों ने भाग लिया। शिविर के उपरांत योग अभ्यासी छात्र आशीष योगी, टेकचंद, जगत, देव कुमार, जितिन, सागर के कठिन योगासन से प्रभावित होकर योग समिति ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर के दौरान योगाचार्य गुरमेश सिंह ने ताड़ासन, पदहस्त आसन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, उत्कटासन, गौमुखासन, चक्रासन, सर्वांगासन, हलासन, पश्चिमोत्तानासन, योग निद्रा, वज्रासन, गर्भासन, धनुरासन, भुजंगासन, उत्तानपादासन, मयूर आसन व शीर्षासन के अलावा सूक्ष्म व्यायाम में स्कंध चालन, कटी चालन, हस्त चालन कराए गए। प्राणायाम में भास्त्रीका, कपालभाति, अनुलोम विलोम, उज्जाई, आंतरिक, उदगीद्, भ्रामरी, प्रणव जाप व ध्यान योग भी कराया गया। उन्होंने बताया कि जड़ी बूटियों के साथ मोरिंगा, अश्वगंधा, तुलसी, आंवला, गिलोय, एलोवेरा, लकवा सदाबहार, बरगद, शंखपुष्पी, भृंगराज, पीपल आदि के प्रयोग से मानव शरीर स्वस्थ ही नहीं लंबी उम्र भी बढ़ाई जा सकती है।

दादरी-रेवाड़ी से सीधे रेलगाड़ी पलवल और पृथला यार्ड पर पहुंच सकेगी

पलवल-पृथला स्टेशनों के बीच पांचवीं लाइन बिछाने का कार्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल रेलवे यार्ड से पृथला रेलवे यार्ड तक करोड़ों की लागत से पांचवीं रेल लाइन डालने का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। जिससे दिसंबर महीने तक पूरा करके इस पर रेल गाड़ी चलाई जा सकें। इस रेल लाइन के चालू होते ही दादरी और रेवाड़ी की तरफ से आने वाली रेल गाड़ी पलवल रेलवे यार्ड तक आ-जा सकेंगी। इससे रेल गाड़ियों का आने में समय और धन दोनों ही बचेगा। इसके बाद दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर रेल गाड़ियों की भीड़ से छुटकारा मिलेगा।

भारतीय रेलवे की तरफ से पृथला व पलवल के बीच लगभग 10 किलोमीटर लंबी पांचवीं रेल लाइन को बिछाने कार्य तेज गति से किया जा रहा है। दिसंबर 2023 तक लाइन बिछाने का कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। इस रेल लाइन के निर्माण पर लगभग 227 करोड़ की लागत आयेगी। लाइन के बिछने के बाद रेल गाड़ियों का दिल्ली होकर यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आसाम, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक, गोआ, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि जाने से छुटकारा मिल जाएगा। इसके बाद सभी माल गाडियां पलवल-पृथला यार्डों पर दादरी और रेवाड़ी स्टेशनों से आ-जा सकेंगी। केवल एमरजेंसी में कुछ ही माल गाड़ियों को दिल्ली जाने की अनुमति होगी। पीछे से आकर माल गाड़ियां पलवल यार्ड और पृथला यार्ड पर अपना सामान उतार सकेंगी। उसके बाद ट्रक, फोर व्हीलर और केंटरों द्वारा सामान दिल्ली और दूसरे शहरों को आ-जा सकेंगे। दिल्ली के तुगलकाबाद, ओखला, निजामुद्दीन, तिलक ब्रिज, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, शकूर बस्ती, दयाबस्ती आदि स्टेशनों पर माल गाड़ियों का आना-जाना बहुत ही कम हो जायेगा। वहीं इन यार्डों से सामान की लदाई होकर वापस दूसरे राज्यों की तेज गति से जा सकेंगी। जिससे सब्जियां, फल, इलेक्ट्रिक सामान, कल पुर्जे, ट्रैक्टर, मोटर साइकल, जेसीबी मशीन, कारें आदि भी समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच सकेंगी।

> **पलवल** से पृथला यार्ड के बीच लगभग 10 किलोमीटर लंबी पांचवीं रेल लाइन बिछाने का कार्य इस समय जोर-शोर से किया जा रहा है। जिससे इस लाइन को दिसंबर 2023 तक रेलवे विभाग को गाड़ियों के लिए सौंप दिया जाए। इसके निर्माण पर लगभग 227 करोड़ की लागत आएगी।
>
> **-मनोज कुमार, रेलवे लाइन इंजीनियर**
>
> **पलवल** से पृथला यार्ड तक पांचवीं रेल लाइन बिछने के बाद दादरी और रेवाड़ी की तरफ से माल गाडियां सीधी पलवल यार्ड और पृथला यार्ड पर आ जा सकेंगीं। उसके बाद माल गाड़ियों का दिल्ली जाने से छुटकारा मिलेगा।
>
> **-निकेतन, रेलवे इंजीनियर, पलवल**

संक्षिप्त समाचार

असावटा में आरओबी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पलवल। शहर से पूर्व दिशा में रेलवे का मुख्य मार्ग होने के कारण पलवल देहात क्षेत्र को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ता है। अक्सर बीमार व्यक्ति को शहर पहुंचने में बहुत देरी होती है। इस परेशानी को देखते हुए ऊपरगामी रेलवे पुल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए असावटा गांव सहित क्षेत्र के प्रबुद्धजन पलवल क्षेत्र के विधायक दीपक मंगला से पलवल रेस्ट हाउस में मिले। उन्होंने मुख्यमंत्री हरियाणा से असावटा रेलवे क्रॉसिंग फाटक नंबर-563 पर एक आरओबी पुल के निर्माण की मांग विधायक दीपक मंगला को सौंपी। इस मांग को लेकर दीपक मंगला ने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री से असावटा रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे जाम की समस्या निवारण हेतु क्षेत्र की तरफ से पूर्ण वकालत करेंगे एवं इस पुल निर्माण की फिजिबिलटी रिपोर्ट तैयार भी कराएंगे। जल्द ही मुख्यमंत्री हरियाणा से इस कार्य को आरंभ करने की मंजूरी लेकर पलवल क्षेत्र की यह मांग पूर्ण कराई जाएगी। आने वाले समय में अधिक से अधिक रेलवे ऊपरगामी पुल क्षेत्र में आवागमन हेतु तैयार हो जाएंगे। इस अवसर पर विजय पोसवाल पूर्व उपाध्यक्ष पलवल, सरजीत सरपंच, धर्मवीर सरपंच, राज सिंह, सतवीर डागर, मुकेश तेवतिया, मामराज, जिले नंबरदार, जतन सूबेदार, आजाद एडवोकेट, नरेंद्र नंबरदार, संतोष, किशन सहित क्षेत्र के अनेक लोगों ने मांगपत्र दीपक मंगला को सौंपा।

नहीं बन पा रहे हैं बच्चों के नए आधार कार्ड

फरीदाबाद। बच्चों के जन्म के बाद अस्पताल में ही उसका टेंपरेरी आधार कार्ड बेबी ऑफ, के नाम से बन जाता है। उसके बाद जब उसका नामकरण हो जाता है तो नगर निगम से उसके नाम से जन्मतिथि के साथ जन्म प्रमाण पत्र मिल जाता है। अब जब अभिभावक अपने बच्चों का नाम और जन्मतिथि के साथ नया आधार कार्ड बनवाने अटल केंद्र और आधार अपडेट कैंप में जा रहे हैं तो उनसे कहा जा रहा है कि बच्चों का नया आधार कार्ड सिर्फ उसके पासपोर्ट, जाति प्रमाण पत्र या डोमिसाइल प्रमाण पत्र से ही बन सकता है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच का आरोप है कि नगर निगम द्वारा जारी किए गए जन्म प्रमाण पत्र को प्रूफ के तौर पर नहीं माना जा रहा है। उधर अभिभावकों का कहना है कि स्कूल वाले दबाव डाल रहे हैं कि बच्चे का सही अपडेटिड आधार कार्ड व परिवार पहचान पत्र जल्दी जमा कराएं। अपडेटिड आधार कार्ड न बनने से परिवार पहचान पत्र भी नहीं बन पा रहा है। मानव सेवा समिति के अध्यक्ष व हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि अभिभावक इस समस्या को लेकर बहुत परेशान हो रहे हैं, उनकी समस्या का कोई भी समाधान नहीं हो पा रहा है। कैलाश शर्मा ने जिला उपायुक्त व आधार कार्ड विभाग के नोडल अधिकारी से आग्रह किया है कि वे अभिभावकों की इस समस्या का शीघ्र समाधान कराएं और नगर निगम द्वारा जारी किए गए जन्म प्रमाण पत्र को स्वीकार करने के आदेश जारी करें। मंच ने स्कूल प्रबंधकों से भी कहा है कि जब तक इस समस्या का समाधान न हो, तब तक अभिभावकों पर दबाव न डालें।

दुकानदारों ने मरम्मत कार्य में दिया योगदान

फरीदाबाद। सेक्टर-21ए के हुडा शॉपिंग सेंटर में काफी समय से मरम्मत नहीं होने से आवागमन के रैंप टूटे हुए पड़े हैं। दुकानदारों ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, एमसीएफ से जन समस्याओं के समाधान के लिए कोई सुनवाई नहीं हुई। अंतत: कुछ दुकानदारों ने मिलकर आपस में वित्तीय योगदान इकट्ठा करके मार्केट में रास्ते की मरम्मत करवाई है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं के चढ़ने के लिए लोहे की सीढ़ी लगवाई है। शुभ मेडिकोज के संचालक रोहित नारंग ने बताया कि कुछ दुकानदारों में योजना बनाकर पैसा इकट्ठा किया एवं सीमेंट, रोड़ी, क्रेशर आदि मंगाकर लेबर मिस्त्री बुलाकर पैच वर्क कराया। मोनू भाटी, विक्की, संजय कनौजिया, डॉक्टर राहुल चंदोक, डॉक्टर चारू गुप्ता आदि ने मार्केट की दशा सुधारने में सहयोग किया। इससे मार्केट में आने वाले ग्राहकों के लिए सुविधा होगी।

रतन कॉलेज सीकरी में नौ दिसंबर को लगेगा रोजगार मेला

फरीदाबाद। रतन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज, हरफला रोड, सीकरी, बल्लभगढ़ में नौ दिसंबर को रोजगार मेला लगाया जा रहा है। इससे पहले भी ग्रुप द्वारा दो रोजगार मेलों का सफल आयोजन किया जा चुका है। नौ दिसंबर को लगने वाला मेला एमबीए एचआर मार्केटिंग, बीटेक सीएसई / आईटी, डिप्लोमा सीएसई, डिप्लोमा मैकेनिकल के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से लगाया जा रहा है। रोजागार मेले का मकसद इन फील्ड के बच्चों को रोजगार देना है। कॉलेज द्वारा इसके लिए ऑनलाइन प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जानकारी के लिए कॉलेज की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। रोजगार मेले के बारे में जानकारी देते हुए रतन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन यशवीर डागर ने बताया कि मेले के लिए दर्जनों बड़ी कंपनियों से संपर्क किया गया है और वह कंपनी इस मेले में आकर भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि इन कोर्सों के बच्चों को यह कंपनी नौकरी देगी। कॉलेज आते समय बच्चे अपने दो फोटो, रिज्यूम और जरूरी दस्तावेज साथ लेकर आयें। रोजगार मेले से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए विभिन्न नंबरों 8810676939, 8053807076 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया स्पैक्ट्रम कार्यक्रम

फरीदाबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल पलवल में स्पैक्ट्रम कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जैसा कि नाम से प्रतीत होता है कि यह कार्यक्रम वसुधैव कुटुंबकम के मुख्य उद्देश्य के लिए समर्पित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एएसपी मिस जसलीन कौर ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन एसपी लाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुरू में छात्रों ने स्वागत गीत गाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम द्वारा 20 देशों की संस्कृति को प्रस्तुत किया गया। एएसपी जसलीन कौर ने अपना अनुभव बताते हुए छात्रों को संबोधित किया तथा छात्रों द्वारा पूछे गए कई प्रश्नों का उत्तर भी दिया व प्रतिभाशाली छात्रों को उन्नति की दिशा में बढ़ने की प्रेरणा दी। स्कूल के प्रधानाचार्य हरीश सचदेवा ने विद्यालय की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय प्रो वाइस चेयरमैन एसपी लाल ने छात्रों तथा अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को अपना लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा कहा कि यह विद्यालय इसी तरह उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या नीलम सांधा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा छात्रों को उनके जीवन से प्रेरित होने के लिए प्रेरणा दी। अंत में विद्यालय की मुख्याध्यापिका मिस सुचारिता ने मुख्य अतिथि तथा सभी अभिभावकों को धन्यवाद दिया।

विपक्षी गठबंधन
दरारें उजागर

विपक्षी गठबंधन 'आईएनडीआईए' में दरारें उजागर हो गई हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से अनेक राजनीतिक विश्लेषक सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह अभी से ढह रहा है? भारत में अतीत में राजनीतिक गठबंधन और समूह शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। इस परिदृश्य में गठित 28 पार्टियों वाले 'इंडिया' गठबंधन का साझा एजेंडा 2024 के आम चुनाव में भाजपा को हराना है। लेकिन हालिया घटनाओं, राज्यों में सीट साझा के विवादास्पद मुद्दे तथा नीतीश कुमार द्वारा कांग्रेस पर स्वार्थी होने का आरोप लगाने के बाद इस गठबंधन के टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले सप्ताह अन्य प्रमुख पार्टियों के नेताओं ने भी अपनी चिन्तायें प्रकट करते हुए कहा है कि यदि सभी लोग 2024 में नरेन्द्र मोदी को हराने में दिलचस्पी रखते हों तो 'इंडिया' के गठन में तेजी लाई जानी चाहिए। इन नेताओं में शरद पवार, सीताराम येचुरी, अखिलेश यादव और उमर अब्दुल्ला शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रभुत्व के कारण इस गठबंधन का उदय हुआ है। कांग्रेस समेत इसमें राजद, जदयू, राकांपा व अन्य पार्टियां शामिल हैं तथा जदयू नेता नीतीश कुमार ने इनको आपस में जोड़ा है। विपक्षी गठबंधन ने तीन सफल सम्मेलन किए जिनमें एकता का प्रदर्शन किया गया, लेकिन आम चुनाव के कुछ ही महीने पहले यह समूह बिखरता लग रहा है। हालांकि, 28 अलग-अलग पार्टियों के हितों के साथ तालमेल बिठाना आसान नहीं है क्योंकि वे अतीत में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ती रही हैं, इसलिए ऐसे गठबंधन में हमेशा कुछ बिखराव वाले बल काम करते रहे हैं। समूह में तनाव पैदा करने वाले मुद्दों में से एक विधानसभा चुनावों में सीटों का बंटवारा है। इसके साथ ही 'इंडिया' गठबंधन ऐसा साझा न्यूनतम कार्यक्रम नहीं बना सका है जो ऐसे गठबंधन के

लिए जरूरी है। नीतीश कुमार ने अब खुलेआम सीट साझा करने के मामले में कांग्रेस पर स्वार्थी होने का आरोप लगाया है। लगता था कि कांग्रेस इस गठबंधन में वर्चस्व स्थापित करने के लिए ज्यादा सीटें मांग रही थी जो क्षेत्रीय दलों को रास नहीं आ रहा था। इस वैमनस्य ने न केवल गठबंधन की एकता को प्रभावित किया है, बल्कि इसके सदस्यों की प्रतिबद्धता पर भी सवाल खड़े किए हैं। भाजपा के खिलाफ 'इंडिया' की एकजुट मोर्चा बनाने की क्षमता सामंजस्यपूर्वक साथ-साथ काम करने पर निर्भर है।

हालांकि, सीट साझे पर हालिया विवाद तनाव पैदा करने वाले कुछ कारणों में से एक है जिसका खुलासा हुआ है। क्षेत्र, विचारधारा व व्यक्तिगत हितों पर आधारित आंतरिक टकराव गठबंधन की स्थिरता को खतरा पैदा कर रहे हैं। जैसा कि नीतीश कुमार ने संकेत किया है, यह 'स्वार्थ' क्षेत्रीय पार्टियों में बढ़ती इस भावना के कारण है कि राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पूरे गठबंधन के बजाय अपनी चुनावी संभावनाओं की ज्यादा चिन्ता है। हालांकि, 'इंडिया' समूह को इस बात का श्रेय दिया जा सकता है कि वह नेतृत्व तथा प्रधानमंत्री उम्मीदवारों के मुद्दे टालने में सफल रहा है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि नेतृत्व का मुद्दा गठबंधन को आगे बढ़ने के पहले ही नष्ट कर देगा। विपक्ष तथा देश के लिए अच्छा होगा कि एक विश्वसनीय विपक्ष हो जो जनता की शिकायतें सामने ला सके। 'इंडिया' गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों के नेता वरिष्ठ व परिपक्व राजनेता हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि यदि वे एकजुट होकर बड़ी शक्ति के रूप में चुनाव मैदान में नहीं उतरते हैं तो उनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा और वे महत्वहीन हो जाएंगे।

परंपरागत और डिजिटल बैंक

अद्यतन तकनीक में निवेश तथा अपनी कार्रवाइयों में सहजता लाने से परंपरागत बैंक अपनी गतिविधियों को डिजिटल बैंकों के समान स्तर पर ला सकते हैं।

विनोद यादव
(लेखक, तकनीकी क्षेत्र से संबद्ध हैं)

वित्तीय दुनिया में व्यापक परिवर्तन आ रहे हैं क्योंकि परंपरागत बैंक और डिजिटल बैंक वरीयता प्राप्त करने के लिए कठोर संघर्ष कर रहे हैं। दोनों प्रकार की बैंकिंग में टकराव से न केवल स्थापित मानकों के समक्ष चुनौतियां पैदा हो रही हैं, बल्कि स्वयं बैंकिंग के भविष्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। जैसे-जैसे तकनीक वित्तीय परिदृश्य बदल रही है, वैसे-वैसे उन आयामों की खोज जरूरी हो गई है जो इस लगातार विकसित हो रहे उद्योग में सर्वोत्तम की जीवन्तता निर्धारित करते हैं। हमारे सामने एक ओर परंपरागत बैंक हैं जिन्होंने अपना स्थायित्व सुनिश्चित कर जनता का विश्वास प्राप्त किया है। अपनी भौतिक शाखाओं, विस्तारित इतिहास तथा स्थापित ग्राहक आधार के चलते परंपरागत बैंक परिचय तथा ब्रांड की पहचान के रूप में अंतर्निहित लाभ की स्थिति में हैं। दूसरी ओर डिजिटल बैंक अपने खोजी व सुविधाजनक प्रस्तावों के चलते उद्योग में उथलपुथल पैदा कर रहे हैं।

तकनीक का लाभ उठा कर वे पहुंच बढ़ाते हैं तथा लागत-प्रभावी वित्तीय सेवायें दे रहे हैं। इस प्रकार वे गति, सक्षमता व बैंकिंग अनुभव में लचीलेपन की इच्छा रखने वाले ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। हालांकि, परंपरागत बैंकों व डिजिटल बैंकों की शक्तियां और कमजोरियां स्पष्ट रूप से दिख सकती हैं, पर उनकी प्रतियोगिता वाला क्षेत्र काफी जटिल है। अनेक आयाम यह निर्धारित करते हैं कि इनमें से कौन विजेता बनेगा जिनमें सुविधा, लागत-प्रभाविता, ग्राहकों से संबंध और नियामक ढांचा शामिल हैं। इस लेख में हम इन आयामों की जांच कर परंपरागत बैंकों व डिजिटल बैंकों के जीवित रहने की बेहतर समझ विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके लाभों और चुनौतियों का आंकलन कर हम विकसित होते बैंकिंग परिदृश्य की समग्र तस्वीर प्रस्तुत कर भविष्य के रास्ते पर गौर कर सकते हैं।

डिजिटल बैंकों के उभार ने यथास्थिति में बाधा डाली है तथा वे परंपरागत बैकों पर अपनी रणनीतियां बदलने के लिए दबाव डाल रहे हैं। स्मार्टफोन तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्राहकों की पहुंच अनेक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक हो गई है। वे केवल अपनी उंगलियां चला कर इनका लाभ उठा सकते हैं। इस परिवर्तन ने ग्राहकों की उम्मीदों में आमूल बदलाव किया है और वे डिजिटल बैंकों की सुविधा और गति का लाभ उठा रहे हैं। सुविधा का मामला सामने आने पर डिजिटल बैंक निश्चित रूप से लाभ की स्थिति में हैं। लेनदेन करने, खाते खोलने तथा किसी भी समय और कहीं से भी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने से डिजिटल बैंक ग्राहकों के बैंकों में आने की आवश्यकतायें समाप्त कर रहे हैं। दूसरी ओर परंपरागत बैंकों को अक्सर ग्राहकों को अपनी भौतिक शाखाओं में बुलाना पड़ता है, वे निश्चित कार्यदिवस में काम के घंटों का पालन करते हैं जिससे उनके सुविधाजनक आयाम की सीमायें परिभाषित होती हैं।

लागत-प्रभावी होने के कारण डिजिटल बैंक प्रतियोगिता में आगे निकल रहे हैं। डिजिटल बैंको का एक प्रमुख लाभ लागत-प्रभावी होना है। ईंटों की दीवारों वाली भौतिक अवस्थापना शाखाओं की तुलना में उनका आपरेशनल खर्च कम होता है। इससे डिजिटल बैंक कम ब्याज दरों का प्रस्ताव कर सकते हैं, उनकी फीस कम होती है तथा वे शून्य-फीस पर भी खाते खोलने का प्रस्ताव कर सकते हैं। अतिरिक्त खर्चों को न्यूनतम कर ये डिजिटल खोजी ज्यादा आकर्षक वित्तीय प्रस्ताव अपने ग्राहकों को पेश कर सकते हैं। इसके उलट परंपरागत बैंकों पर अपनी भौतिक शाखायें तथा बड़ी संख्या में कार्यबल बनाए रखने का भारी बोझ होता है। इस संबंध में प्रतियोगिता के कारण उनको संघर्ष करना पड़ता है। जहां डिजिटल बैंक सुविधा व लागत-प्रभावी होने के मामले में आगे रहते हैं, वहीं विश्वास व सुरक्षा के मामले में परंपरागत बैक लंबे समय से लाभ की स्थिति में हैं।

ग्राहकों को अक्सर अपनी मेहनत की कमाई को अत्यधिक सम्मानित, परिचित व स्थापित संस्थानों में लगाने में ज्यादा विश्वास होता है। परंपरागत बैंक दशकों से काम कर रहे हैं और वे वह स्थायित्व व विश्वसनीयता प्रदान करते हैं जिसे स्थापित करने का काम अभी डिजिटल बैंकों ने शुरू ही किया है। बैंकिंग क्षेत्र की जटिलताओं से निपटने में नियामक आयाम महत्वपूर्ण है। नियामक परिदृश्य में ठीक से काम करने की चुनौती परंपरागत व डिजिटल बैंकों के सामने समान रूप से है। परंपरागत बैंक उन नियामक प्राविधानों से निपटने में सक्षम हो गए हैं जो वित्तीय क्षेत्र पर लागू होते हैं क्योंकि वे दशकों से इन सीमाओं के भीतर काम कर रहे हैं। दूसरी ओर डिजिटल बैंकों को इनके अनुकूल स्वयं को ढालने तथा नियामक ढांचे में काम करने का अभ्यास करना पड़ रहा है।

जीवित बचे रहने की इस प्रतियोगिता में सामंजस्य बैठाना सफलता का प्रमुख बिंदु है। परंपरागत बैंकों को डिजिटल परिवर्तन अवश्य स्वीकार करना चाहिए ताकि वे ग्राहकों की बदलती आवश्यकतायें पूरी कर सकें। तकनीक में निवेश, प्रक्रियाओं को सहज बनाने तथा जीवन्त डिजिटल प्लेटफार्मों का प्रस्ताव कर परंपरागत बेंक परंपरागत व खोजी व्यवस्थाओं के बीच खाई पाट सकते हैं। इसी प्रकार डिजिटल बैंकों को विश्वास और सुरक्षा संबंधी मुद्दों को संबोधित करना चाहिए ताकि वे संभावित ग्राहकों का विश्वास प्राप्त कर सकें। अद्यतन तकनीक व मानवीय संपर्क के बीच उचित संतुलन बनाना दीर्घकालीन रूप से बचे रहने के लिए बहुत जरूरी है। परंपरागत बैंकों व डिजिटल बैंकों के बीच संघर्ष तेज हो रहा है क्योंकि एक माडल अपने बचे रहने के लिए दूसरे से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रहा है।

जहां डिजिटल बैंकों ने वित्तीय उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन कर इसे सुविधाजनक व लागत-प्रभावी बनाया है, वहीं परंपरागत बैंकों को अब भी विश्वास एवं सुरक्षा प्राप्त है। ऐसे में सर्वोत्तम की उत्तरजीविता के लिए अपनी शक्तियों के विकास तथा लगातार बदलते परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को ढालना जरूरी हो गया है। बैंकिंग का भविष्य खोज एवं परंपरा के बीच संतुलन बनाए रखने पर निर्भर करेगा। डिजिटल बैंकों ने ग्राहकों को वित्तीय सेवाओं तक तत्काल पहुंच और गतिशील लेनदेन तक पहुंच देकर उद्योग में उथलपुथल पैदा कर दी है। लेकिन उनको व्यापक स्वीकार्यता प्राप्त करने के लिए विश्वास और सुरक्षा संबंधी मुद्दों को अवश्य संबोधित करना चाहिए। मजबूत साइबरसुरक्षा प्रोटोकाल स्थापित करने, जीवन्त पहचान पुष्टीकरण तकनीकें अपनाने तथा ग्राहकों के सकारात्मक अनुभवों को बढ़ावा देना संदेहवादियों पर विजय प्राप्त करने के लिए जरूरी है। उन लोगों के संदेह दूर करना जरूरी है जो डिजिटल बैंकिंग की सुरक्षा कमियों के कारण उस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। यह उनकी दीर्घकालीन जीवन्तता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है।

दूसरी ओर परंपरागत बैंकों को डिजिटल परिवर्तन अवश्य स्वीकार करना चाहिए ताकि वे ग्राहकों की बदलती इच्छाओं के अनुसार तालमेल बिठा सकें। अद्यतन तकनीक में निवेश, अपने आपरेशनों को सहज बनाने तथा खोजी डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध करा कर वे परंपरागत बैंकिंग व डिजिटल क्रांति के बीच की खाई पाट सकते हैं। इसके साथ ही उनको अपने ब्रांड की पहचान, ग्राहकों की विश्वसनीयता तथा नियामक ढांचों की जटिलताओं से पार करने के लिए डिजिटल युग में प्रतियोगिता करनी होगी। ऐसा करके ही वे डिजिटल बैंकों के साथ अपनी जीवन्तता सुनिश्चित कर सकेंगे। अंततः इस अत्यधिक प्रतियोगी क्षेत्र में बैंकों द्वारा खोज को स्वीकार करने, ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को ढालने तथा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने से ही उनकी जीवन्तता सुनिश्चित होगी। परंपरागत बैंकों को डिजिटल युग की मांगें पूरी करनी होंगी, जबकि डिजिटल बैंकों को स्वयं को विश्वसनीय संस्थान के रूप में विकसित करना होगा।

इन चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने तथा बदलते समय के अनुकूल स्वयं को ढालने वाले ही सर्वोत्तम सिद्ध होंगे तथा बैंकिंग का भविष्य उनकी प्रासांगिकता तथा सफलता से तय होगा।

बच्चों को मोबाइल का आदी न बनने दें!

> **जबकि डिजिटल युग सीखने और मनोरंजन के अवसर प्रदान करता है, हमारे बच्चों को इसमें शामिल होने से बचाना महत्वपूर्ण है।**

हरीश कुमार
(लेखक, पुंछ जिले के निवासी हैं)

जम्मू प्रांत की राजसी पहाड़ियों के बीच स्थित पुंछ के शांत शहर में, आधुनिक तकनीक ने खुद को दैनिक जीवन में सहजता से शामिल कर लिया है। सर्वव्यापी स्मार्टफोन अब संचार, मनोरंजन और ज्ञान का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। हालांकि, इस डिजिटल क्रांति के अप्रत्याशित परिणाम विशेष रूप से हमारी युवा पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। जैसे-जैसे मोबाइल फोन हमारे पक्के साथी बनते जा रहे हैं, बच्चे तेजी से स्क्रीन के अनूठे आकर्षण का शिकार होते जा रहे हैं। परिवर्तन आश्चर्यजनक है, और परिणाम चिंताजनक हैं, जो माता-पिता और मनोवैज्ञानिकों दोनों को युवा दिमागों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव की जांच करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कहानी अक्सर मासूम इरादों से शुरू होती है. माता-पिता अपने बच्चों को मनोरंजन और शिक्षा का साधन प्रदान करने के उद्देश्य से स्मार्टफोन पेश करते हैं। हालाँकि, जो एक नेक इरादे वाले निर्णय के रूप में शुरू होता है वह जल्द ही बच्चों के लिए एक सर्व-उपभोग वाला शगल बन जाता है। समय के साथ, उनका दिन अंतहीन स्क्रॉलिंग, वर्चुअल गेम और वीडियो सामग्री के निर्माण से भर जाता है, एक प्रवृत्ति जिसने हमारे समाज में तूफान ला दिया है।

डॉ. अल्वारो बिलबाओ, एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक, अपनी पुस्तक अंडरस्टैंडिंग योर चाइल्ड्स ब्रेन में इस स्क्रीन की लत से उत्पन्न होने वाले असंख्य मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं। उनके शोध के अनुसार, छह वर्ष और उससे कम उम्र के बच्चे जो अपने स्मार्टफोन पर अत्यधिक घंटे बिताते हैं, उनकी याददाश्त में गिरावट आती है। ऐसे बच्चों में चिड़चिड़ापन, मोटापा, अवसाद, चिंता और ध्यान की कमी संबंधी विकार विकसित होने का भी अधिक खतरा होता है। उनका व्यवहार काफ़ी अधिक अस्थिर है, जो उनके भीतर की

भावनात्मक उथल-पुथल को दर्शाता है। स्मार्टफोन की लत शहरी और ग्रामीण सीमाओं को पार कर पूरे भारत के घरों में दिखाई दे रही है। जबकि शहरी क्षेत्रों में माता-पिता अपने बच्चों को आधुनिक युग की प्रारंभिक शुरुआत के रूप में डिजिटल दुनिया से परिचित कराते हैं, वहीं दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोग अक्सर इसे अपने बच्चों को श्रमसाध्य काम या घर के कामों में व्यस्त रखने के साधन के रूप में देखते हैं। दुर्भाग्य से, जो सुविधा के रूप में दिखाई देता है वह अक्सर बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक समस्याओं में बदल जाता है। यहां तक कि जो युवा शैशवावस्था से बाहर हैं वे भी स्वयं को प्रौद्योगिकी की दुनिया में आकर्षित पाते हैं। सोशल मीडिया, वीडियो गेम और ऑनलाइन सामग्री बच्चों के लिए एक सार्वभौमिक आकर्षण बन गई है, जिन्हें अपने आस-पास की वास्तविक दुनिया की खोज पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

हालाँकि, इस डिजिटल दुविधा के बीच, तर्क और आशा की आवाज़ें भी हैं। कौटिल्य पंडित, जिन्हें प्यार से गूगल बॉय के नाम से जाना जाता है, एक प्रेरणा बन गए हैं। उन्होंने मोबाइल फोन के हानिकारक प्रभावों को पहचानते हुए उनसे संपर्क न करने का निर्णय लिया। जबकि वह इन उपकरणों के आकर्षण को स्वीकार करते हैं, वह बच्चों को बाहरी गतिविधियों से परिचित कराने के महत्व पर जोर देते हैं, जो उनकी स्मार्टफोन की लत के लिए एक शक्तिशाली उपाय के रूप में काम करता है।

कौटिल्य का संदेश स्पष्ट है- माता-पिता को दृढ़ता और संयम बरतना चाहिए। भोजन के समय भी बच्चों को स्मार्टफोन न देना, इस आदत को तोड़ने की दिशा में पहला कदम है। इस दृष्टिकोण के कुछ दिनों के अनुपालन से बच्चों की आदतों में नाटकीय रूप से बदलाव आ सकता है, जिससे यह साबित होता है कि यह लड़ाई जीती जा सकती है। डॉ. बिलबाओ की कार्रवाई का आह्वान स्मार्टफोन की लत को रोकने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता को पुष्ट करता है। दिल्ली एम्स के डॉक्टर माता-पिता के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देश सुझाते हैं- तीन साल की उम्र तक बच्चों को मोबाइल फोन और टीवी स्क्रीन से दूर रखें; छह वर्ष की आयु से पहले बच्चों को इंटरनेट का उपयोग न करने दें; नौ वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वीडियो गेम खेलने की अनुमति न दें, और बच्चों को बारह साल की उम्र से पहले सोशल मीडिया का इस्तेमाल न करने दें।

आज के डिजिटल युग में, तीन साल के बच्चे भी मोबाइल फोन का उपयोग करने में माहिर हैं, जिससे कम उम्र में ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। यह माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को इस लत से बचाएं और स्क्रीन से बेदाग भविष्य सुनिश्चित करें। जबकि डिजिटल युग सीखने और मनोरंजन के अवसर प्रदान करता है, संतुलन बनाए रखना और हमारे बच्चों की भलाई की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे हमारे युवा इस डिजिटल परिदृश्य में आगे बढ़ते हैं, आइए उन्हें स्वस्थ विकल्पों की ओर मार्गदर्शन करें और बचपन के सार-अन्वेषण, खेल और वास्तविक दुनिया के आश्चर्यों को संरक्षित करें।

आप की बात

मिट्टी के कारीगर

दीपावली निकट आने के साथ सभी वस्तुओं के बाजार सजने लग गए हैं। इनमें कुछ बाजार मौसमी होते हैं जिन्हें अपनी छोटी पूंजी से गरीब और सामान्य लोग सजाते हैं। वे उम्मीद करते हैं कि कुछ कमा कर अपने परिवार की बेहतर परवरिश कर उन्हें थोड़ा खुश कर सकें। ऐसे बाजारों में मिटटी के दिए, खिलौने व छोटी-छोटी फुटपाथी दुकानों पर अन्य त्यौहारी सामग्री बेचने वाले। इनको खुशियां देने के लिए हमें भी वहां से खरीद कर उनको सहयोग देना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन कर आत्मनिर्भर भारत निर्माण में अपना योगदान दे सकें। ऑनलाइन खरीद के बढ़ते प्रचलन के बावजूद हमें इन गरीब और छोटे फुटकर दुकानदारों का भी ख्याल रखना चाहिए। दीपावली का आध्यात्मिक अर्थ तो यही है कि पृथ्वी पर कहीं अंधेरा न रह जाए। यदि हम गरीब मिट्टी के कारीगरों व दीपावली पर अन्य परंपरागत सामान बेचने वाले ग्रामीणों व कस्बों से आने वाले लोगों से सामान खरीदें तो उनके घरों में भी दीपों का प्रकाश फैलेगा। इससे परंपरा संवर्धन के साथ सामाजिक विकास में भी योगदान होगा। चीनी या देशी झालरों के बजाय दीपकों का प्रयोग पर्यावरण के लिए भी अच्छा है और इससे बिजली की अनावश्यक खपत भी थमेगी।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

हिजबुल्ला की घोषणा

गाज़ा पट्टी का युद्ध शुरू हुए एक महीना होने को आया। लेबेनान के हिजबुल्ला गुट, यानी शिया मुस्लिम राजनीतिक दल व आतंकवादी समूह के नेता शेख हसन नसरुल्ला ने गाजा में छिड़े युद्ध के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया है। अब लगता है कि इस्त्राइलियों को दो मोर्चों पर संघर्ष करना होगा। नसरुल्ला ने अमेरिकी सैनिक अवस्थापनाओं पर हमले का संकेत दिया। माना जाता है कि हिज़्बुल्ला गुट हमास से चार गुना अधिक शक्तिशाली एवं बेहतर हथियारों से लैस समूह है। उसके पास अनुमानित 1,30,000 रॉकेटों व मिसाइलों तथा 1 लाख के करीब प्रशिक्षित लड़ाके होने का अनुमान लगाया गया है। अनुमान है कि वह विमान-रोधी व जहाज-रोधी मिसाइलों से इज़राइल में दूर तक मार करने में सक्षम है। हिजबुल्ला की इस घोषणा के बाद इज़राइल-हमास युद्ध के और फैलने की आशंका है। हालांकि, नसरुल्ला ने ईरान के संरक्षण से इनकार किया है, लेकिन सभी जानते हैं कि हमास, हिजबुल्ला तथा हूती आतंकियों की पीठ पर ईरान का हाथ है। यदि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान तक पहुंचता है तो यह और खतरनाक हो जाएगा।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

कांग्रेस का अहंकार

पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस के अहंकार, ओवरकान्फीडेंस व लापरवाह रवैये के कारण इंडिया गठबंधन के घटक दलों के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। कांग्रेस की मनमर्जी और एकला चलो की नीति भारी पड़ने लगी है। विपक्षी एकता मुहिम के सूत्रधार नीतीश कुमार ने कांग्रेस की गठबंधन के प्रति बेरुखी पर नाराजगी जताई है। राज्यों के चुनाव में गठबंधन घटक दलों द्वारा खड़े किए उम्मीदवार स्पष्ट संकेत हैं कि इंडिया गठबंधन में तालमेल का अभाव है। अखिलेश यादव द्वारा अकेले लोकसभा की 65 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा गठबंधन में पढ़ चुकी बड़ी दरार को रेखांकित करती है। नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने भी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की बात कही है। राजस्थान में चंद्रशेखर और हनुमान बेनीवाल के अलग गुट बनाने, तेलंगाना में भी कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार खड़े होने तथा पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की खामोशी भी इंडिया गठबंधन के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान गठबंधन में पैदा खटास लोकसभा चुनावों तक दूर होने की संभावना बहुत कम हो सकती है।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

अपरिग्रह का सिद्धान्त

लासेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष विश्व में वायु प्रदूषण और अन्य प्राकृतिक प्रकोपों की वजह से 90 लाख से अधिक लोग काल के गाल में समा जाते हैं। दुनिया के बड़े राष्ट्र पर्यावरण सुधार पर मगरमच्छी आंसू बहते हैं, लेकिन बड़े सम्मेलनों के समाप्त होते ही जिंदगी न केवल पुराने ढर्रे पर चलने लगती है, बल्कि प्रदूषण पहले से भी अधिक हो जाता है। इस बारे में जापानियों द्वारा अपनाया जाने वाला मिनिममलिज्म, यानी न्यूनतम उपभोग का सिद्धान्त जैन धर्म प्रवर्तक भगवान महावीर के अपरिग्रह सिद्धांत का आधुनिक रूप है। ढाई हजार वर्ष पहले ही भगवान महावीर ने कम से कम साधनों में जीने की कला सिखाई थी। इससे न केवल जीवन सहज-सरल बनता था, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी धरती की विरासत सुरक्षित रहती थी। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि धरती पर सबकी आवश्यकताओं के लिए सब कुछ है, पर कुछ लोगों के लालच के लिए यह अपर्याप्त है। पर्यावरण प्रदूषण समेत दुनिया की समस्याओं से मुक्ति के लिए हमें भगवान महावीर व महात्मा गांधी के मार्ग पर चलना होगा।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

यूपी में बनाए जाएंगे 35 नए बाल आश्रय गृह

● मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के अंतर्गत 400 करोड़ रुपए प्रस्तावित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

घर से भागे हुए, गुमशुदा, तस्करी किये गए, कामकाजी, बाल भिखारियों, मादक द्रव्यों के सेवन करने वाले बच्चों की देखभाल के लिये योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रदेश के 18 मंडल मुख्यालयों समेत 19 जनपदों में 35 नये आश्रय गृहों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए शासन स्तर पर कवायद तेज हो गई है। विभाग की ओर से इसके लिए 400 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है। योगी सरकार प्रदेश के बच्चें को सर्वोच्च राष्ट्रीय संपत्ति मानकर उनके लिए संवेदनशील ईको सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश के निराश्रित और अभावग्रस्त बच्चों के लिए स्वस्थ और खुशहाल बचपन सुनिश्चित कराया जाए।

अभी सात हजार बच्चों की हो रही देख-रेख

हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दिया गया है। इसमें बताया गया है कि प्रदेश में बच्चों विशेषकर बालिका गृहों की क्षमता 300 बच्चियों की हैए जबकि इसके सापेक्ष इनमें सामान्यतरू 485 बच्चियां रह रही हैं। इसके अलावा संप्रेक्षण गृहों की वर्तमान क्षमता 1250 बच्चों की हैए यहां भी क्षमता से अधिक बच्चे रह रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप बच्चों की शिक्षाए चिकित्साए कौशल विकासए जीवन कौशल तथा मानसिकए शारीरिक व भावनात्मक विकास में प्रतिकूल प्रभाव देखा गया है। इनके लिए नये गृहों को बनाना अत्यंत आवश्यक है। बता दें कि प्रदेश में अभी लगभग 7000 बच्चे 183 राजकीय और स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से आवासित हैं।

प्रस्तावित राजकीय गृहों में आगरा में 100 की क्षमता वाला एक बालिका गृहए अलीगढ़ में 100-100 की क्षमता वाला बाल गृह और किशोर संप्रेक्षण गृहए आजमगढ़ में 50 की क्षमता वाला शिशु गृह एवं 100 की क्षमता वाला बालिका गृहए प्रयागराज में 100-100 की क्षमता वाला बाल गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह, लखनऊ में 300 की क्षमता वाला एकीकृत आश्रय सदनए बरेली में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह एवं 50 की क्षमता वाला शिशु गृहए मेरठ में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह एवं 50 की क्षमता वाला शिशु गृहए सहारनपुर में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह, मुरादाबाद में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह, वाराणसी में 275 की क्षमता वाला एकीकृत आश्रय सदनए मीरजापुर में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृहए गोरखपुर में 350 की क्षमता वाला एकीकृत आश्रय सदन, बस्ती में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह, झांसी में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह एवं 50 की क्षमता वाला शिशु गृह, कानपुर में 50 की क्षमता वाला शिशु गृह विशेषज्ञ दत्तकग्रहण अभिकरण, अयोध्या में 375 की क्षमता वाला एकीकृत आश्रय सदनए देवीपाटन में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृह और किशोर संप्रेक्षण गृह, चित्रकूट में में 100-100 की क्षमता वाले बालिका गृहए किशोर संप्रेक्षण गृह और वाला शिशु गृह बनाए जाएंगे। इसके अलावा अमेठी में 310 की क्षमता वाला एकीकृत आश्रय सदन बनाया जाएगा।

सभी मंडलों में होगा सभी श्रेणियों का कम से कम एक गृह

दरअसल, किराये और राजकीय भवनों में संचालित बाल आश्रय भवनों में से अधिकांश की स्थिति संतोषजनक नहीं है। जर्जर भवनोंए तंग कमरोंए भवनों में खुली हवा व क्षमता के सापेक्ष मूलभूत ढांचों का अभाव देखते हुए सरकार नये आश्रय स्थलों का निर्माण कराने जा रही है। यहां खुले हवादार कमरेए योगए व्यायामए खेलकूदए बागवानी आदि के लिए खुले मैदान होंगे तो चाइल्ड केयर होमए ऑब्जर्वेशन होमए न्याय बोर्डए सुप्रीटेंडेंट एवं वॉर्डन के आवास की भी सुविधा होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बालिकाओं के लिए 12 बाल गृह, बालकों के लिए 1 बाल गृह, शिशुओं और विशेषज्ञ दत्तकग्रहण यूनिट के लिए 6 बाल गृह, किशोरों के लिए 11 संपेक्षण गृह व 5 इंटीग्रेटेड होम का निर्माण प्रस्तावित है। योगी सरकार प्रदेश के सभी मंडलों में सभी श्रेणियों का कम से कम एक गृह संचालित करेगी।

एक्स पर सीएम योगी देश के दूसरे सबसे चर्चित राजनेता

● अक्टूबर 2023 में पीएम मोदी के बाद सीएम योगी के हैंडल को लेकर हुई सबसे अधिक चर्चा

●पाकिस्तान से लेकर ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, अमेरिका और इंग्लैंड तक सीएम योगी के नाम की धूम

●पांच राज्यों में चल रहे विधान सभा चुनाव प्रचार में सीएम योगी की सबसे ज्यादा हो रही डिमांड

लखनऊ। सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सर्वाधिक चर्चित राजनेताओं में शुमार हैं। हैशटैग ट्रैकिंग टूल ट्वीट बाइंडर ने इसकी पुष्टि की है। ट्वीट बाइंडर की ओर से जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार अक्टूबर 2023 में पीएम मोदी के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जिस राजनेता के अकाउंट की सर्वाधिक चर्चा हुई है वो कोई और नहीं बल्कि सीएम योगी हैं। ट्वीट बाइंडर की इस रैंकिंग को भारत में एक्स यूजर्स द्वारा 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पोस्ट की संख्या के आधार पर तैयार की है।

उल्लेखनीय है कि ट्वीट बाइंडर एक हैशटैग एनालिटिक्स और फॉलोअर ट्रैकिंग टूल है। यह ट्विटर हैशटैग एनालिटिक्स और ट्विटर मॉनिटरिंग के लिए डिजाइन किया गया है। ट्वीट बाइंडर की रैंकिंग के अनुसार अक्टूबर में एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अकाउंट पर सर्वाधिक चर्चा की गई हैए जबकि इसके बाद सीएम योगी दूसरे राजनेता हैं जिन पर चर्चा हुई है। यह सोशल मीडिया पर सीएम योगी की बढ़ती लोकप्रियता का जीवंत उदाहरण है। लोकप्रियता के मामले में सीएम योगी कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी से कहीं आगे हैं। वहीं ओवरआल सूची की बात करें तो पीएम मोदीए भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और साउथ के एक्टर विजय ही सीएम योगी से आगे हैं। यहां तक कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, बॉडीवुड एक्टर सलमान खान, राहुल गांधी, शाहरुख खान और अक्षय कुमार जैसे सेलेब्रिटी भी सीएम योगी से बहुत पीछे नजर आते हैं।

अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों, अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की शैली तथा समस्या के त्वरित निराकरण के लिए अपने निर्णयों के चलते प्रदेश ही नहीं बल्कि देश और देश की सीमाओं को लांघते हुए वैश्विक पटल पर सीएम योगी के फैंस की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से लेकर ऑस्ट्रेलिया, इजरायलए अमेरिका और इंग्लैंड तक सीएम योगी के नाम की धूम है। देश के पांच राज्यों में चल रहे विधान सभा चुनाव प्रचार में योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री मोदी के बाद सर्वाधिक डिमांडिंग शख्सियत हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी, कच्छ से कामरूप, बनारस से बेंगलुरु, मुंबई से मुंगेर, गोरखपुर से गुवाहाटी, रामपुर से रामेश्वरम, अयोध्या से अजमेर तक समूचे देश में योगी की लोकप्रियता नए मुकाम हासिल कर रही है। सीएम योगी की यह लोकप्रियता देश में उनकी बढ़ती स्वीकार्यता की ओर इशारा करती है।

सोशल मीडिया पर सीएम योगी की गिनती सबसे सक्रिय और लोकप्रिय राजनेता के रूप में है। सीएम योगी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 2.65 करोड़ फॉलोअर्स हैं। वहींए इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या 77 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी सक्रिय हैं। कू एप पर भी उनके फॉलोअर्स की संख्या 68 लाख है और इस प्लेटफॉर्म पर वह फॉलोअर्स के मामले में सबसे ऊपर हैं। हाल ही में सीएम योगी का वॉट्सएप चैनल भी शुरू हुआ हैए जिसमें करीब 15 लाख फॉलोअर्स जुड़ चुके हैं। लोकप्रियता के मामले में विपक्ष का कोई कोई नेता सीएम योगी के आसपास भी नहीं है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का कर रही है पर्यवेक्षण

● महिला मतदाताओं, 18 से 19 आयु वर्ग के नये और दिव्यांग मतदाताओं के पंजीकरण स्थिति पर नजर

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के निर्देशन में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की टीम विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का पर्यवेक्षण कर रही है। टीम के द्वारा मतदेय स्थलों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। पोलिंग स्टेशनों पर मतदाता सूची की उपलब्धताए संबंधित बूथ लेवल अधिकारी की पोलिंग स्टेशन पर उपस्थितिए फार्म.6, 6ए, 7 तथा 8 की उपलब्धता देखी जा रही है। महिला मतदाताओं, 18 से19 आयु वर्ग के नये और दिव्यांग मतदाताओं के पंजीकरण कार्य को देखा जा रहा है। अभियान का गहनता से पर्यवेक्षण किए जाने के उद्देश्य से अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को जनपद आवंटित किये गये हैं। 5 नवम्बर को कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह ने आगरा व फिरोजाबाद, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय ने जनपद मथुरा, सांख्यिकीय अधिकारी टीपी गुप्ता ने जनपद उन्नाव में मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर बीएलओ को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। मतदेय स्थलों पर निबन्ध लेखन, भाषण, वाद विवाद, मॉक पार्लियामेंट, पोस्टर, पेन्टिंग, स्लोगन, रंगोली, नुक्कड़ नाटक, इलेक्शन कोशंट क्विज, मानव श्रृंखला, मानव श्रृंखला से आकृति निर्माण, सजाने की प्रतियोगिता आदि प्रतियोगितायें सम्पूर्ण विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान अवधि तथा विशेष तिथियों पर आयोजित की जा रही है।

पोषण की 897 परियोजनाओं से कुपोषण को योगी सरकार ने दी मात

● प्रदेशभर में दो करोड़ से अधिक को दिया जा रहा पोषण संबंधी परियोजनाओं का लाभ

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले 6 वर्षों में कुपोषण पर करारा प्रहार किया है। सरकार की विभिन्न परियोजनाएं और सतत मॉनिटरिंग का ही असर है कि प्रदेश में एनीमिया, बौनापन, अल्प वजन और सूखापन में सुधार दर्ज किया गया है। योगी सरकार द्वारा प्रदेश भर में 897 परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसे बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के तहत 189021 आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिये लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। वर्तमान में कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए 2 करोड़ से अधिक लाभार्थी योगी सरकार की पोषण से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक उच्च स्तरीय बैठक में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरकार की पहल से प्रदेश में कुपोषण में सुधार दर्ज किया गया है। वर्तमान में प्रदेश भर में 20842924 लाभार्थी पोषण संबंधी विभिन्न परियोजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। गर्भवती महिलाए धात्री माताएं, 6 माह से 3 वर्ष के बच्चे, 3 से 6 वर्ष के बच्चे, सैम बच्चे और आकांक्षात्मक जनपदों की किशोर बालिकाएं शामिल हैं। इनमें 1983943 गर्भवती महिलाएं, 921081 धात्री माताए 6 माह से 3 वर्ष के 9567341 बच्चों, 3 वर्ष से 6 वर्ष के 7937870 बच्चों, 186044 सैम बच्चों और आकांक्षात्मक जनपद की 246645 किशोर बालिकाओं तक सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को प्रदेश से कुपोषण को शत प्रतिशत खत्म करने के लिए कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पोषण अभियान स्वस्थ और एक समर्थ भारत की नींव है। ऐसे में इसके लिए एक प्रभावी मैकेनिज्म बनाकर इस पर युद्धस्तर पर काम किया जाए।

बैठक के दौरान विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष नेशनल हेल्थ फैमिली सर्वे ;एनएचएफएस.5द्ध का हवाल देते हुए बताया कि प्रदेश में वर्ष 2015-2016 के सापेक्ष वर्ष 2019-2020 में एनीमियाए बौनापनए अल्प वजन और सूखापन में सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2015-16 में प्रदेश की 51 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की शिकायत थी जबकि वर्ष 2019-21 में इसमें 5ण्1 प्रतिशत का सुधार हुआ है। अब यह घटकर 45.9 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह वर्ष 2015-16 में प्रदेश के 46.3 प्रतिशत बच्चों में बौनापन की शिकायत थीए जबकि वर्ष 2019-21 में इसमें 6.6 प्रतिशत का सुधार हुआ है। यह घटकर 39.7 प्रतिशत रह गया है। वहीं वर्ष 2015-16 में प्रदेश के 39.5 प्रतिशत बच्चों में अल्पवजन की शिकायत थीए जबकि वर्ष 2019-21 में इसमें 7ण्4 प्रतिशत का सुधार हुआ है। यह घटकर 32.1 प्रतिशत रह गया है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग व लूलू ग्रुप के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

लखनऊ। वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 में उत्तर प्रदेश के 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को गति देने के उद्देश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उप्र एवं लूलू समूह के मध्य एमओयू (सहमति पत्र) हस्ताक्षरित हुए। वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 में मनोज कुमार सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिवए खाद्य प्रसंस्करण उत्तर प्रदेश एवं लूलू ग्रुप के डायरेक्टर के मध्य एमओयू साइन किया गया। लूलू ग्रुप के फाउन्डर और चेयरमैन युसुफ अली, उप्र उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक डॉ. अतुल कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह जानकारी उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश के प्रभारी निदेशकए डॉ. अतुल कुमार सिंह द्वारा दी गयी है। मुख्यमंत्री योगी के विजन के अनुरूप व उपमुख्यमंत्री मंत्री ग्राम्य विकास एवं खाद्य प्रसंस्करण केशव प्रसाद मौर्य नेतृत्व व निर्देशन में उप्र उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बेहतर कार्य कर रहा है और किसानो के उत्पाद को अधिक से अधिक प्रसंस्करण कराने को बढ़ावा दिया जा रहा है। उप्र के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग और संयुक्त अरब अमीरात के रिटेल लूलू ग्रुप के मध्य हुए इस 03 साल के समझौते के बाद लूलू ग्रुप उप्र के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा कृषि उत्पादए सब्जियों एवं फ्लों का निर्यात करेगा, इन उत्पादों को संयुक्त अरब अमीरात की अपने हाइपरमार्केट के माध्यम से बिक्री करेगा। इसके अलावा लूलू ग्रुप उत्तर प्रदेश के किसानों की उत्पादन क्षमता को भी बढ़ाने काम करेगा, इससे उत्तर प्रदेश के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि लूलू ग्रुप के साथ हुए इस एमओयू से प्रदेश के किसानों को उत्पाद एवं निर्यात में काफी बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश की कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी तथा किसानों को आपने उत्पाद का सही मूल्य मिल सकेगा।

पूर्व आईपीएस उमेश कुमार सिंह व पूर्व मंत्री राज बहादुर कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर सेवानिवृत्त आईपीएस उमेश कुमार सिंह, निशी सिंह, भूपेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री राज बहादुर सिंह, जिला अधिवक्ता संघ लखीमपुर खीरी के महासचिव मनोज जायसवाल, रवि प्रकाश सिंह, जावेद अली खां, रितू अग्रवाल, सुनील कुमार, शाहिद खान, मो. सलीम एवं मो. आजम खां सहित सैकड़ों लोगों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के समक्ष पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. राहुल राजभर ने जानकारी देते हुए बताया कि सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में आये सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान हो चुकी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है आए दिन अपराधियों द्वारा हत्याए डकैतीए बलात्कारए लूट जैसी जघन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा हैए जिससे प्रदेश की जनता में घोर निराशा है। नौजवान अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है।

हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा चलाई गई भारत जोड़ो यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश की जनता के दुख दर्द को समझना तथा भविष्य में उसे दूर करने का प्रयास करने का है। जिससे प्रभावित होकर आज कई राजनैतिक दल एवं आम जनता अपना विश्वास कांग्रेस पार्टी में जता रही हैं। अब देश एवं प्रदेश की जनता को भरोसा हो गया है कि सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो भाजपा के कुशासन से हमें निजात दिला सकती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम जी के सहयोगी रहे पूर्व मंत्री एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी जैसे बुद्धिजीवि लोगों का कांग्रेस पार्टी में आना इस बात का संकेत है कि पार्टी उत्तर प्रदेश में तेजी से मजबूत हो रही है और हर वर्ग व हर समाज की जनता हमारे साथ खड़ी हो रही है। सदस्यता ग्रहण करने के उपरान्त पूर्व आईपीएस उमेश सिंह ने कहा कि हमारे सदस्यता ग्रहण करने का मकसद पार्टी को मजबूत करना है ताकि कमजोरों के हक की लड़ाई लड़ी जा सके। जिस तरह से मैने पुलिस अधिकारी के तौर पर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ काम किया और प्रदेश को अपराधियों से मुक्त रखने का प्रयास किया उसी तरह मैं कांग्रेस पार्टी में निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ काम करुंगा। यह मेरे जीवन की नई पारी है जिसमें मेरी धर्मपत्नी भी मेरे साथ आकर पार्टी को मजबूत करने में अपना योगदान करेंगी। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से दुल्लू राम, जेपी सिंह, नागेन्द्र सिंह, शीतला, राजन, ननका देवी, सुरेन्द्र प्रताप, राहुल गौतम, कु. राखी गौतम, रचना, प्रदीप कुमार, रवि गौतम, अरविन्द, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, अकील चौधरी, अनिल, सूर्य प्रताप सिंह आदि शामिल रहे।

यूपी स्टेट मेगा एक्सपो का शुभारंभ आज

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान सोमवार 6 नवम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान ;मार्श हॉल में आयोजित यूपी स्टेट मेगा एक्सपो 2023 का उद्घाटन करेंगे। मंत्री राकेश सचान इस अवसर पर प. दीन दयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान, टूलकिट वितरण, रेशम मित्र पोर्टल का लोकार्पण तथा रेशम मित्र पत्रिका का विमोचन भी करेंगे।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता त्रस्तः अजय राय

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के संघर्षों से प्रेरित होकर रविवार को कांग्रेस मुख्यालय पर जनता दल यूनाइटेड के 344 गोपालपुर आजमगढ़ से विधानसभा प्रत्याशी रहे योगेन्द्र यादव अपने साथियों सहित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के समक्ष पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर अजय राय ने उनके गले में कांग्रेस तिरंगा पट्टिका पहनाकर पार्टी का सदस्यता कार्ड देकर विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि कांग्रेस की सोच और नीतियों से प्रभावित होकर लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त प्रदेश की जनता कांग्रेस की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर उन्होंने कहा कि सभी जाति और धर्म के लोग भाजपा की समाज तोड़ो राज करो की नीति और नीयत से परिचित हो चुके हैं।

भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर रही हैः अखिलेश

● कांग्रेस ने सपा को धोखा दियाः सपा प्रमुख

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की लूट कर रही है। उप्र हो या मप्र भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर रही है। मध्य प्रदेश में गरीबीए बेरोजगारी के लिए भाजपा जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री जी एक कार्यक्रम में कह रहे थे कि 13 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। अगर इतने लोग गरीब रेखा से बाहर हो गये हैं तो यह राशन किसको दे रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों पर भरोसा नहीं करना है। जब चुनाव आता है तो भाजपा के लोग किसानों, गरीबों, नौजवानों से झूठे वादे करते है। चुनाव खत्म होने के बाद भूल जाते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस बहुत चालू पार्टी है। कांग्रेस ने सपा को धोखा दिया। मप्र की बदहाली के लिए भाजपा कांग्रेस दोनों जिम्मेदार है। जिस रास्ते पर कांग्रेस चल रही थी। अब उसी रास्ते पर भाजपा चल रही है। कांग्रेस ने देष में जातीय जनगणना नहीं होने दिया था। कांग्रेस ने पिछड़ों के आरक्षण के लिए मण्डल कमीशन की रिपोर्ट को लागू नहीं होने दिया था। अब वही भाजपा कर रही है। भाजपा देश में जातीय जनगणना का विरोध कर रही है। पिछड़े और दलितों को उनकी हक और हिस्सेदारी नहीं दे रही है। भाजपा सामाजिक न्याय की दुश्मन है। कई राज्यों में मण्डल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछड़ों के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू है लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने नहीं लागू किया। कांग्रेस और भाजपा में कोई फर्क नहीं दिखाई देता है।

यादव ने कहा कि जातीय जनगणना को लेकर समाजवादी पार्टी ने जो रास्ता दिखाया है उसका चमत्कार अब पूरे देश में देखने को मिल रहा है। सामाजिक न्याय विरोधी ताकते पहले जातीय जनगणना का विरोध कर रही थी लेकिन अब पिछड़ों की ताकत को देखकर वे विरोध का साहस नहीं जुटा पा रही है। भाजपा ने अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों को धोखा दिया है। अग्निवीर को शहीद होने पर भाजपा सरकार सम्मान नहीं देती है। अग्निवीर को शहीद होने पर न सम्मान मिलेगा, न शहीद का दर्जा मिलेगा और न मदद मिलेगी। पंजाब में एक नौजवान शहीद हो गया उसे कोई सम्मान नहीं मिला। जो सरकार नौजवानों को फौज की आधी अधूरी नौकरी दे। क्या वह राष्ट्रवादी हो सकती है, ऐसी सरकार से सावधान रहना है। सपा सत्ता में आयेगी तो नौजवानों को पहले की तरह फौज में पक्की नौकरी दी जाएगी। यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार में अपराध नियंत्रण के लिए विश्वस्तरीय टेक्नालॉजी डायल 100 पुलिस सेवा उपलब्ध करायी गयी थी ताकि किसी झगड़े, मारपीट, लड़ाई में फोन करने पर पुलिस 15 मिनट में मदद के लिए पुलिस पहुंचेए माताओं, बहनों की सुरक्षा के लिए 1090 सेवा शुरू की थी। सुप्रीमकोर्ट ने भी 1090 सेवा की सराहना करते हुए कहा कि था कि ऐसी योजना देश के सभी राज्यों में लागू होनी चाहिए। भाजपा सरकारों ने कोई विकास नहीं किया।

सपा प्रकोष्ठों में पदाधिकारी नामित

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश की स्वीकृति से धनीलाल श्रमिक प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा द्वारा आजाद राय को समाजवादी मजदूर सभा में प्रदेश उपाध्यक्ष नामित किया गया। इसके अलावा मोहित यादव निवासी अलीगढ़ को समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप द्वारा प्रकोष्ठ की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

डॉल्फिन संरक्षण के लिए तटवर्ती गावों में जागरूकता अभियान चलागी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लुप्तप्राय हो रही 'गांगेय डॉल्फिन' को प्रदेश का जलीय जीव घोषित किया है। सरकार के इस कदम से संबंधित विभाग फोकस के साथ इनके संरक्षण और संवर्धन का प्रयास करेंगे। सुरक्षा और संरक्षण से इनकी संख्या बढ़ेगी। ये गंगा की लहरों पर दिखने लगेंगी। इनके करतब लोगों के आकर्षण का विषय होंगे। विभागीय अधिकारियों की माने तो डॉल्फिन संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार गंगा के तटवर्ती गावों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगी। इस दौरान लोगों को बताया जाएगा कि किस तरह गांगेय डॉल्फिन खास है। किस तरह वह आपकी और नदी की मित्र है। इसके संरक्षण में सरकार के साथ सहभागी बनें।

गंगा में हैं सर्वाधिक डॉल्फिन

उल्लेखनीय है कि प्रेक्ष पानी की डॉल्फिन सरयूध्शारदाए चंबलए गेरुआ और कुछ और नदियों में भी मिलती हैंए पर गंगा में इनकी संख्या सर्वाधिक है। चूंकि गंगा का सर्वाधिक अपवाह तंत्र उत्तर प्रदेश में ही है। लिहाजा गांगेय डॉल्फिन की संख्या भी उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है। एक अनुमान के मुताबिक अगर इनकी कुल संख्या 2000 के आसपास है तो उत्तर प्रदेश में इनकी संख्या 1600 से 1700 तक हो सकती है। ऐसे में इनके संरक्षण और संवर्धन की सर्वाधिक जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की ही बनती है। राज्य के जलीय जीव का दर्जा देकर योगी सरकार ने इस बाबत प्रतिबद्धता भी जताई है। इसी वजह से आने वाले कुछ वर्षों में ये गंगा नदी के आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

डॉल्फिन मछली नहीं मैमल स्तनधारी जीव हैं। ये मछली जैसे अंडा नहीं देती।बच्चे पैदा करती हैं। अपेक्षाकृत बुद्धिमान होती है। इंसान और डॉल्फिन की दोस्ती जगजाहिर है। डॉल्फिन पानी की सतह पर अधिक दिखती है। दरअसल अपनी प्राकृतिक बनावट के कारण वह पानी में घुलनशील ऑक्सीजन से प्राणवायु नहीं ग्रहण कर पाती। ऐसे में सांस लेने के लिए हर कुछ मिनट के अंतराल पर उसे नदी की सतह पर आना पड़ता है। यही वजह है कि यह अपेक्षाकृत कम गहरी नदियों में ही मिलती है। यमुना जो गंगा की सबसे बड़ी और प्रमुख सहायक नदी है उसकी अधिक गहराई के ही कारण उसमें डॉल्फिन का मिलना अपवाद है।

मुख्य वन संरक्षक अंजनी आचार्य के अनुसार राज्य जलीय जीव का दर्जा पाने के बाद संरक्षण और संवर्धन से जब इनकी संख्या बढ़ेगी तब बार बार सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आने के कारण ये आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

पर्यावरण विद वेंकटेश दत्ता के अनुसार डॉल्फिन मछली नहीं मैमल्स है। यह मछलियों की तरह अंडा नहीं देती। किसी भी स्तनधारी की तरह बच्चे पैदा करती है। इनकी प्रजनन क्षमता कम होती है। तीन चार साल के अंतराल पर एक मादा एक या दो बच्चे ही देती है। प्रजनन देर काम होने के नाते इनको लुप्त होने से बचाने के लिए इनका संरक्षण जरूरी है।

बायोइंडिकेटर का करती हैं काम

डॉल्फिन एक तरह से बायो इंडिकेटर का भी काम करती हैं। चूंकि ये प्रेश पानी में रहती हैं। ऐसे में इनकी उपलब्धता यह बताती है कि पानी की गुणवत्ता ठीक ठाक है।

देख नहीं पाती आवाज से ही करती हैं शिकार

ये देख नहीं पाती। शिकार के लिए ये आवाज निकालती हैं। उनकी आवाज शिकार से टकराकर जब उन तक पहुंचता है तो उन्हें शिकार का लोकेशन पता चल जाता है।

अपर मंडलायुक्त ने की पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

लखीमपुर खीरी। जनपद भ्रमण पर आये अपर आयुक्त देवीपाटन मण्डल राम प्रकाश ने डीएम महेंद्र बहादुर सिंह संग कलेक्ट्रेट सभागार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान ऐसे मतदान केन्द्रों जहॉ की सूची का ईपी और जेण्डर रेशियों मानक से कम हैए विशेष प्रयास कर ई पी और जेण्डर रेशियों को मानक के अनुसार करने की कार्यवाही की जाय। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवक.युवतियों का अधिक से अधिक पंजीकरण कराये जाने का प्रयास किया। निर्देश दिया कि अपमार्जन के लिए प्राप्त होने वाले प्रपत्र 07 पर पूरी सावधानी के साथ कार्यवाही की जाय। अपमार्जन की कार्यवाही करते समय आयोग द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार नोटिस जारी करते निस्तारण के संबंध में अक्षरश: पालन सुनिश्चित करायें।

एसडीएम स्वयं प्रपत्र 07 का अपने स्तर से परीक्षण करें। निर्देश दिया कि बूथों पर प्राप्त होने वाले प्रपत्रों के सापेक्ष सम्बन्धित को अनिवार्य रूप से प्राप्ति रसीद उपलब्ध करायी जाय। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक लोगों का पंजीकरण हो सके। अपर आयुक्त ने व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जाने के भी निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी ईआरओ पुनरीक्षण के सम्बंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन करते हुए बीएलओ की सक्रियता को और अधिक बढ़ाए। अच्छा कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित किया जाय। जबकि खराब कार्य करने वाले बीएलओ को दण्डित किया जाय। घर.घर जाकर पुनरीक्षण कार्य करें साथ ही पुनरीक्षण अभियान अवधि में विशेष तिथियों पर अपने मतदान केन्द्रों पर अवश्य मौजूद रहे। अपर आयुक्त ने यह भी सुझाव दिया कि सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में क्षेत्र के समाजसेवी, उच्च स्तर के खिलाड़ी, शिक्षक, बुद्धजीवी व अन्य गणमान्य व संभ्रान्तजनों का नाम निर्वाचक नामावली में अनिवार्य रूप से देख लें और उनसे भी पुनरीक्षण कार्य में आवश्यक सहयोग लिया जाय।

अपर आयुक्त राम प्रकाश ने डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के साथ राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि बूथ लेबिल एजेन्टों के माध्यम से पुनरीक्षण कार्य का व्यापक प्रचार.प्रसार करायें ताकि अधिक से अधिक अर्ह नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराया जा सके। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि जनपद में निर्वाचन आयोग की मंशानुसार त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करायी जायेगी। पुनरीक्षण कार्य में सभी राजनैतिक दल के पदाधिकारी आपेक्षित सहयोग प्रदान करे।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सभी राजनीतिक दल मतदेय स्थलवार बीएलए ;बूथ लेवल एजेंटद्ध की तैनाती कर देंए जो बीएलओ से समन्वय कर नए मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कराते हुए वोटर लिस्ट को त्रुटि रहित बनाने में अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। सुपरवाइजर और बूथ लेवल ऑफिसर की सूची ऑनलाइन उपलब्ध है। एक जनवरी 2024 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवक.युवतियों को फोकस करते हुए मतदाता बनाएं। सुनिश्चित कराए कि इस आयु वर्ग का कोई भी मतदाता बनने से वंचित न रहने पाए। सभी ईआरओ स्वयं और सुपरवाइजर के जरिए अभियान में बीएलओ पर सतर्क दृष्टि रखते हुए आयोग के नियमों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए। अभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे बी एल ओ को निर्देशित करें कि ऐसे मतदाता जिनकी उम्र 24 वर्ष से अधिक है और नाम सम्मिलित करने हेतु फॉर्म 6 पर आवेदन करते हैं तो यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम किसी अन्य मतदेय स्थल में तो है यदि है तो उनसे फार्म 8 भरवाया जाए जिसमे संशोधन के साथ स्थान परिवर्तन का भी प्रावधान है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

- प्रचार में कमी, तहसीलदार सदर से जवाब तलब
- निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों का जवाब तलब

निरीक्षण करते जिलाधिकारी

शाहजहांपुर। जनपद के विभिन्न विद्यालयों में चल रहे विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने रविवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने राजकीय इंटर कॉलेजए डॉ सुदामा प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज बाल विद्या मंदिर, इस्लामिया इंटर कॉलेज, प्राइमरी विद्यालय अंटा, एब्रिच इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं ठीक नही पाई गईं। मतदेय स्थलों पर कर्मचारी भी अनुपस्थित पाए गए।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 27.10.2023 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जा चुका है। दावे और आपत्ति प्राप्त करने की अवधि दिनांक 27.10.2023 से 09.12.2023 तक निर्धारित है। 04 व 05 नवम्बर, 25 व 26 नवम्बर को विशेष अभियान तिथियां भी निर्धारित है। आज डीएम ने जनपद में चल रहे पुनरीक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया, राजकीय इंटर कॉलेज में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार न करने पर, डीएम ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए तहसीलदार सदर का जवाब तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने डॉ सुदामा प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज इस्लामिया इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया, अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मचारियों के जवाब तलब करने के निर्देश दिए। अन्य कर्मचारियों को एक.एक कर मोहल्ले में भ्रमण करके कार्य करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय, अंटा, एब्रिच इंटर कॉलेज में कम नाम दर्ज होने पर भ्रमण करने हेतु निर्देशित किया। डीएम ने तहसीलदार सदर को निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि शाम 4.00 बजे तक मतदेय स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

कालेज टॉपर निहारिका को मिलेगा गोल्ड मेडल

शाहजहाँपुर। एस.एस. कॉलेज की बी.कॉम फाइनेंस की छात्रा निहारिका सिंह ने विश्वविद्यालय टॉप किया है। विश्विद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह हेतु टॉपर छात्र.छात्राओं की सूची जारी की है। जिसमें चौक निवासी मधुकर श्याम वर्मा व साधना वर्मा की पुत्री निहारिका सिंह को बी.कॉम फाइनेंस में 80 प्रतिशत अंक के साथ विवि टॉपर घोषित किया गया है। निहारिका सिंह को 10 नवंबर को विश्वविद्यालय में अयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा स्वर्ण पदक एवं टॉपर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। निहारिका ने अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने माता-पिता, वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग अग्रवाल, डा. के.के. वर्मा तथा विभाग के समस्त गुरुजनों को दिया है। निहारिका की सफलता पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने

आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रतिभाशाली छात्र देश की प्रगति में सहायक होते हैं। सचिव सचिव डा ए के मिश्रा, प्राचार्य प्रो.आर के आज़ाद तथा कामर्स विभाग के सभी शिक्षकों ने निहारिका की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

डीएम ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, जानी पुनरीक्षण कार्य की हकीकत

लखीमपुर खीरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत द्वितीय विशेष अभियान तिथि के अवसर पर संचालित गतिविधियों का जायज़ा लेने के उद्देश्य से डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 142 लखीमपुर के मतदान केन्द्र गांधी बालोद्यान स्कूल बूथ संख्या 250, 251, 252, 253 एवं मतदान केन्द्र संविलियन विद्यालय नगर क्षेत्र सदर बूथ संख्या 234, 235, 236, 237, 238 का निरीक्षण कर विशेष अभियान तिथि के लिए की गयी व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान बूथों पर बीएलओ व सम्बन्धित स्टाफ उपस्थित पाये गये।

मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बूथ लेविल अधिकारियों को निर्देश दिया कि बूथ पर प्राप्त होने वाले प्रपत्रों के सापेक्ष सम्बन्धित को प्राप्ति रसीद अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय। डीएम ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी बूथों पर इस व्यवस्था का अनुपालन भी सुनिश्चित करायें। बूथ लेबिल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम का अपने स्तर से भी व्यापक प्रचार.प्रसार करें तथा आवश्यकतानुसार इस कार्य के लिए गॉव का भ्रमण भी किया जाय।

अपर आयुक्त राम प्रकाश ने अफसरों के साथ विधानसभा 141 धौरहरा के बूथ संख्या 166, 167, 168 संविलियन प्राथमिक विद्यालय ऐरा तथा बूथ संख्या 175 उच्च प्राथमिक विद्यालय जसवंत नगर का निरीक्षण किया। इसके बाद अपर आयुक्त ने 142 विधानसभा लखीमपुर के मतदान केंद्र जवाहर उच्च माध्यमिक विद्यालय केवल पुरवा बूथ संख्या 364, 365 एवम् मतदान केंद्र जिला पंचायत दफ्तर बूथ संख्या 246, 247, 248, 249 का निरीक्षण किया। बूथ लेबिल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बूथ पर आने वालों को मतदाता पंजीकरण के लिए आयोग द्वारा अनुमन्य आनलाइन व ऑफलाइन व्यवस्था के बारे में भी बताया जाय, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी सुविधानुसार मतदाता सूची में पंजीकरण, अपमार्जन तथा संशोधन की कार्यवाही कर सकें। एडीएम संजय कुमार सिंह ने मतदान केंद्र जीआईसी, स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में स्थापित बूथों का निरीक्षण किया। इसके अलावा सभी उप जिलाधिकारी ने अपने तहसील क्षेत्र में विभिन्न मतदान केदो का औचक निरीक्षण कर विशेष पुनरीक्षण अभियान की संचालित गतिविधियों का जायज़ा लिया।

क्विक न्यूज

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

बरेली। मानसिक रूप से तनावग्रस्त चल रहे एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई पुलिस में लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी। इज्जत नगर थाना क्षेत्र के गांव करमपुर चौधरी निवासी 25 वर्षीय मुकेश पुत्र ओमप्रकाश की बीती रात इज्जत नगर थाना क्षेत्र में एयर फोर्स स्टेशन के पास रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई मृतक के घर वालों ने बताया कि मुकेश प्राइवेट नौकरी करता था और कुछ समय पहले उसकी नौकरी छूट गई इसके कुछ दिनों बाद से ही काम न मिलने के कारण वह मानसिक रूप से तनाव ग्रस्त रहने लगा कल शाम को वह बिना बताए घर से बाहर गया था वह घर से कुछ ही दूरी पर रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई स्थानीय लोगों ने उसकी लाश को रेलवे लाइन पर देखा और पुलिस को सूचना दे दी कुछ देर बाद पहुंची पुलिस ने शव को अज्ञात के रूप में पोस्टमार्टम के लिए भेजा इधर उसके घर न लौटने पर घर के लोगों ने उसे तलाशने की कोशिश शुरू कर दी तब उन्हें पुलिस से पता चला कि मुकेश की लाश पोस्टमार्टम हाउस पर है उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर लाश की पहचान कर ली ।

यूनाइटेड स्प्रिट कंपनी के कर्मचारी का आमरण अनशन

शाहजहां पुर। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के रौसर कोठी में स्थित यूनाइटेड स्प्रिट कंपनी (मैकडावल) के लगभग 246 परमानेंट कर्मचारियों को फैक्ट्री प्रबंधन तंत्र द्वारा बिना किसी सूचना के निकाले जाने के विरोध में श्रमिको ने अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरु कर दिया। सपा के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान यूनाइटेड स्प्रिट कंपनी आमरण अनशन स्थल पर पहुंचे और सपा की ओर से समर्थन दिया। सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खान ने स्प्रिट फैक्ट्री के कर्मचारियों के हक में फैक्ट्री प्रबंधन तंत्र का विरोध करते हुए एडीएम प्रशासन संजय कुमार पाडे से मोबाइल फोन पर वार्ता कर श्रमिको को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग की व आमरण अनशन पर बैठे हुए श्रमिको के स्वास्थ्य चेकअप के लिए डॉक्टर की टीम भेजने की मांग की।

इस मौके पर सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खान के साथ में पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा व सपा जिला महासचिव रणंजय यादवए लोकसभा सह प्रभारी गायत्री वर्माए सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह भी मौजूद रहे। और आमरण अनशन पर बैठे हुए श्रमिकों का भरपूर समर्थन किया। इस मौके पर आमरण अनशन पर बैठे हुए श्रमिक गंगा शंकर तिवारीए अजय प्रताप सिंहए अनमोल कुमार राणाए विनय कुमार शुक्लाए प्रशांत कुमार दीक्षितए विवेक कुमार शर्माए मनोज कुमार दुबेए अमित कुमार दीक्षितए शिव कुमार कश्यपए धीरज कुमार वर्माए अवधेश कुमार वर्माए छेदालालए रामूए राजूए धर्मेंद्र कुमारए पवन कुमारए रामप्रतापए शिशुपालए सोनपालए गजमएआदि मौजूद रहे।

सशक्त स्त्री करती है सशक्त राष्ट्र का निर्माण: प्रो भावना

ध्वाराणसी। स्त्री शिक्षा एवं सशक्तिकरण के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रकाशमय पक्ष से युवा पीढ़ी को परिचित कराने की आवश्यकता है। सशक्त स्त्री सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है। यह बातें शनिवार को आर्य महिला पीजीजी कालेज में प्रवक्ता प्रोफेसर भावना त्रिवेदी ने बतौर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही। महिला अध्ययन प्रकोष्ठ ;तेजस्विनीद्ध द्वारा श्रीमती विद्यादेवी जी के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में स्त्री शिक्षा परंपरा का ताना.बानाश् विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में स्त्री की स्थिति को वैज्ञानिक एवं तार्किक तरीके से समझने के लिए वैदिक युगए धर्म शास्त्रीय युग तथा भारतीय पुनर्जागरण एवं पुनरुत्थान के काल पर अध्ययन एवं शोध आवश्यक है।

मोबाइल डेंटल क्लीनिक को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ध्वाराणसी।मोबाईल डेंटल क्लिनिक का लोकार्पण 4 नवंबर 2023 को जालूपुर गांव में स्थित श्री कच्चा बाबा मंदिर पर मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय के द्वारा संपन्न हुआ। मोबाइल डेंटल क्लिनिक का निर्माण ब्रिज एंड रूफकंपनी से प्राप्त फंड द्वारा किया गया है। चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक आचार्य सत्य नारायण शंखवार इस कार्यक्रम में उपस्थि रहे और सेवा के कार्यों को लगातार करने पर उद्बोधन दिया। यह कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अधीन है और मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय के सहयोग द्वारा इसका निर्माण कार्य सुसम्पन्न हुआ है। यह मोबाइल डेंटल क्लिनिक काशी हिंदू विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया है।

बालिकाओं व महिलाओं से हक की बात करेंगे: डीएम

लखीमपुर खीरी। मिशन शक्ति अभियान (फेज.चार) के तहत सोमवार को महिलाएं और बालिकाएं जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह से सीधे तौर पर श्हक़ की बातश् करेंगी। इसके लिए 06 नवंबर को दोपहर 01 बजे से 02 बजे के बीच पारस्परिक संवाद का आयोजन किया जाएगाए जिसमें महिलायें और बच्चे स्थानीय समस्याओं के साथ ही यौन शोषणए घरेलू हिंसाए दहेज़ए आर्थिक समस्याओं, शिक्षा तक पहुंच की उपलब्धता की समस्या आदि पर जिलाधिकारी से बात करेंगी। उक्त आशय की जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने दी। डीएम डेडीकेटेड फोन लाइन 05872 252822/05872.252838 के जरिए 06 नवंबर को दोपहर 01 बजे से 02 बजे तक महिलाओं व बालिकाओं से संरक्षणए सुरक्षा तंत्रए सुझावोंए सहायता हेतु बात करेंगें। कोई भी महिला व बालिका संरक्षण सुरक्षा तंत्र सुझाव सहायता के लिए उक्त नंबर पर अपनी बात कर सकती हैं।

डीएम ने थाना हाफिजगंज का किया निरीक्षण

- आगामी त्योहारों एवं चुनाव के दृष्टिगत सतर्कता बरतने के दिये निर्देश: डीएम

बरेली। डीएम रविन्द्र कुमार ने आज थाना हाफिजगंज का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने आगामी त्योहारों एवं चुनाव के दृष्टिगत आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देश दिए तथा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की दशा में विधिक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये। डीएम ने प्रभारी निरीक्षक से कहा कि टॉप टेन अपराधियों का रजिस्टर देखा और पाया कि अभी भी कुछ ऐसे अपराधी बचे हुए हैं जिन पर गैंगस्टर की कार्यवाही हो सकती है। अत: जिलाधिकारी ने अपराधियों पर गैंगस्टर लगाने तथा माहौल खराब करने वाले अपराधियों के विरूद्ध वैधानिक आवश्यक कार्यवाही की जाये। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखा जाये और यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। डीएम ने थाना समाधान दिवस में प्राप्त होनी वाली शिकायतों के रजिस्टर को भी देखा और निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयान्तर्गत तथा नियमानुसार किया जाए। निरीक्षण के समय एसडीएम नवाबगंज नहने राम, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने बिखेरी अद्भुत छटा

- दूसरी पाली में 6 से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने दी दमदार प्रस्तुतियां
- गायन, नृत्य, नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अतिथियों का मोहा मन

सीतापुर। लखनऊ पब्लिक स्कूल सीतापुर का प्रांगण शनिवार सुबह से लेकर देर रात तक संगीतमयी धुन, आकर्षक गीतों और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। विद्यालय के 14वें वार्षिकोत्सव का जिसमें छात्र-छात्राओं की दमदार और मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। दो पालियो में आयोजित हुए वार्षिकोत्सव की दूसरी पाली में कक्षा 6 से 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने नाटक मंचन, गायन, नृत्य आदि की अति विशिष्ट प्रस्तुतियों ने अतिथियों का मनमोह लिया। दूसरी पाली की मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रिया पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए छात्र-छात्राओं के नाटक मंचन ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। भारत के झंडे के तीन रंगो के महत्व को दर्शाते हुए बेहतरीन प्रस्तुति दी गयी। देशभक्ति अनेकता में एकता की झलक वात्सल्य, मानवता आदि की झलक देखने को मिली। माईम मैक्ट, कथक और लावनी की बेहद सुंदर प्रस्तुति ने दर्शको को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। रवीन्द्र नाथ टैगोर सहित अन्य महापुरूषों की स्मृति में छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। अंग्रेजी नाटक सेवेन एजेस ऑफ मैन में मनुष्य की सात अवस्थाओं को प्रदर्शित किया गया। नुक्कड़ नाटक और भांगड़ा की जोशीली प्रस्तुतियों ने विद्यालय प्रांगण का माहौल जोश से भर दिया। धूम्रपान निषेध पर दी गयी जागरूकता परक प्रस्तुति ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया वहीं महंगाई पर दी गयी मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया समाज में महिलाओं की भूमिका को दर्शाते आकर्षक नाटक मंचन ने सभी को भाव विभोर कर दिया।

जीवनधारा पुनर्वास शोध संस्थान के बच्चों ने भव्य दीपावली मेले का किया आयोजन

बरेली। जीवनधारा पुनर्वास एवं शोध संस्थान आंकाक्षा इन्कलेव डेलापीर पीलीभीत रोड पर ष्दीपावली मेले का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के विशेष बच्चों द्वारा बनायें गये सामान जैसे रंग बिरंगे दीये, जैली दीये, कैडिल, फ्लोटिंग कैडिल झालर कन्डील, रंग बिरंगे पमपम बॉल, पूजा आसन, रंग बिरंगे बैठने का आसन, हैण्ड बैग, साड़ी कवर, टेवल कवर, गिफ्ट कवर, स्कार्फ, एपरन डोरमैट, दीपावली पर घर की सजावट का सामान, खाने का सामान आदि का स्टॉल लगाया गया साथ ही साथ स्पेशल बच्चों के लिए फन गेम्स का अयोजन भी किया गया जिसमें इनका टॉयज अडर कप्स, कौवाइन्स स्पून गेम्स, बैलेंस द बॉल, बेंगल्स इन रोलिंग पिन, राजमा गेम्स आदि। इस दिपावली मेले का शुभारम्भ मुख्य अतिथि बिक्रम सिंह, शाखा प्रबन्धक, भारतीय जीवन बीमा निगम, दीनदयाल पुरम् शाखा, प्रोफेसर डा

अमिताव मिश्रा, अध्यक्ष जीवनधारा पुनर्वास एवं शोध संस्थान तथा शाश्वती नंदा, निदेशिका जीवनधारा पुनर्वास एवं शोध संस्थान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि बिक्रम सिंह ने संस्थान द्वारा बनाये गये उपरोक्त समान की बहुत ही प्रशंसा की उन्होने संस्थान के स्पेशल बच्चों वासु तिवारी, हनी, कृष्णा, तनिष्क, गोविन्द, केशव, धानी, शिवम, आयुष, अर्पित, चेतना, कीर्ति, रूकमणी, अंशुल, अंश, तारीख, नाईल एवं उनके अध्यापकों सोनल भाटिया, ममता दिवाकर, नाज, वैशाली, अजमी, प्रिति गंगवार, हेमा चौहान, रजनी गंगवार, फरिया, रूकसार खान, प्रियमवदा, शिवानी रूचि हुदा तथा मौ. गौहर अब्बास आदि के विशेष योगदान की बहुत सरहाना की।

10वीं श्रीराम मूर्ति मैमोरियल तृतीय उप्र राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता। बरेली

श्रीराम मूर्ति कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार की सुबह 10वीं श्रीराम मूर्ति मैमोरियल एवं तृतीय उ.प्र. राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट आरंभ हुआ। श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति , बरेली टेबल टेनिस संघ के सचिव दीपेंद्र कामथान, अंतरराष्ट्रीय रेफरी अमित सिंह, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन एकेडेमिक्स डा. प्रभाकर गुप्ता, श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डा. एमएस बुटोला ने फीता काट कर इसका उद्घाटन किया। जबकि देर रात तक संचालित मैचों में खिलाड़ी जोर आजमाइश करते रहे। उद्घाटन समारोह में श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों, बरेली टेबल टेनिस संघ के पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या अच्छा संकेत है। इससे स्पष्ट है कि खेल के प्रति बच्चों का और अभिभावकों का रुझान बढ़ रहा है। यही वजह है कि हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दूसरे देशों को टक्कर दे रहे हैं। एशियन गेम्स और पैराओलंपिक में बढ़ रही हमारी पदकों की संख्या इसका गवाह है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस टेबल टेनिस टूर्नामेंट में खेलने वाले बच्चे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी खेलेंगे। ओलंपिक में भी अपना और अपने देश का नाम बढ़ाएंगे। देव मूर्ति ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देने के साथ खेल भावना से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीतने के लिए सभी खेलते हैं, लेकिन जीतता कोई एक ही है। लेकिन हार से भी काफी सबक मिलता है।

यह जीत के लिए तैयारी होती है। ऐसे में हार को भी स्वीकार करना बड़ी बात है। जो हार को स्वीकार करता है वही जीतता है। टूर्नामेंट में

जीतने वाले और हार स्वीकार कर, गलतियों से सीख आगे की तैयारी करने वाले सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। इससे पहले बरेली टेबल टेनिस संघ के सचिव दीपेंद्र कामथान ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज दस वर्ष में हमारा सफर चार टेबल से 10 तक पहुंच गया है। इस बार महिला और पुरुष वर्ग की विभिन्न 12 स्पर्धाओं में 310 खिलाड़ी टूर्नामेंट में शामिल होने पहुंचे हैं। कामथान ने खिलाड़ियों को दिल से खेलें अच्छा खेलें का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि जिला टेबल टेनिस संघ बरेली के तत्वाधान में एवं उत्तर प्रदेश टे.टे. संघ के निर्देशन में आयोजित और स्टेग ग्लोबल द्वारा प्रायोजित इस टूर्नामेंट में तीन दिन में करीब 600 मैच खेले जाएंगे। इसमें 60 हजार रुपये की नकद धनराशि वितरित की जाएगी। कामथान ने कहा कि इस बार टूर्नामेंट में सात महिलाएं अंपायर के रूप में शामिल हो रही हैं। यह पहली बार है कि किसी टूर्नामेंट में इतनी संख्या में महिलाएं अंपायरिंग कर रही हों। महिला वंदन बिल पास होने के बाद हमने इस टूर्नामेंट के जरिये यह उपलब्धि हासिल की है।

लखनऊ, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर, इटावा, प्रयागराज, गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, मुरादाबाद सहित करीब दर्जन भर जिलों के वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। उद्घाटन समारोह में टूर्नामेंट के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. सोवन मोहंती ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अंपायर सौम्या सिन्हा एवं आरिफ नियाज, स्कोरर एनके लाहिरी, डा. एलएस मौर्या, डा. जसप्रीत कौर, डा. अनुज कुमार, डा. नसीम अख्तर, डा. आरती गुप्ता, चीफप्रोक्टर डा. जितेंद्र सिंह यादव, टूर्नामेंट आयोजन कमेटी के सदस्य और अन्य फैकेल्टी मेंबर्स मौजूद रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 6 नवंबर, 2023

रुपयों के लेनदेन को लेकर दोस्तों ने की युवक की निर्मम हत्या, गर्दन काट कर ले गये हत्यारे

- मृतक के दोस्तों पर लगा हत्या का आरोप
- आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार
- पूछताछ में कबूली गला रेत कर मारने की बात

संवाददाता। जालौन, उरई

दोस्तों के बीच रुपयों के लेन देन को लेकर हुए विवाद में दो दोस्तों ने मिलकर एक दोस्त की गला रेतकर हत्या कर दी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुरा स्थित कामांक्षा मंदिर के पास युवक का धड़ बरामद हुआ। जबकि गर्दन अभी तक नहीं मिल सकी है। जबकि पुलिस अभी सिर को खोज रही है। बताया जाता है कि जिस अंदाज में युवक की उसके दो दोस्तों ने मिलकर निर्मम तरीके से हत्या कर उसके सिर को अपने साथ ले गये उससे एक बात तो साफ नजर आ रही है कि हत्यारोपी के दोस्त उससे रंजिश मानते थे। फिर जिस तरह से उन्होंने घटना को अंजाम दिया वह भी कम चौंकाने वाला नहीं है।

बिहार के चंपारण जिले के थाना सिंगटा क्षेत्र के ग्राम शिकारपुर निवासी सूरज कुमार (20) पुत्र बबलू कुमार औरैया में एक कंपनी की मार्केट नेटवर्किंग का काम करता था। उसके साथ काम करने वाले दो अन्य दोस्त भी उसके साथ ही रहते थे। दो नवंबर को उसका अपने दो दोस्तों के साथ रुपयों के लेन देन को लेकर झगड़ा हो गया था झगड़े के बाद से वह लापता था। पिता की सूचना पर पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। औरैया पुलिस की जांच में पता चला कि सूरज का दोस्तों के साथ झगड़ा हुआ था। जिसके बाद पुलिस व एसओजी टीम ने दोनों दोस्तों को पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने धारदार हथियार से गर्दन रेतकर हत्या किए जाने की बात कही।

जिसके बाद उनकी निशानदेही पर रविवार को औरैया कोतवाल पंकज मिश्रा, सीओ सिटी एमपी सिंह व एसओजी टीम के साथ जालौन पहुंचकर पहाड़पुरा गांव के पास स्थित कामांक्षा देवी मंदिर के पीछे पहुंची जहां राजीव निरंजन के खेत के पास स्थित एक गूल में सूरज का धड़ पड़ा मिला।

खेत में खून के निशान भी थे। पुलिस ने धड़ को कब्जे में ले लिया और गर्दन के ऊपर के हिस्से की तलाश की। लेकिन छह घंटे की मेहनत के बाद भी पुलिस गर्दन के ऊपर का हिस्सा बरामद नहीं कर सकी है। हालांकि पुलिस की तलाश अभी भी जारी है।

बख्शे नहीं जाएंगे त्योहारों पर कानून को तोड़ने वाले

कुठौंद, जालौन। आगामी दीपावली लक्ष्मी पूजा व छठ, आदि त्यौहार के मद्देनजर रविवार को थाना कुठौंद कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष कमलेश प्रजापति ने की। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही कानून की हद से बाहर जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाई किए जाने की चेतावनी दी। थानाध्यक्ष ने कहा कि त्यौहार मिलजुल कर मनाने से इसकी खुशी और बढ़ जाती है। जिसमे कहा कि दीपावली खुशी प्यार और शांति का पर्व है। पवित्र मन और प्यार भरे माहौल में इसे मनाने से इसकी पवित्रता कायम रखी जा सकती है। प्रशासन त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांसद और नगर पालिका अध्यक्ष ने अटल पार्क किया जनता को समर्पित

- सांसद पटेल ने किया पार्क का लोकार्पण

संवाददाता। चित्रकूट

जिला मुख्यालय में कोठी तालाब के पास लगभग दो करोड़ की लागत से बने अटल पार्क रविवार को नगर पालिका द्वारा जनता को समर्पित कर दिया गया।

सांसद आरके सिंह पटेल ने फीता काटकर व नारियल तोड़कर अटल पार्क का विधिवत लोकार्पण किया। यह पार्क पिछले कई महीनों से बनाया जा रहा था और उसमें व्यायाम करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण ओपन जिम और बच्चों के लिए झूले आदि लगाए गए हैं। यह पार्क नगर वासियों के स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित होगा।

नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी लालजी यादव ने बताया गया कि अटल पार्क में 5वर्ष तक के बच्चों का प्रवेश फ्री रहेगा। इसके बाद के आयुवर्ग के लोगों को प्रतिदिन 10 प्रतिदिन घूमने का टिकट लगेगा और मासिक का 50 रुपये देना होगा। अराजक तत्वों का प्रवेश वर्जित रहेगा यदि कोई गलत गतिविधियों में पाया गया तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह शुल्क पार्क के रखरखाव में खर्च किया जाएगा।

इस मौके पर सांसद आर के सिंह पटेल ने नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता के शहर के सुंदरीकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी जी ने देशवासियों प्रदेशवासियों की स्वास्थ्य के लिए बेहद चिंतनशील हैं। जहां एक और स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत की जा रही हैं। गांव गांव तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

साइबर अपराधियों पर कसा शिकंजा

संवाददाता। चित्रकूट

- 12 पीड़ितों की लौटाए गये 3,38,224 रुपये

बढ़ते साइबर अपराध रोकने को आम जनता को राहत दिलाने की गरज से जारी अभियान में पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ कार्यालय राज कमल की देखरेख में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह की टीम ने सार्थक प्रयास कर 12 साइबर अपराध पीड़ित लोगों के 3,38,224 रुपये उनके खातों में लौटाये हैं।

रविवार को साइबर सेल प्रभारी विजय सिंह, सिपही सर्वेश कुमार, प्रशांत कुमार ने प्रयास कर 12 पीडितों के रुपये बरामद किये हैं। प्रवीन रावल की टीम का भी सहयोग रहा। ज्ञात है कि मौजूदा समय में आम जनता बैंक आने-जानें व बैंकिग औपचारिकताओं में समय को बचाने को व भारत सरकार के डिजिटल लेन-देन को बढावा देने को एन्ड्राइड मोबाइल फोन से आनलाइन बैंकिंग सेवा का लाभ ले रहे हैं। इस कार्य में जरा सी चूक होने पर लोग साइबर ठगी का शिकार भी हो रहे है।

आनलाइन बैंकिंग सेवा का लाभ लेने वाले लोगों को ये जानकारी जरुरी है कि कैसे साइबर ठगी के शिकार होते हैं। सावधानी अपनाकर साइबर ठगी से बच सकते हैं। किसी भी प्रकार का साइबर फ्राड होने पर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर काल करें। अपने थाने के साइबर हेल्प डेस्क/ जिला साइबर सेल में सूचना दें।

शहीद सिपाही प्रकाश चौहान की प्रतिमा का किया गया अनावरण

उरई, जालौन। आज ही के दिन 5 नवंबर को पुलिस महकमें में बतौर सिपाही अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन कर शहीद होने वाले प्रकाश चौहान कांस्टेबल को रविवार के दिन उनके पैतृक गांव लौना में उनके पारिवारिक जनों और ग्रामीणों ने पुण्यतिथि आयोजित कर उन्हें याद किया। इस दौरान उनकी एक आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया गया जिसे पूर्व ब्लाक प्रमुख रामपुरा चंद्रशेखर दोहरे और पूर्व ग्राम प्रधान शिव सिंह ने संयुक्त रूप से किया इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जन वहां मौजूद रहे। बताते चलें कि प्रकाश चौहान 2013 और 14 में पुलिस पुलिस विभाग में सिपाही के तौर पर भर्ती हुए थे बताया जाता है कि प्रकाश चौहान बड़े ही दिलेर और कर्तव्य परायण सिपाही के तौर पर अपनी विभागीय जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए शहीद हो गए थे उनके सीधे सरल और जुझारू व्यक्तित्व के चलते हुए अपने गांव में और अपने विभागीय लोगों के दिलों में विशेष पहचान रखते थे।

सूरज ज्ञान मार्डन स्कूल के छात्र छात्राओं ने लगायी विज्ञान प्रदर्शनी

संवाददाता। कोंच, जालौन

नगर के सूरज ज्ञान मॉडर्न पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाए। आमंत्रित अतिथियों ने मॉडल देखकर बच्चों के टेलेंट की काफी सराहना की। जूनियर वर्ग में बर्फऔर आग की सहायता से विद्युत पैदा करने वाले मॉडल पर अभि, निहाल, उत्कर्ष, प्रियांश व हिमांशु तथा सीनियर वर्ग में नेटवर्क जैमर के लिए जीत व अभिषेक को संयुक्त रूप से पहला पुरस्कार मिला। इस विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए मॉडल देखकर लगा कि वास्तव में बच्चों ने इन्हें बनाने में काफी मेहनत की होगी। निर्णायक मंडल के सदस्यों ब्रज बल्लभ सिंह सेंगर, दीपचंद्र सोनी, संजय सिंघाल, संजीव सरस को निर्णय देने में निश्चित तौर पर काफी कठिनाई सामने आई होगी। जूनियर वर्ग में द्वितीय पुरस्कार एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम के लिए आदित्य, शुभ व निशांत तथा तृतीय पुरस्कार चालक सुरक्षा सिस्टम के लिए युगांक व सक्षम को चुना गया। सीनियर वर्ग में द्वितीय पुरस्कार रोड सेफ्टी उपकरण के लिए वृंदा, कीर्ति, शिक्षा व माही को चुना गया।

26 सभासदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

फर्रुखाबाद। आवास विकास कॉलोनी स्थित भाजपा जिला मुख्यालय पर नवाबगंज नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल राजपूत व 26 सभासदों को जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता जी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत नवाबगंज, कंपिल, खिमसेपुर एवं नगर पालिका कायमगंज के सभासदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता ने शामिल हुए अध्यक्ष सहित सभी सभासदों को शुभकामनाएं दी। भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नगर पंचायत नवाबगंज अध्यक्ष अनिल राजपूत सहित 26 सभासदों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। पार्टी में शामिल हुए नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सभासद सरकार की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे कल दिनांक छह नवंबर को तिर्वा में आयोजित होने वाले नगर पंचायत व नगर पालिका सदस्यों के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे।

विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता। कानपुर देहात

रनियॉ थाना क्षेत्र के उमरन ढाबा के पास पैसे के लेनदेन के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। सूचना पर पहुॅची पुलिस ने मामले की जॉच पडताल कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

शनिवार की देर रात्रि उमरन ढाबा में एक व्यक्ति के मृत मिलने की सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए एसपी द्वारा सक्षम अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल निरीक्षण किया गया तथा जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि योगेश नामक व्यक्ति अपने चार सदस्यों के साथ उमरान ढाबा में खाना खाने आए थे खाना खाने के उपरांत पैसे देने को लेकर कुछ कहासुनी हो गई थी।

इस दौरान उमरान ढाबा में ही रहने वाला पुष्पेंद्र नामक व्यक्ति द्वारा योगेश पर गोली चला दी गई जिसमें योगेश घायल हो गया। जिसे तत्काल इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया जहां से उसे हैलट अस्पताल कानपुर नगर रेफर कर दिया गया अस्पताल पहुंचने के उपरांत चिकित्सको द्वारा योगेश को मृत घोषित कर दिया गया गोली चलाने वाले पुष्पेंद्र, शस्त्र धारक को मय आलाकत्ल व 2 अदद कारतूस सहित बरामद कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

पेज एक का शेष

भारत ने...

लगा सका। कोहली ने पारी के 49वें ओवर में कैगिसो रबाडा की गेंद पर एक रन लेकर तिहरा अंक छुआ तो पूरा ईडन गार्डन उनके नाम से गूंज उठा। उन्होंने हेलमेट उतारकर दर्शकों और ड्रेसिंग रूम का अभिवादन स्वीकार किया और आसमान की ओर देखा। भारत की शुरूआत काफी आक्रामक रही और इसी मैदान पर नवंबर 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दर्शनीय शॉट लगाए।उन्होंने पहले ही ओवर में लुंगी एंगिडि को चौका लगाया और गेंदबाज के अगले ओवर में उन्होंने दो तथा शुभमन गिल ने एक चौका जड़कर रनगति को बढाया। रोहित ने चौथे ओवर में मार्को जेनसन को दो चौके लगाए। एंगिडि को एक बार फिर नसीहत देते हुए उसके अगले ओवर में मिडविकेट पर चौका और फिर स्क्रेयर लेग पर दो छक्के समेत 18 रन निकाले। नई गेंद के अपने दोनों गेंदबाजों को कामयाबी नहीं मिलती देख दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने छठे ओवर में कैगिसो रबाडा को गेंद सौंपी जिन्होंने अपने कप्तान के भरोसे को सही साबित करके खतरनाक होते दिख रहे रोहित को पवेलियन भेजा। रोहित ने मिडआफ पर काफी तेज शॉट खेला लेकिन बावुमा ने अपने पीछे की ओर झुकते हुए अपने सीने पर शानदार कैच लपका। रोहित ने 24 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। रोहित के जाने के बाद मैदान पर उतरे कोहली का दर्शकों ने तेज शोर के साथ स्वागत किया। कोहली ने रबाडा को चौका लगाकर खाता खोला। दूसरे छोर पर गिल ने जेनसन को मिड आन के ऊपर से छक्का लगाया। रबाडा के डाले दसवें ओवर में कोहली ने मिड आफ और एक्स्ट्रा कवर के बीच से चौका निकाला। इसके बाद स्ट्रेट में चौका जड़ा। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे कामयाब स्पिनर केशव महाराज 11वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और गिल को बोल्ड कर दिया। गिल इतने हैरान थे कि डीआरएस ले डाला लेकिन फैसला गेंदबाज के पक्ष में रहा। भारत का दूसरा विकेट 93 के स्कोर पर गिरा। भारत के 100 रन 13.1 ओवर में बने। इस बीच महाराज का साथ देने दूसरे छोर से भी स्पिनर तबरेज शम्सी उतरे और दोनों ने भारतीय बल्लेबाजों को बांधने की कोशिश की। इस बीच कोहली जब 37 रन पर थे तब महाराज ने विकेट के पीछे लपके जाने की अपील की जिसे मैदानी अंपायर ने खारिज कर दिया। बावुमा से बात करने के बाद डीआरएस लिया गया लेकिन रिप्ले से साफ था कि गेंद कोहली के बल्ले को छूकर नहीं गई थी और टीवी अंपायर ने कोहली को नॉट आउट करार दिया। कोहली और श्रेयस ने ढीली गेंदों को नसीहत देते हुए रन बनाने का सिलसिला जारी रखा। इस बीच महाराज के दस ओवर का कोटा पूरा हो गया जिन्होंने सिर्फ 30 रन देकर एक विकेट लिया। श्रेयस ने 30वें ओवर में शम्सी को दो चौके जड़े और एडेन मार्कराम को 34वें ओवर में छक्का लगाया। शतक की ओर बढते दिख रहे श्रेयस हालांकि एंगिडि की गेंद पर हवाई शॉट खेलकर गलती कर गए और मार्कराम ने उनका कैच लपककर 134 रन की इस साझेदारी का अंत कर दिया। श्रेयस ने अपनी पारी में 87 गेंद खेलकर सात चौके और दो छक्के लगाए।भारत का तीसरा विकेट 227 के स्कोर पर गिरा। केएल राहुल ज्यादा देर टिक नहीं सके और आठ रन बनाकर जेनसन की गेंद पर रासी वान डेर डुसेन को कैच देकर लौटे। इसके बाद कोहली और सूर्यकुमार यादव (19 गेंद में 22 रन) ने तेजी से रन बंटोरे। यादव को 46वें ओवर में शम्सी ने विकेट के पीछे क्विंटोन डिकॉक के हाथों लपकवाया। रविंद्र जडेजा 15 गेंद में 29 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय उच्चायुक्त...

हुए कहा कि भारत ने पिछले पांच या छह वर्ष में ओटावा से लोगों के प्रत्यर्पण को लेकर 26 अनुरोध किए, लेकिन कनाडा ने कोई कार्रवाई नहीं की। भारतीय उच्चायुक्त ने उन्हें और कनाडा में अन्य भारतीय राजनयिक कर्मियों को सुरक्षा संबंधी खतरों पर बात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में कहा था कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक गुंजाइश मौजूद है। विदेश मंत्री ने कहा था कि दोनों देश एक-दूसरे के संपर्क में हैं और उम्मीद है कि इस विवाद के समाधान का एक रास्ता निकलेगा। उन्होंने कहा था कि संप्रभुता और संवेदनशीलता एकतरफा नहीं हो सकती।

दिल्ली-एनसीआर...

नवंबर को शाम चार बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 415 दर्ज किया गया जो लगातार बढ़ने लगा। रविवार सुबह 5 बजे, दिल्ली का औसत एक्यूआई 454 दर्ज किया गय, जो लगातार प्रतिकूल मौसम और जलवायु परिस्थितियों के कारण दोपहर तीन बजे बढ़कर 463 हो गया। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के अति गंभीर श्रेणी में होने के मद्देनजर सार्वजनिक परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रक तथा चार पहिया वाणिज्यिक वाहनों के राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश पर रविवार को प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। नियम केंद्र की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना के अंतिम चौथे चरण के तहत लागू किए गए हैं, जो राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक के 450 को पार करने से कम से कम तीन दिन पहले लागू किया जाता है। हालांकि, इस बार ये नियम पहले से सक्रियता दिखाते हुए लागू नहीं किए गए। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्रों में प्रदूषण से निपटने के लिए रणनीति तैयार करने वाले वैधानिक निकाय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली और एनसीआर के राज्यों से सभी आपातकालीन उपायों को लागू करने के लिए कहा, जिसमें सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने के निर्देश भी शामिल है। क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के चौथे व अंतिम चरण के तहत अन्य राज्यों से केवल सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-छह मानकों का पालन करने वाले वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति है। वहीं, आवश्यक सेवाओं में शामिल वाहनों को इससे छूट दी गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के नवीनतम आदेश के अनुसार, आवश्यक सेवाओं में शामिल नहीं होने वाले सभी मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों के भी राजधानी में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रदूषण नियंत्रण निकाय ने बृहस्पतिवार को गैर-आवश्यक निर्माण कार्य और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की विशिष्ट श्रेणियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार ने छोटे बच्चों को इस खतरनाक प्रदूषण से बचाने के प्रयास के तहत सभी प्राथमिक विद्यालयों को 10 नवंबर तक बंद करने की भी घोषणा की है। दिल्ली में मौसम की प्रतिकूल स्थितियों और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि के बीच दिल्ली में रविवार को अपराह्न तीन बजे एक्यूआई 463 दर्ज किया गया, जो शनिवार को अपराह्न चार बजे 415 था। वायु प्रदूषण की यह गंभीर समस्या केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पड़ोसी राज्य हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में भी वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। सीएक्यूएम ने लोगों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को सलाह दी है कि उन्हें बाहरी गतिविधियों को कम करना चाहिए और घर के अंदर ही रहना चाहिए। केंद्र सरकार के कार्यालयों में कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का फैसला केंद्र सरकार करेगी। राज्य सरकारें कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने और गैर-आवश्यक व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सम-विषम वाहन पंजीकरण संख्या-आधारित प्रतिबंध लागू करने जैसे आपातकालीन उपायों का पता लगाएंगी।

जमानत पर...

टखने के चारों ओर लगाया जाता है ताकि उन्हें ट्रैक किया जा सके। इस उपकरण का उपयोग पहले से ही संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे पश्चिमी देशों में जमानत, पैरोल और घर में नजरबंदी पर आरोपी व्यक्तियों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए किया जा रहा है। ताकि जेलों में भीड़भाड़ को काफी हद तक कम किया जा सके। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के अधिकारियों ने आतंक आरोपियों की रिहाई के बाद निगरानी के लिए जीपीएस ट्रैकर स्ट्रैप की पेशकश की है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर में आरोपी गुलाम मोहम्मद भट्ट ने जमानत के लिए आवेदन किया था। जमानत पर सुनवाई लंबित रहने के दौरान आरोपी ने अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की। आरोपी पर विभिन्न आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के इशारे पर आतंक के वित्तपोषण में शामिल होने का मुकदमा चल रहा है। वर्तमान एफआईआर में भट्ट को हिजबुल मुजाहिद्दीन के आदेश पर 2.5 लाख रुपये पहुंचाने का प्रयास करते समय गिरफ्तार किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी को एनआईए कोर्ट, पटियाला हाउस, दिल्ली द्वारा एक अन्य मामले में आतंकवादी संगठन से जुड़े होने और आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने के आरोप में भी दोषी ठहराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि विशेष एनआईए अदालत, जम्मू में, जोनल पुलिस मुख्यालय (जेडपीएचक्यू), जम्मू के अभियोजन विभाग द्वारा आतंकवादी आरोपियों की कड़ी निगरानी और यूएपीए, 1967 के तहत जमानत देने की कड़ी शर्तों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष की दलील पर विशेष एनआईए अदालत, जम्मू ने एक आदेश पारित करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस को आरोपी पर जीपीएस ट्रैकर पायल लगाने का निर्देश दिया।

भूटान नरेश...

नरेश के साथ बैठक की। बैठक के बाद विदेश मंत्री ने कहा कि भारत, भूटान नरेश के मार्गदर्शन के तहत उसके (भूटान के) दीर्घकालिक परिवर्तन के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। भूटान नरेश के साथ बैठक के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद भूटान नरेश से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। असम की उनकी पहली यात्रा के अनुभव के बारे में सुनकर प्रसन्नता हुई। भारत उनके मार्गदर्शन में भूटान के दीर्घकालिक परिवर्तन के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। वांगचुक की भारत की आठ दिवसीय यात्रा तीन नवंबर को गुवाहाटी से शुरू हुई। इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भूटान नरेश का नई दिल्ली आने पर विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने गर्मजोशी से स्वागत किया। (भूटान के) महामहिम भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा, यह यात्रा एक अहम साझेदार के साथ मित्रता और सहयोग के घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करेगी। भूटान नरेश का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने दो नवंबर को कहा था कि भूटान नरेश की यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। पिछले महीने, भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी ने बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग ई के साथ बातचीत की थी। वार्ता के बाद, चीन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया था कि भूटान दृढ़ता से एक-चीन सिद्धांत का समर्थन करता है और सीमा मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिए चीन के साथ काम करने और राजनयिक संबंध स्थापित करने की राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। चीन और भूटान ने अगस्त में अपने सीमा विवाद का समाधान करने के लिए तीन-चरण वाले रोडमैप को लागू करने के वास्ते तेजी से कदम उठाने पर सहमत हुए थे। अक्टूबर 2021 में, भूटान और चीन ने अपने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वार्ता में तेजी लाने के उद्देश्य से यह समझौता किया था। चीन ने भारत के साथ डोकलाम में गतिरोध के चार साल बाद भूटान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। डोकलाम में गतिरोध तब शुरू हुआ था, जब चीन ने उस क्षेत्र में एक सड़क का विस्तार करने की कोशिश की, जिसपर भूटान अपना दावा करता है। डोकलाम में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 73 दिनों तक गतिरोध की स्थिति बनी रही थी।

समुद्री कचरे...

बताया है। विदेशी प्रजातियों को विभिन्न तरीकों से ले जाया जा सकता है, जहाज के गिट्टी के पानी में या पतवारों से जोड़कर, स्कूबा गियर या पैकेजिंग से चिपके हुए सहयात्री के रूप में, जीवित चारा या स्वादिष्ट भोजन प्रदान करने के लिए व्यापार किए जाने वाले जीवित जीवों की खेप के रूप में और रोगजनकों के रूप में, अन्य लोगों द्वारा ले जाया जाता है। जीव-अनुमानत: प्रतिदिन 7,000 प्रजातियाँ दुनिया भर में गिट्टी के पानी में ले जाई जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आक्रामक विदेशी प्रजातियों का मतलब प्रतिस्पर्धा, शिकार और आक्रमण के द्वारा व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मछली प्रजातियों को वहां से विस्थापन के कारण मत्स्य उत्पादन में कमी या पूर्ण समाप्त होना है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली आक्रामक प्रजातियां जैसे जलकुंभी और मछली प्रजातियाँ कॉमन कार्प, तटीय राज्य केरल में मूल प्रजातियों के लिए खतरा पैदा कर रही हैं। कुल मिलाकर, भारत में आक्रामक मानी जाने वाली प्रजातियों से पिछले 60 वर्षों में भारत को 330 में से 10 आक्रामक विदेशी प्रजातियों (आईएएस) के कारण 27.3 बिलियन डॉलर (8.3 ट्रिलियन) का नुकसान हुआ है। शोधकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय नीतियों में सरल बदलाव और जैव सुरक्षा मुद्दे के रूप में आक्रामक प्रजातियों से विशेष रूप से निपटने के लिए संस्थानों की स्थापना, अनुसंधान और प्रबंधन दोनों दृष्टिकोण से, बहुत मददगार साबित होगी। विकासवादी जीवविज्ञानी आलोक बैंग ने नकारात्मक आर्थिक प्रभावों को प्रलेखित करते हुए एक रिपोर्ट में कहा कि केवल 3 प्रतिशत ज्ञात आक्रामक प्रजातियों की जानकारी उपलब्ध है और भारत में शेष 97 प्रतिशत आक्रामक प्रजातियों के लिए अनुपलब्ध/नकाबपोश/कम प्रतिनिधित्व किया गया है। यह एक बहुत बड़ा ज्ञान अंतर है। इस वैश्विक विश्लेषण के आधार पर, भारत की जीडीपी के अनुसार, हमने पिछले छह दशकों में आक्रामक प्रजातियों पर लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए होंगे। बैंग ने कहा, रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या के हिसाब से, हमने पिछले छह दशकों में लगभग 1,700 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए होंगे। यूबी के पृथ्वी और महासागर गतिशीलता विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, यूबी के समुद्री भूविज्ञान समेकित अनुसंधान समूह के सदस्य और समुद्री प्रदूषण बुलेटिन में प्रकाशित अध्ययन के सह-लेखक डॉ. अन्ना सांचेज़-विडाल ने भी प्रभावी अपशिष्ट रोकथाम और प्रबंधन, शिक्षा का आह्वान किया और समुद्री कूड़े के माध्यम से आक्रामक प्रजातियों के प्रवेश को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया।

इजराइली विमानों का गाजा पर हमला जारी, 40 लोगों की मौत

भाषा। दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइली युद्धक विमानों ने रविवार तड़के गाजा पट्टी में एक शरणार्थी शिविर पर हमला किया, जिसमें कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने आम नागरिकों को राहत देने के लिए इजराइल से कुछ वक्त के लिए हमले रोकने की अपील की थी, लेकिन इजराइल का कहना है कि वह गाजा में हमास शासकों को कुचलने के लिए अपने हमले जारी रखेगा। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन, फ्रांस की राजधानी पेरिस, जर्मनी की राजधानी बर्लिन और अन्य यूरोपीय शहरों में फलस्तीन समर्थक हजारों लोगों ने गाजा में इजराइली बमबारी रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ए प्रदर्शन इजराइल-हमास युद्ध में हताहत हुए लोगों की बढ़ती संख्या और गहराते मानवीय संकट को लेकर यूरोप के खासकर उन देशों में बढ़ रहे असंतोष को दर्शाते हैं, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने क्षेत्र के अपने हालिया यात्रा के दौरान मानवीय मदद पहुंचाने के लिए कुछ देर हमले रोकने का प्रस्ताव रखा था, जिसे इजराइल ने अस्वीकार कर दिया है। इजराइल के रक्षा मंत्री याओव गैलेंट ने कहा, गाजा सिटी में रह रहा हर व्यक्ति अपनी जान को खतरे में डाल रहा है। गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,448 हो गई है। इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किद्रा ने कहा कि रविवार तड़के मध्य गाजा के मघाजी शरणार्थी शिविर पर हुए हवाई हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए और 34 लोग घायल हो गए। रिहाइशी इलाके में बनाया गया यह शिविर उस निकासी क्षेत्र में स्थित है, जहां इजराइल की सेना ने गाजा में फलस्तीनी नागरिकों से शरण लेने का आग्रह किया था, क्योंकि वह उत्तरी क्षेत्रों में अपने सैन्य आक्रमण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस प्रकार की अपील के बावजूद, हमास के लड़ाकों और उनकी संपत्तियों को नष्ट करने के लक्ष्य से इजराइल ने पूरे गाजा में अपनी बमबारी जारी रखी है। इजराइल ने हमास पर आम नागरिकों का मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।फलस्तीनी रेड क्रिसेंट बचाव सेवा ने कहा कि रविवार को एक अन्य हमले में गाजा शहर में अल-कुद्स अस्पताल के पास एक इमारत ध्वस्त हो गई। उसने एक वीडियो साझा किया, जिसमें चिकित्साकर्मी एक घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाते नजर आ रहे हैं और एक महिला एवं बच्चे उसके पीछे दौड़ रहे हैं।

इजराइली मंत्री ने गाजा पर परमाणु बम गिराने को विकल्प कहा, नेतन्याहू ने किया निलंबित

भाषा। यरूशलम

इजराइल सरकार में दक्षिणपंथी ओत्ज़मा यहूदित पार्टी से एक मंत्री ने रविवार का कहा कि हमास शासित गाजापट्टी पर परमाणु बम गिराना एक विकल्प है। उनके इस बयान के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने उन्हें अनिश्चितकाल के लिए सरकारी बैठकों से निलंबित कर दिया एक रेडियो साक्षात्कार में यरूशलम विषयक एवं विरासत मंत्री अमिचाई इलियाहू ने कहा कि गाजा में ऐसा कोई नहीं है जो लड़ाई में शामिल नहीं है , ऐसे में पट्टी को मानवीय सहायता प्रदान करना एक विफलता होगी जब उनसे कहा गया कि जब उनकी दृष्टि से गाजा में सभी लड़ाके हैं तो क्या गाजा पट्टी पर परमाणु हमला एक विकल्प है तो उन्होंने कहा, यह एक तरीका है। उनकी इस टिप्पणी पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष, दोनों ही नाराज हो गए हैं एवं विपक्ष ने उन्हें सरकार से बाहर करने की मांग की।इस नाराजगी के बाद इलियाहू अपने बयान से पीछे हट गए और उन्होंने इसे अतिश्योक्तिपूर्ण टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा, यह सभी समझदार लोगों के लिए स्पष्ट है कि परमाणु (बम) के बारे में यह टिप्पणी महज एक अतिशयोक्ति है। हमें वाकई आतंक के प्रति जबर्दस्त जवाबी कार्वाई दिखाने की जरूरत है जिससे नाजियों एवं उनके समर्थकों को स्पष्ट हो जाए कि आतंकवाद महत्वहीन है... । उन्होंने तनाव को दूर करने के प्रयास में कहा, साथ ही, यह स्पष्ट है कि इजराइल बंधकों को जिंदा एवं सेहतमंद स्थिति में वापस लाने के दायित्व से बंधा है।

क्विक न्यूज

जर्मनी : हवाई अड्डे पर बंधक की स्थिति समाप्त, आरोपी व्यक्ति गिरफ्तार

बर्लिन। जर्मनी में पुलिस ने हैमबर्ग हवाई अड्डे में अपनी ही बच्ची के साथ जबरन घुसे एक व्यक्ति को 18 घंटे बाद गिरफ्तार किए जाने के उपरांत हवाई अड्डे पर बंधक की स्थिति समाप्त होने की रविवार को घोषणा कर दी। अधिकारियों ने कहा कि चार वर्षीय बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है। इससे पहले, जर्मनी में पुलिस ने हैमबर्ग हवाई अड्डे पर बंधक बनाए जाने के हालात बनने की वजह से यात्रियों को रविवार को हवाई अड्डे का प्रयोग नहीं करने की सलाह दी थी।जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के मुताबिक, शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित हवाई अड्डे में शनिवार रात को एक हथियारबंद व्यक्ति अपने वाहन में सवार होकर एक प्रवेश द्वार से घुसा और हवा में दो बार गोली चलाई, जिसके बाद हवाई अड्डे को यात्रियों के लिए बंद कर दिया गया और उड़ान सेवाएं रद्द कर दी गईं।अधिकारियों ने यह भी बताया कि आरोपी की पत्नी ने एक बच्चे की अपहरण की आशंका को लेकर पहले उससे संपर्क किया था।पुलिस ने बताया कि 35-वर्षीय व्यक्ति के साथ उसकी चार साल की बेटी भी कार में सवार थी, जिसे आरोपी उसकी मां से कथित तौर पर जबरन छीनकर लाया था। पुलिस के मुताबिक, ऐसी संभावना है कि पति-पत्नी के बीच बच्ची को अपने साथ रखने को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है।

यूक्रेन ने क्रीमिया में शिपयार्ड पर हमला किया, रूसी पोत क्षतिग्रस्त

मास्को। रूस की सेना ने कहा है कि यूक्रेन ने क्रीमिया के एक शिपयार्ड पर मिसाइल हमला किया, जिसमें एक रूसी जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार देर रात कहा कि यूक्रेन के बलों ने क्रीमिया प्रायद्वीप के पूर्वी शहर कर्च में जालिव शिपयार्ड पर 15 क्रूज़ मिसाइलें दागीं हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हवाई रक्षा प्रणाली ने 13 मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन अन्य शिपयार्ड पर जा गिरीं और एक पोत को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि पोत को कितना नुकसान हुआ है। यूक्रेन की वायु सेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने एक बयान में कहा कि हमले के वक्त शिपयार्ड में काले सागर में रूस के बेड़े का एक बहुत ही आधुनिक पोत था, जो कैलिबर क्रूज़ मिसाइल का वाहक है। रूस ने 2014 में अवैध रूप से क्रीमिया प्रायद्वीप को अपने देश में मिला लिया था। यूक्रेन ने हाल के महीनों में क्रीमिया में नौसेना केंद्रों को निशाना बनाया है।

रूस ने नई परमाणु पनडुब्बी से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

मॉस्को। रूसी सेना ने रविवार को कहा कि उसने परमाणु हमले करने में सक्षम एक नई परमाणु पनडुब्बी से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच यह रिपोर्ट आई है। उन तनावों को बढ़ाते हुए, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बीते सप्ताह वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के रूस के अनुसमर्थन को रद्द करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे। साथ ही, मॉस्को ने कहा था कि अमेरिका के साथ समता स्थापित करने की आवश्यकता है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रणनीतिक मिसाइल पनडुब्बी इंपीरेटर अलेक्जेंडर-3 ने रूस के उत्तरी व्हाइट सी में पानी के भीतर से बुलवा मिसाइल को दागा गया, जिसने कामचटका के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र में एक लक्ष्य पर हमला किया। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह परीक्षण कब हुआ। इंपीरेटर अलेक्जेंडर-3 , नई बोरेई श्रेणी की परमाणु पनडुब्बियों में से एक है, जिसपर एक बार में 16 बुलवा मिसाइलें तैनात की जा सकती हैं। यह आने वाले दशकों में देश की परमाणु ताकतों के मुख्य नौसैन्य घटक के रूप में काम कर सकती है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पनडुब्बी का बैलिस्टिक मिसाइल दागना अंतिम परीक्षण है जिसके बाद इसे नौसेना के बेड़े में शामिल करने पर निर्णय लिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूसी नौसेना के पास वर्तमान में तीन बोरेई श्रेणी की पनडुब्बियां सेवारत हैं। इसके अलावा, एक पनडुब्बी का परीक्षण पूरा हो गया है और तीन अन्य निर्माणाधीन है।

युद्ध के दौर में सोशल मीडिया सामग्री : हिंसा को आपके फीड से दूर रखने के लिए एक विशेष मार्गदर्शक

वाशिंगटन। सोशल मीडिया मंच सूचना और मनोरंजन का बड़ा स्रोत हैं। वे दोस्तों तथा परिवार से संपर्क बनाए रखने में भी हमारी मदद करते हैं, लेकिन सोशल मीडिया भ्रामक सूचना, घृणा और संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए एक विषैला मंच भी बन सकता है और बन गया है। ज्यादातर लोग सोशल मीडिया से दूर नहीं रह सकते या रहना नहीं चाहते। अदालतों और सरकारी निकायों द्वारा इसे नियंत्रित या निगमित करने के प्रयास धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं लेकिन ए अभी तक असफल रहे हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इस दुविधा में हैं : परेशान करने वाली, नुकसान पहुंचाने वाली या गैरकानूनी सामग्री के संपर्क में आए बिना सोशल मीडिया से कैसे लाभ उठाया जाए। बढ़ते वैश्विक तनाव और संघर्ष के दौर में यह एक मुद्दा बन गया है। यूक्रेन में संघर्ष और गाजा युद्ध दोनों ने किसी के फीड में भयावह और हानिकारक छवियां दिखने का जोखिम बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर खबरों को लेकर मेरे अनुसंधान पर आधारित यह लेख आपके सोशल मीडिया फीड में संपादन करने का मार्गदर्शन देता है ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो सामग्री आप देखते हैं वह आपकी जरूरतों के अनुरूप हो और विचलित करने वाली न हो। इसे व्यापक सोशल मीडिया श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। मैं थ्रेड्स, मैस्टोडन, पोस्ट और ब्लूस्काई जैसी नई सेवाओं की बात नहीं कर रहा, लेकिन यह सिद्धांत सामान्यत: सभी पर लागू हैं। मैंने मोबाइल फोन पर इन ऐप को इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया है क्योंकि ज्यादातर उपयोगकर्ता यही करते हैं। मैं ज्यादातर वीडियो सामग्री पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। सोशल मीडिया सूचना के आदान-प्रदान और सीखने के लिए एक प्रभावशाली उपकरण हो सकता है लेकिन इसमें भी खामी है। अपने फीड के प्रबंधन के लिए आप जो भी रवैया अपनाएं, उसमें सतर्क और संशयपूर्ण रहें। नीतियों और उपयोगकर्ता सहमतियों के लिए आने वाले अपडेट्स पर ध्यान दें और इस पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि आप किस पर भरोसा करते हैं और किसे फॉलो करते हैं। संगठन और लोग यह सुनिश्चित करने में अपना पैसा और वक्त लगाते हैं कि लोग उनके पोस्ट को देखें। यह भी याद रखना महत्वपूर्ण है कि सशुल्क सामग्री केवल बिक्री के लिए सामान और सेवाएं ही नहीं होती बल्कि राजनीतिक या सामाजिक एजेंडा भी हो सकती है और अक्सर इसे छिपाया जाता है। यह फर्जी खबर और जानबूझकर गलत सूचना देने का आधार होता है। टिकटॉक के अलावा सभी सोशल मीडिया मंच पर इसकी कुंजी उन लोगों का सावधानीपूर्वक चयन करना है जिन्हें आप फॉलो करते हो। ट्विटर (अब एक्स) पर सबसे अच्छा विकल्प फॉर यू पेज से दूर रहना (जो कि डिफॉल्ट व्यू) होता है और फॉलोइंग पेज पर ध्यान केंद्रित करना है। आप फॉर यू पेज को पूरी तरह हटा नहीं सकते। फॉलोइंग फीड में हर वह व्यक्ति शामिल होता है जिसे आप फॉलो करते हो, उनके ट्वीट और रीट्वीट भी शामिल होते हैं। अपने फेसबुक न्यूज फीड को साफ करने का सबसे आसान तरीका खातों को अनफ्रेंड करना है।

मध्य मेक्सिको में गोलीबारी की घटना में पांच लोगों की मौत

मेक्सिको। मेक्सिको के शहर प्यूब्ला के बाहरी इलाके में संभवतः चोरी के ईंधन संबंधी विवाद के चलते मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारियों ने शनिवार को पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्यूब्ला पुलिस विभाग ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि ए पांच लोग दो गैस टैंकर ट्रकों की सुरक्षा कर रहे थे, तभी उन पर हमला किया गया। विभाग ने कहा कि यह हमला संभवतः ईंधन चोरी करने के लिए किया गया था। इसमें कहा गया है कि हमले में मारे गए लोगों में से दो को गैस टैंकर ट्रक में विस्फोट में कथित संलिप्तता के लिए अक्टूबर में गिरफ्तार किया गया था। लेकिन, उस घटना में उनकी भूमिका के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी गई थी।

रिवरसाइड स्कूल ने नवाचार के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार जीता

लंदन। गुजरात के एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय विद्यालय, रिवरसाइड स्कूल को शिक्षा के प्रति छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए शनिवार को लंदन में विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार-2023 के विजेताओं में नामित किया गया। अहमदाबाद स्थित रिवरसाइड स्कूल को दुनियाभर के चार अन्य विजेता स्कूलों के साथ नवाचार श्रेणी में 50,000 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया। पांच पुरस्कारों के विजेताओं को एक विशेषज्ञ निर्णायक अकादमी द्वारा कठोर मानदंडों के आधार पर चुना गया, जिसमें नवाचार, सामुदायिक सहयोग, पर्यावरण कार्रवाई, प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाने और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने की श्रेणियों में विजेताओं के बीच 250,000 अमेरिकी डॉलर समान रूप से वितरित किया गया।

लेखक अमीश त्रिपाठी ने लंदन के नेहरू केंद्र का निदेशक पद छोड़ा

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी में चार साल तक सैकड़ों भारत-केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समन्वय करने के बाद लेखक अमीश त्रिपाठी ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में संस्कृति एवं शिक्षा मंत्री और नेहरू केंद्र का निदेशक पद छोड़ दिया है। इस हफ्ते मुंबई लौट रहे त्रिपाठी (49) को उम्मीद है कि लंदन उनका दूसरा घर बना रहेगा, क्योंकि यह दुनिया के सबसे असाधारण शहरों में से एक है और एक ब्रिटिश नागरिक के रूप में उनकी पत्नी शिवानी का भी इससे गहरा नाता है। त्रिपाठी ने कहा, नेहरू सेंटर एक भव्य संपत्ति है, जिसकी समृद्ध विरासत है। मुझे बहुत गर्व है कि मुझे इस महान संस्थान में अपना योगदान देने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह भारत में संस्कृति के क्षेत्र में एक अद्भुत समय है और नेहरू केंद्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पाक छोड़कर जा रहे अफगानिस्तान के नागरिकों को हो रही है भोजन की कमी

इस्लामाबाद। गिरफ्तारी और निर्वासन से बचने के लिए पाकिस्तान छोड़कर जा रहे अफगानिस्तान के नागरिक सीमा पार करने के बाद भोजन, पानी, उचित आश्रय और शौचालय जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी के कारण बेहद कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और खुले में सोने को मजबूर हैं। सहायता समूहों ने रविवार को यह जानकारी दी। हाल के सप्ताहों में अफगानिस्तान के लाखों नागरिकों ने पाकिस्तान छोड़ दिया है। पाक सरकार देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों को निकालने के लिए बेहद सख्ती बरत रही है और अधिकारी घर-घर जाकर प्रवासियों के दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के नागरिकों के देश छोड़ने के लिए 31 अक्टूबर की समय सीमा निर्धारित की थी और ऐसा न होने की सूरत में उन्हें नई प्रवासी निरोधी कार्वाई के तहत गिरफ्तार कर लिया जाता।

ब्रिटेन: फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान चार पुलिस अधिकारी घायल, 29 गिरफ्तार

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा भीड़ में की गई आतिशबाजी के दौरान चार पुलिस अधिकारी घायल हो गए। पुलिस ने नस्लीय भावना से प्रेरित अपराधों के संदेह में 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि शनिवार को हजारों लोगों ने इजराइल-गाजा संघर्ष के खिलाफ प्रदर्शन किया, इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 1,300 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने विरोध प्रदर्शन के दौरान चरमपंथियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने की बात कही है। अगले सप्ताहांत ब्रिटेन में युद्धविराम दिवस के मौके पर चरमपंथियों ने विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की कमांडर करेन फिंडले ने कहा, यह निराशाजनक है कि चरमपंथियों के विभिन्न समूहों ने फिर से वही काम किया जिसका लंदन में कोई स्थान नहीं है, और हम इससे मजबूती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वेस्ट बैंक में महमूद अब्बास से की मुलाकात

भाषा। रामल्ला (वेस्ट बैंक)

इजराइल-हमास युद्ध पर अपनी पश्चिम एशिया कूटनीति के तहत अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक का दौरा किया और फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। ब्लिंकन की इस यात्रा का उद्देश्य गाजा पट्टी में नागरिकों के कष्ट को कम करना और संघर्ष बाद के परिदृश्य में क्षेत्र के लिए खाका तैयार करने की शुरूआत करना है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि बिना किसी पूर्व घोषणा के ब्लिंकन ने कड़ी सुरक्षा के बीच बख्तरबंद वाहनों से रामल्ला की यात्रा की। उनके मुताबिक, उससे महज कुछ ही घंटे पहले इजराइली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में एक शरणार्थी शिविर पर हमला किया था, जिसमें कम से कम 40 लोग मारे गए तथा दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने गोपनीयता बनाए रखी और तबतक इस यात्रा की पुष्टि नहीं की, जबतक कि ब्लिंकन वेस्ट बैंक से निकल नहीं गए। वहीं, स्थानीय लोगों ने उनकी इस यात्रा तथा इजराइल के प्रति अमेरिका के समर्थन के विरोध में प्रदर्शन किया। कैमरे के सामने दोनों (ब्लिंकन और अब्बास) ने एक दूसरे का अभिवादन किया लेकिन बैठक किसी सार्वजनिक टिप्पणी के बगैर संपन्न हो गई। ब्लिंकन के साथ यात्रा कर रहे एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि उन्होंने गाजा में नागरिकों की जान बचाने, मानवीय सहायता आपूर्ति बढ़ाने, वेस्ट बैंक में फलस्तीन के विरूद्ध हिंसा कर रहे यहूदी निवासियों को नियंत्रित करने और उन्हें दंडित करने के वास्ते इजराइल पर दबाव बनाने की अमेरिकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। ब्लिंकन ने अब्बास से यह भी कहा कि अमेरिका, इजराइल पर इस सिलसिले में दबाव बना रहा है कि वह फलस्तीनी प्रशासन को निलंबित कर (टैक्स) भेजे जाने को पूरी तरह बहाल करे। इस निधि पर पिछले सप्ताह आंशिक रूप से रोक हटा दी गई थी, लेकिन फलस्तीनी पूरी राशि चाहते हैं। ब्लिंकन के साथ यात्रा कर रहे अधिकारी ने बताया कि ब्लिंकन ने कहा है कि अमेरिका चाहता है कि गाजा में हमास प्रशासन के बाद के परिदृश्य में फलस्तीनी प्राधिकार केंद्रीय भूमिका में रहे। सरकारी डब्ल्यूएएफए समाचार एजेंसी के अनुसार इस बीच, अब्बास ने कहा कि फलस्तीनी प्राधिकार इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के समग्र राजनीतिक समाधान के तहत ही गाजा में सत्ता संभालेगा।अब्बास ने गाजा में इजराइली बमबारी को नरसंहार वाला युद्ध बताया और ब्लिंकन से उसे ऐसे अपराध को तत्काल रोकने की अपील की। अब्बास ने गाजा में युद्ध की तत्काल समाप्ति, मानवीय सहायता एवं ईंधन की आपूर्ति, पानी एवं बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

जिराफ विलुप्त हो सकते हैं, उनके समक्ष आ सकते हैं पांच सबसे बड़े खतरे

भाषा। यूनिवर्सिटी पार्क (अमेरिका)

जिराफ दुनिया के सबसे ऊंचे स्तनधारी प्राणी और अफ्रीका के प्रतीक हैं, लेकिन वे भी विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहे हैं। पिछले 30 वर्षों में जिराफ की आबादी में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है, और अब जंगल में 70,000 से भी कम जिराफ बचे हैं। उनकी संख्या में इस चिंताजनक गिरावट के कारण क्या हैं और इस विशाल जानवर की सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है ? जिराफों के लिए पांच सबसे बड़े खतरों में--पर्यावास का सिकुड़ना, अपर्याप्त कानून प्रवर्तन, पारिस्थितिकी परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन और जागरूकता की कमी शामिल हैं। मैं आपको इन खतरों और उन्हें बचाने के लिए क्या किया जा रहा है, इस बारे में बताऊंगा। मैं उस अध्ययन के बारे में भी बताऊंगा जिसका मैं हिस्सा था और जिसमें जिराफ के विलुप्त होने के खतरे के संदर्भ में जोखिम की रैंकिंग की गई थी। साथ ही यह भी कि क्या मानवीय कार्य उस खतरे को कम कर सकते हैं। अध्ययन में तंजानिया में तारानगिरे पारिस्थितिकी तंत्र के बिना बाड़ वाले 4,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में आठ वर्षों में चिह्नित किए गए 3,100 से अधिक जिराफों के डेटा का उपयोग किया गया। हमने डेटा का उपयोग यह पता लगाने के लिए किया कि पर्यावरण और भूमि उपयोग परिवर्तन 50 वर्षों में जिराफ की आबादी को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। इसके निष्कर्ष संरक्षण कार्यों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। पर्यावास का क्षरण और हानि- जिराफों को खाने के लिए प्रचुर मात्रा में झाड़ियों और पेड़ों के साथ सवाना के बड़े क्षेत्रों की आवश्यकता होती है। खेती और मानव बस्ती विस्तार जैसी मानवीय गतिविधियों के कारण जिराफों के पर्यावास में कमी आ रही है, जो इस जानवर के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। जिराफ की संख्या में हालिया गिरावट का मुख्य कारण संरक्षित क्षेत्रों के बाहर पर्यावास को क्षति पहुंचना है। उत्तरी तंजानिया में मसाई जैसे पारंपरिक चरवाहे प्राकृतिक सवाना के बड़े स्थानों को बरकरार रखते हैं, जहां वन्यजीव के साथ ही मानव आवास भी होता है। हालांकि, अब अधिकांश लोग उन क्षेत्रों में रह रहे हैं जो जिराफ के रहने के स्थान थे। जैसे-जैसे किसानों और शहर में रहने वालों की आबादी बढ़ती है, जिराफों को भूमि के छोटे और अधिक अलग-थलग हिस्सों में रहने के लिए मजबूर किया जाता है।

बांग्लादेश की अदालत ने विपक्षी नेता अल्ताफ चौधरी को न्यायिक हिरासत में भेजा

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की एक अदालत ने रविवार को विपक्षी दल बीएनपी के नेता और पूर्व गृह मंत्री अल्ताफ हुसैन चौधरी को उनकी पार्टी के समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प के दौरान मुख्य न्यायाधीश के आवास पर तोड़फोड़ के मामले में न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। बांग्लादेश में विपक्ष द्वारा बुलाए गए 48 घंटे के राष्ट्रव्यापी बंद के बीच झड़पों और आगजनी में पुलिसकर्मियों सहित दर्जनों लोग घायल हो गए थे और प्रदर्शनकारियों द्वारा कई वाहन जला दिए गए थे। पूर्व वायु सेना प्रमुख चौधरी को अपराध-रोधी त्वरित कार्य बटालियन (आरएबी) ने उपनगरीय टोंगी इलाके से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद, ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने आदेश दिया कि बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के उपाध्यक्ष चौधरी को जेल भेजा जाए। चौधरी के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी के कई अन्य नेताओं को 28 अक्टूबर को ढाका में हुई हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित दो लोग मारे गए थे। इस दौरान शहर में बड़े पैमाने पर झड़पें हुई थीं, जिसमें ढाका में मुख्य न्यायाधीश के निवास पर हमला भी शामिल था। पुलिस ने कहा कि उसने अकेले राजधानी में हिंसा और तोड़फोड़ के 89 मामलों के तहत पिछले सप्ताह विपक्ष के 2,172 नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

भूकंप प्रभावितों की जिंदगी को पटरी पर लाने की चुनौती

भाषा। जाजरकोट

नेपाल में शुक्रवार को आए भूकंप से सबसे अधिक प्रभावित जाजरकोट जिले के निवासियों को अपने घरों के पुनर्निर्माण और जिंदगी को पटरी पर लाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल में शुक्रवार आधी रात से ठीक पहले 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 157 लोगों की मौत हो गई और 250 से अधिक अन्य घायल हो गए। उत्तर-पश्चिमी नेपाल में हजारों ग्रामीणों ने शनिवार की रात कड़ाके की ठंड में घरों के बाहर बिताई। स्थानीय लोगों ने रात भर खुद को गर्म रखने के लिए अस्थाई आश्रय बनाने के वास्ते प्लास्टिक की चादर और पुराने कपड़ों सहित जो भी सामग्री मिली, उसका उपयोग किया। राउत गांव के निवासी रोमित केसी ने कहा, घर की हालत बहुत खराब है। दरारें आ गई हैं। हर कोई अपने घरों के बाहर बैठा है। यहां एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दूसरे गांव में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। लोगों ने भूकंप की रात की भयावहता को याद किया। गांव के एक अन्य निवासी ने कहा, जो घर पुराने थे और पारंपरिक शैली में मिट्टी से बने थे, वे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि जो घर आरसीसी से बने थे, वे बिलकुल भी क्षतिग्रस्त नहीं हुए हैं।

जैसे-जैसे राहत और बचाव कार्य आगे बढ़ रहा है, अब ध्यान उन लोगों के पुनर्वास पर केंद्रित हो गया है जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिन लोगों के पास जाने के लिए अन्यत्र कोई ठिकाना नहीं है, वे अपने पास उपलब्ध किसी भी संसाधन की मदद से खुले क्षेत्र में खाना पकाने जैसा घरेलू दैनिक कार्य कर रहे हैं। जाजरकोट के माटल थेबल गांव में 200 साल पुराना एक घर मलबे में तब्दील हो गया। माटल थेबल गांव में राहत शिविर के एक स्वयंसेवक ने कहा कि उनका ध्यान अब प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर है और वे भीषण ठंड में लोगों को राहत देने की तैयारी कर रहे हैं। बचावकर्मी सहायता प्रदान करने के लिए दौड़े, लेकिन उनके प्रयासों में इस वजह से बाधा आई कि कई पर्वतीय गांवों तक केवल पैदल ही पहुंचा जा सकता था। भूकंप के कारण हुए भूस्खलन से सड़कें अवरुद्ध हो गईं। बचाव कार्य में लगे एक कर्मी ने कहा, युवा, नेपाल सेना, एपीएफ टीम- हम भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में जुटे हुए हैं। युवा और सामाजिक कार्यकर्ता प्रभावित घरों से लोगों की मदद करने में शामिल हैं। उसने कहा, राहत कार्य जारी है। जिन लोगों को बचाया गया है उन्हें जिले से बाहर रेफर किया जा रहा है ताकि उन्हें आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। लोगों ने अपने घर खो दिए हैं। वे सड़क पर अपना जीवन व्यतीत रहे हैं। भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को तत्काल तंबू, कंबल और खाद्य सामग्री की आवश्यकता है और कई गैर-सरकारी संगठन प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए आगे आए हैं। इस संबंध में एक शिविर आयोजक ने कहा, हम उन लोगों को राहत प्रदान कर रहे हैं जो प्रभावित हुए हैं।

भूकंप पीड़ितों को मदद पहुंचाने की कोशिश में जुटी नेपाल सरकार

काठमांडू। नेपाल के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र में शुक्रवार को आए भूकंप के कारण कम से कम 157 लोगों की मौत होने और भीषण तबाही मचने के बीच हिमालई देश के प्राधिकारी बचाव एवं राहत कार्य में जुटे हैं। नेपाल में शुक्रवार आधी रात से ठीक पहले आए 6.4 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र काठमांडू के 500 किलोमीटर पश्चिम में स्थित जाजरकोट जिले में था। भूकंप के कारण पर्वतीय क्षेत्र में सैकड़ों मकान नष्ट हो गए और कई लोगों को शनिवार को खुले आसमान के नीचे रात बितानी पड़ी। इस त्रासदी में मारे गए कुल 157 लोगों में से 120 लोगों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस भूकंप में करीब 253 लोग घायल हुए हैं। यह 2015 के बाद देश में आया सबसे विनाशकारी भूकंप है। मृतकों के रिश्तेदार शवों के अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे हैं। भूकंप ने जाजरकोट और रुकुम पश्चिम जिलों में सबसे अधिक तबाही मचाई है, लेकिन जाजरकोट में एक नगर निकाय क्षेत्र ऐसा भी है, जहां इस त्रासदी के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। काठमांडू पोस्ट समाचारपत्र ने बताया कि बारेकेट ग्रामीण नगर निकाय में मकानों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन वहां एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। ग्रामीण निकाय के प्रमुख बीर बहादुर गिरि ने कहा, जब हम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए मकानों को देखते हैं तो यह विश्वास करना मुश्किल होता है कि हममें किसी की जान नहीं गई। यह देवभूमि है और कई लोगों का मानना है कि ईश्वर ने उनकी रक्षा की है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण निकाय क्षेत्र में पांच लोग घायल हुए हैं जहां लगभग 3,500 मकान हैं। गिरि ने कहा, शायद ही कोई ऐसा मकान बचा हो जो भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त न हुआ हो। कम से कम 90 प्रतिशत मकानों को फिर से बनाने की जरूरत है। लगभग 1,000 मकान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और लोग खुली जगहों पर रह रहे हैं। जाजरकोट के जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने पुष्टि की कि बारेकोट निकाय क्षेत्र में कोई मौत नहीं हुई। देश के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने रविवार को एक कैबिनेट बैठक की जिसमें उन्होंने भूकंप में मारे गए प्रत्एक व्यक्ति के परिवार को तत्काल राहत के रूप में दो-दो लाख रुपए नकद देने का फैसला किया।

कांग्रेस को आदिवासियों की परवाह नहीं : मोदी

● कहा, पार्टी के दो वरिष्ठ नेता अपने बेटों को स्थापित करने के लिए लड़ रहे हैं

भाषा। सिवनी (मप्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर आदिवासियों के कल्याण के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि विपक्षी पार्टी के दो वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश में अपने बेटों को स्थापित करने और राज्य में पार्टी संगठन पर कब्जा करने के लिए लड़ रहे हैं। मोदी ने मप्र के सिवनी जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हम उन आदिवासियों के भक्त और पूजारी हैं जिन्होंने राजकुमार राम को पुरुषोत्तम भगवान राम बनाया। मप्र में 17 नवंबर को चुनाव हैं। मप्र की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। सिवनी की चार विधानसभा सीटों में से दो आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद देश में पांच-छह दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराने वाली प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच साल तक बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आदिवासियों के उत्थान के लिए भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों का जिक्र किया और विभिन्न घोटालों को लेकर पिछली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस शासन के दौरान लाखों-करोड़ों रुपए के घोटाले हुए थे, लेकिन भाजपा सरकार के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ और इस प्रकार बचाए गए पैसे को गरीब लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने पर खर्च किया जा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस आदिवासियों में भ्रम पैदा कर रही है। उनके मुंह से आदिवासी शब्द अच्छा नहीं लगता। इन्हीं आदिवासियों ने भगवान राम का ख्याल रखा। क्या आदिवासी समाज ने राजकुमार राम को पुरुषोत्तम राम नहीं बनाया? उन्होंने कहा, हम आदिवासियों के भक्त और पुजारी हैं जिन्होंने राजकुमार राम को, पुरुषोत्तम राम बनाया। मोदी ने कहा कि जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई, तो देश में पहली बार आदिवासियों के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया गया। मोदी ने कहा, "यह हमारी संस्कृति है। आदिवासियों के उत्थान के लिए एक मंत्रालय, मंत्री और बजट आवंटित किया गया है"। उन्होंने यह भी कहा कि हर साल 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों को अंधेरे में रखा। प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा कांग्रेस ने एक परिवार की चिंता की। उनकी राज्य सरकारों ने सड़कों और गलियों का नाम उनके नाम पर रखा। यहां तक कि उनके घोषणापत्र में भी उनके नाम हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके दो बड़े नेता अपने बेटों को स्थापित करने और राज्य में पार्टी संगठन पर कब्जा करने के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य में कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ रही, बल्कि उसके दो बड़े नेता एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ हाल में वायरल हुए एक वीडियो में पार्टी कार्यकर्ताओं को यह कहते सुने जा सकते हैं कि शिवपुरी से एक नेता को टिकट देने से इनकार करने को लेकर उनके सहकर्मी दिग्विजय सिंह के कपड़े फाड़ दें। इससे, चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन को लेकर पार्टी में दरार पड़ने की अटकलें लगाई जाने लगी। हालांकि, दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों ने इस प्रकरण को तवज्जो नहीं देने की कोशिश की और विधानसभा चुनाव से पहले अपनी एकजुटता प्रदर्शित की है। मोदी ने कहा कि गरीब लोगों को मुफ्त राशन देने की योजना को अगले पांच साल तक बढ़ाया जाएगा।

भाजपा शानदार मिजोरम बनाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

आइजोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक शानदार मिजोरम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस चुनावी राज्य के लोग उनके परिवार के सदस्यों की तरह हैं। मिजोरम के लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने रेलवे, स्वास्थ्य, खेल और अन्य क्षेत्रों से संबंधित बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। मिजोरम के लोगों को अपने परिवार का सदस्य करार देते हुए मोदी ने कहा कि राज्य के गर्मजोशी भरे लोगों के साथ संवाद करना उनके लिए हमेशा से बहुत खुशी की बात रही है। हमने आपकी आकांक्षाओं, सपनों और आवश्यकताओं को पूरा करने को सर्वोच्च महत्व दिया है। दोस्तो, भाजपा एक शानदार मिजोरम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यकीन है कि इसे पूरा करने के लिए हमें आपका समर्थन और आशीर्वाद मिलेगा। मिजोरम विधानसभा की 40 सीट के लिए सात नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। भाजपा राज्य की 23 सीट पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने 2018 में 39 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा था और एक सीट जीतकर राज्य विधानसभा में पहली बार अपना खाता खोला था। प्रधानमंत्री का पहले राज्य का दौरा करने और 30 अक्टूबर को ममित में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम था। हालांकि, उनके दौरे को बिना कोई कारण बताए रद्द कर दिया गया था। मोदी ने वीडियो संदेश में कहा, पिछले नौ वर्षों में मुझे 60 बार पूर्वोत्तर जाने का अवसर मिला। बड़े पैमाने पर विकास और कनेक्टिविटी कार्यों ने भौतिक दूरी को भी कम किया है। मोदी ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति के बलबूते मिजोरम में वैश्विक पर्यटन केंद्र बनने की भी क्षमता है। दोस्तो, मिजोरम के मेरे पिछले दौरों में से एक के दौरान, मैंने परिवहन द्वारा परिवर्तन लाने के लिए काम करने का वादा किया था। तब से, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में एक क्रांति हुई है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा के बलबूते निवेश, उद्योग और आय में वृद्धि होती है, जिससे मिजोरम के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। रेलवे में हमने वह किया जो आजादी के सात दशकों में नहीं हुआ। हमने मिजोरम को बड़ी लाइन से बैराबी तक जोड़ने का कार्य किया। हम बैराबी से सैरांग तक नई बड़ी लाइन परियोजना में 8,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि मिजोरम के स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए जाएंगे, ताकि लोगों को इलाज के लिए दूसरी जगहों पर जाने की जरूरत न पड़े। मिजोरम के किसानों को राज्य के विकास की नींव करार देते हुए मोदी ने कहा कि 1.7 लाख किसानों को केंद्रीय योजना के तहत उनके खाते में पैसे मिल रहे हैं। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर ने खेलों में भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भाजपा मिजोरम सहित क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस मप्र को अपना एटीएम बनाना चाहती है

खंडवा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव के वास्ते धन जुटाने के लिए मध्य प्रदेश को अपना एटीएम बनाना चाहती है। चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के खंडवा में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा एक परिवार के विकास के बारे में चिंतित रहती है। मोदी ने कहा कि जनता को प्रदेश को कांग्रेस के चंगुल से बचाना है और सुनिश्चित करे कि यह गलत हाथों में नहीं जाए। उन्होंने आरोप लगाया, क्या आप जानते है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश में सरकार बनाने के लिए क्यों बेचैन है? वह लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य प्रदेश को अपना एटीएम बनाना चाहती है। वह ट्रैक्टरों में भर भर कर राज्य का पैसा लूटना चाहती है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तब उसने लाखों-करोड़ो रुपए के घोटाले किए और उसे कोई चिंता नहीं थी। , लेकिन अब लोगो ने उन्हे पहचान लिया है और देश के हर कोने से उन्हे सत्ता से बाहर कर दिया है इसलिए वे राज्यो को लालच की नजर से देख रहे है। मोदी ने आरोप लगाया कि जहां भी कांग्रेस की सरकार गलती से बनी है, वहां के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच राज्य को लूटने की होड़ मची हुई है और ऐसी खबरें कर्नाटक से लगातार आ रही है। उन्होने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की कपड़े फाड़ने वाली टिप्पणी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया, जिससे चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्रियो के बीच मतभेद की अटकलें तेज हो गई है। कई वर्षों तक सत्ता से बाहर रहने के बाद कांग्रेस की पैसे की भूख कई गुना बढ़ गई। उन्होने राजस्थान और अन्य राज्यो में कांग्रेस द्वारा पैसे की कथित लूट के बारे में मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होने देश में लगातार भाजपा के तीसरी बार सत्ता में वापस आने का विश्वास जताया और लोगो से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वे डबल इंजन के विकास का लाभ उठाने के लिए मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने के लिए वोट करे। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार एक विशेष मिशन के माध्यम से बैगा, भारिया और सहरिया जनजातियो के कल्याण के लिए 15,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

क्विक न्यूज

धार्मिक स्थलों पर आतिशबाजी की पाबंदी के खिलाफ अपील कर सकते हैं देवस्वोम बोर्ड, ट्रस्टः केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने रविवार को कहा कि देवस्वोम बोर्ड और अन्य संगठन तथा धार्मिक स्थलो का प्रबंधन करने वाले न्यास (ट्रस्ट) बेवक्त आतिशबाजी किए जाने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने पर विचार कर रहे है। राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण, देवस्वोम मंत्री के राधाकृष्णन ने कहा कि सरकार भी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने पर विचार करेगी। मंत्री ने संवाददाताओ से कहा कि राज्य मे मंदिरो और धार्मिक स्थलो पर आतिशबाजी के बिना त्योहार मनाना मुश्किल होगा। उन्होने यह भी कहा कि आतिशबाजी करने के समय के बारे मे कोई विवरण उपलबध नही है। केरल उच्च न्यायालय ने शुक्रवार यानी तीन नवंबर को कहा था कि धार्मिक स्थलो पर बेवक्त आतिशबाजी नही की जाए क्योकि किसी भी धर्म ग्रंथ मे ऐसा नही लिखा है कि भगवान को प्रसन्न करने के लिए आतिशबाजी आवश्यक है। अदालत ने राज्य के सभी जिलो के पुलिस प्रमुखो को धार्मिक स्थलो पर छापेमारी करने और अवैध रूप से भंडारण किए गए पटाखों को जब्त करने का भी निर्देश दिया था।

सभी महिला सैनिकों को समान रूप से दिया जाएगा मातृत्व, शिशु देखभाल अवकाश

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी महिला सैन्यकर्मियो को समान रूप से मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक ग्रहण अवकाश देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह निर्णय सशस्त्र बलो मे हर रैंक की महिलाओ की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने के सिंह के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उसने कहा कि इस कदम से सेना मे महिलाओ को अपने पेशेवर एवं पारिवारिक जीवन को बेहतर तरीके से संतुलित करने मे मदद मिलेगी तथा इससे कामकाजी स्थिति मे सुधार होगा। मंत्रालय ने कहा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलो मे महिला सैनिको, नाविको और वायु सैनिको के लिए उनकी समकक्ष अधिकारियो के बराबर मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक ग्रहण अवकाश देने संबंधी नियमो को लागू करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने कहा, इन नियमो के जारी हो जाने से सेना मे सभी महिलाओ को समान रूप से ए छुट्टियां मिलेगी, भले ही वे कोई अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक पर कार्यरत हो। अधिकारियो ने बताया कि इस समय महिला अधिकारियो को हर बच्चे के लिए 180 दिन का मातृत्व अवकाश मिलता है। यह नियम अधिकतम दो बच्चो पर लागू होता है। उन्होने बताया कि महिला अधिकारियो को संपूर्ण सेवा कार्यालय मे 360 दिन का शिशु देखभाल अवकाश मिलता है। इसके लिए बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। उन्होने बताया कि एक वर्ष से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने की वैध तिथि के बाद 180 दिनो की दत्तक ग्रहण छुट्टी दी जाती है। मंत्रालय ने एक बयान मे कहा, अवकाश संबंधी नियमो के विस्तार से सशस्त्र बलो मे महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक समस्याओ से निपटने मे काफी मदद मिलेगी।

एनआईए ने मध्य प्रदेश में हिज्ब-उत-तहरीर के 17 सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हिंसक कृत्यो के जरिए शरिया आधारित इस्लामी राष्ट्र बनाने का मंसूबा रखने वाले कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर के 17 सदस्यो के खिलाफ एक विशेष अदालत मे आरोप पत्र दाखिल किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश मे नौ मई को दर्ज एक मामले मे आरोपपत्र दाखिल किया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपित किए गए आरोपियो के नाम-- मोहम्मद आलम, मिस्बाह उल हसन, मेहराज अली, खालिद हुसैन, सैयद सामी रिजवी, यासिर खान, सलमान अंसारी, सैयद दानिश अली, मोहम्मद शाहरुख, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद करीम, मोहम्मद अब्बास अली, मोहम्मद हमीद, मोहम्मद सलीम, अब्दुर रहमान, शेख जुनैद और मोहम्मद सलमान--है। प्रवक्ता ने बताया, जांच मे यह खुलासा हुआ कि हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के सदस्य चोरी-छिपे मध्य प्रदेश मे अपने समूह मे भर्तियां कर रहे थे और अपना कैडर बना रहे थे। यह भी स्थापित हो गया है कि आरोपी एचयूटी के कट्टरपंथी विचारधारा से प्रेरित थे और इनका मकसद हिंसक कृत्यो के जरिए भारत को शरिया आधारित इस्लामी राष्ट्र बनाना है।

बीएसएफ जवान की हथगोला फटने से मृत्यु

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले मे विधानसभा चुनाव के लिए आए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान की हथगोला फटने से मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियो ने रविवार को बताया कि जिले के कटेकल्याण थाना परिसर मे हथगोला फटने से बीएसएफ के हवलदार बलबीर चंद की मृत्यु हो गई है। उन्होने बताया कि कटेकल्याण थाना परिसर मे विधानसभा चुनाव के लिए स्के बीएसएफ के 70 वी बटालियन के जवान आज गश्त के लिए रवाना हो रहे थे और जब जवान वहां से निकल रहे थे तब हिमाचल प्रदेश के निवासी बलबीर चंद के पाउच मे रखा हथगोला फट गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारियो ने बताया कि घटना के बाद घायल जवान को दंतेवाड़ा शहर के जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। चंद के परिवार के सदस्यो को घटना के बारे मे सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियो ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है। दंतेवाड़ा उन 20 विधानसभा क्षेत्रो मे से एक है जहां सात नवंबर को पहले चरण मे मतदान होगा।

अतीत की विरासत संजोना जरूरी

मुंबई। भारत का प्रीमियर टाटा ज्वेलरी ब्रांड जादुई यात्रा पर निकल पड़ा है, जो गौरवशाली अतीत के दिल में गहराई तक उतरती है। धरोहर कलेक्शन पेश करते हुए, तनिष्क प्राचीन विरासत कलाकृतियों के शाश्वत आकर्षण को सम्मानित कर रहा है, पुरानी और नई विरासतों को खूबसूरती से जोड़ रहा है, पीढ़ियों को विरासत और पुरानी यादों की भावना से एक साथ ला रहा है। धरोहर सिर्फ एक कलेक्शन नहीं, बल्कि यह उन हृदयस्पर्शी नरेटिव का जश्न है जिन्होंने शानदार अतीत को आकार दिया है। यह पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का एक प्रमाण है, इसमें कई कीमती यादें शामिल हैं जो हमें बताती हैं कि हम कौन हैं। धरोहर के साथ, तनिष्क प्राचीन जमाने की कहानियों में एक नया अध्याय पेश कर रहा है। टाइटन कंपनी लिमिटेड की चीफ डिजाइन ऑफिसर, रेवती कांत ने कहा, इस दिवाली, तनिष्क के धरोहर कलेक्शन का अनावरण करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है, यह कलेक्शन हमारी समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासतों के दिलों को छू लेने वाले जश्न का एक प्रमाण है।

बिहार जाति सर्वेक्षण में जानबूझकर मुस्लिमों और यादवों की आबादी को बढ़ाकर दिखाया गयाः शाह

मुजफ्फरपुर। भाषा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार की नीतीश कुमार सरकार पर हमला बोलते हुए उस पर अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के तहत राज्य के जाति सर्वेक्षण में जानबूझकर मुस्लिमों और यादवों की आबादी को बढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया। मुजफ्फरपुर जिले के पताही में एक रैली को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, इंडि (इंडिया) गठबंधन वालों ने बिहार की जनता को गुमराह करने के लिए खुद के पिछड़ा समाज का हितैषी होने की बात की थी। उन्होंने कहा, नीतीश जी ने जो जाति आधारित सर्वेक्षण कराए हैं, उसे कराने का फैसला जिस समय लिया गया था जब भाजपा नीतीश सरकार में हिस्सेदार थी और यह भाजपा का फैसला था। शाह ने आरोप लगाया कि लालू-नीतीश की जोड़ी ने सर्वेक्षण में मुस्लिम और यादव समुदाय की आबादी को बढ़ाकर अति पिछड़ा और पिछड़ा समुदाय के साथ अन्याय करने का काम किया। उन्होंने कहा, मैं आज बिहार के पिछड़ा और अति पिछड़ा दोनों समाज को कहने आया हूं कि ए सर्वेक्षण एक छलावा है। हमने इसका समर्थन किया था पर हमें नहीं मालूम था कि (राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख) लालू जी के दबाव में यादव और मुस्लिम की संख्या बढ़ाकर अति पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय करने का काम नीतीश और लालू करेंगे। शाह ने कहा, ये इंडि एलायंस (विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया) वाले कहते हैं कि जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी तो ठीक है लालू जी, सर्वेक्षण के अनुसार क्या आप घोषणा करेंगे कि इंडि एलायंस का मुख्यमंत्री अति पिछड़ा समाज से होगा। गृह मंत्री ने आरोप लगाया, इन लोगों ने हमेशा तुष्टिकरण करने का काम किया है। अगर इसे रोका नहीं गया तो बिहार के सीमावर्ती इलाके में बहुत बड़ी दिक्कत आने वाली है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने इंडिया गठबंधन पर अपना प्रहार जारी रखते हुए कहा, ए परिवार की दुकान चलाने वाले लोग हैं। एक को प्रधानमंत्री बनना है और दूसरे को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। नीतीश बाबू प्रधानमंत्री की बात तो दूर इंडि एलायंस ने आपको संयोजक भी नहीं बनाया। आप कहीं के भी नहीं रहे। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने सर्वेक्षण की तुलना समाज के एक्स-रे से की है और सत्ता में आने पर राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना कराने का संकल्प लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा ओबीसी के प्रति शत्रुतापूर्ण रही है।

केरल की वामपंथी सरकार निरंकुश : राज्यपाल आरिफ

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को राज्य की वामपंथी सरकार पर निशाना साधते हुए उसे निरंकुश और संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली करार दिया। राज्य सरकार ने राज्यपाल द्वारा कुछ विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं किए जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। खान ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार केरल उच्च न्यायालय के समक्ष खराब वित्तीय स्थिति होने का दावा करने के बाद धन का अपव्यय कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार उच्च न्यायालय जाती है और कहती है कि खराब स्थिति है लेकिन हम उत्सव, बेतुके काम में संलिप्त रहेंगे और धन का अपव्यय करेंगे। खान ने आरोप लगाया, आप निजी इस्तेमाल के लिए स्विमिंग पूल बना रहे हैं, लेकिन आप लोगों को पेंशन नहीं दे पा रहे हैं जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी राज्य की सेवा में लगा दी। पत्रकारों द्वारा केरल विधानसभा की ओर से पारित कुछ विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करने के संबंध में सवाल करने पर, खान ने पूछा कि क्या प्रत्एक विश्वविद्यालय में अलग-अलग कुलपतियों की नियुक्ति से जुड़े विधेयक पर कुछ खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कुलपतियों की नियुक्ति की जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों पर डाल रही है, लेकिन इन संस्थानों को धन राज्य और केंद्र से मिलता है। उन्होंने दावा किया कि प्रत्एक विधेयक जिसमें व्यय का प्रावधान हो धन विधेयक बन जाता है और उसे राज्यपाल की मंजूरी के बिना विधानसभा में पेश नहीं किया जा सकता है। राज्य के उद्योग मंत्री पी.राजीव ने राज्यपाल के दावे का खंडन किया। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा का अध्यक्ष तय करेगा कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं।

भारत ने भूकंप प्रभावित नेपाल को भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने भूकंप प्रभावित नेपाल को रविवार को दवाएं तथा अन्य राहत सामग्री भेजी। पश्चिमी नेपाल में शुक्रवार को भीषण भूकंप आया था, जिसमें 150 से अधिक लोगों की मौत हुई और 160 से अधिक लोग घायल हो गए। भारत ने भारतीय वायुसेना के सैन्य परिवहन विमान से ए राहत समग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नेपाल के भूकंप प्रभावित इलाकों के लिए आपात राहत सहयोग मुहैया करा रहे हैं। पहले कदम उठाने वाले देश के तौर पर भारत दवाएं और राहत सामग्री भेज रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पड़ोसी पहले नीति पर काम कर रहे हैं। राहत सामग्री की खेप नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाली अधिकारियों को सौंपी।

जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि ऐसे खाद्य पदार्थ जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाते हों उनसे दूरी बनाने की जरूरत है साथ ही ऐसे सेहतमंद खाद्य पदार्थों को अपनाने की जरूरत है जो प्रकृति को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाते हों। राष्ट्रपति राष्ट्रीय राजधानी में तीन दिवसीय वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम (तीन से पांच नवंबर) के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, हम जो खाते हैं हमें उसके पर्यावरणीय मूल्य को भी ध्यान में रखना चाहिए। पिछली पीढ़ियों को इस संदर्भ में चिंता करने की जरूरत नहीं थी। मुर्मू ने कहा, वक्त आ गया है कि हम अपने खाद्य पदार्थों का चयन इस प्रकार से करें कि उससे प्रकृति को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऐसे खाद्य पदार्थ जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाते हों उनसे दूरी बनाने की जरूरत है साथ ही ऐसे सेहतमंद खाद्य पदार्थों को अपनाने की जरूरत है जो प्रकृति को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाते हों। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कुल कृषि निर्यात में खाद्य प्रसंस्करण का योगदान 75 प्रतिशत है पारस ने कहा कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लगभग 35,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सभी पक्षकारों के प्रयासों से सफल रहा है।

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपराध रोकने के लिए लगाए मधुमक्खियों के छत्ते

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी सहित अन्य अपराधों को रोकने के लिए एक अनूठा प्रयोग कर रहा है, जिसके तहत वहां वह मधुक्खियों के छत्ते लगा रहा है। उसकी इस पहल से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपने तरह की इस पहली योजना को बीएसएफ की 32वीं बटालियन ने नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में शुरू किया है, ताकि सीमा पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और स्थानीय लोगों को मधुमक्खी पालन से जोड़ा जा सके। भारत और बांग्लादेश 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जिसमें से 2,217 किमी लंबी सीमा पश्चिम बंगाल से लगी हुई है। इस परियोजना के लिए बीएसएफ ने आयुष मंत्रालय को भी शामिल किया है। मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल को मधुमक्खी के छत्ते और मिश्र धातु से बने स्मार्ट बाड़ पर उन्हें ठीक से लगाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान की है। इस परियोजना की परिकल्पना करने वाले बीएसएफ की 32वीं बटालियन के कमांडेंट सुजीत कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इसने केंद्र के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत यह पहल की है। साथ ही, बीएसएफ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए आयुष मंत्रालय से औषधीय पौधे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, जिनमें फूल आते हैं और इन्हें इन मधुमक्खियों के छत्तों के आसपास लगाया जा सकता है, ताकि मधुमक्खियां प्रचुर मात्रा में परागण कर सकें। उन्होंने कहा, भारत-बांग्लादेश सीमा पर मधुमक्खियों के छत्ते लगाने की परिकल्पना को दो नवंबर को मूर्त रूप देना शुरू किया गया।

राहुल गांधी ने उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

रुद्रप्रयाग। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को केदारनाथ धाम पहुंचे। गांधी दोपहर को हेलिकॉप्टर से केदारनाथ पहुंचे जहां कांग्रेस नेताओं के साथ ही केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी तथा अन्य तीर्थ पुरोहितों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान गांधी ने केदारनाथ के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं से भी गर्मजोशी से मुलाकात की। तिवारी ने बताया कि गांधी धार्मिक यात्रा पर केदारनाथ आए हैं। उन्होंने बताया कि भगवान केदारनाथ की सायं में होने वाली आरती में वह शामिल हुए। इससे पहले, गांधी नई दिल्ली से देहरादून हवाई अडडे पहुंचे और वहां से सीधे ही हैलीकॉप्टर से केदारनाथ के लिए रवाना हो गए। गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में केदारनाथ मंदिर की अपनी तस्वीरें साझा करते हुए कहा, आज, मैंने उत्तराखंड में केदारनाथ धाम का दौरा किया और दर्शन व पूजा की। हर-हर महादेव। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गांधी का यह नितांत निजी एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम है।

संघ की तीन दिवसीय बैठक भुज में शुरू

भाषा। भुज

गुजरात में कच्छ जिले के भुज शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय बैठक रविवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की उपस्थिति में शुरू हुई।

संघ द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में पूरे गुजरात से 382 वरिष्ठ संघ नेता शामिल हो रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बैठक से पहले भागवत और संगठन के अन्य शीर्ष नेताओं से शिष्टाचार भेंट की। विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक के दौरान आमंत्रित सदस्य संघ के विस्तार की योजना में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और आधुनिक जीवनशैली के प्रकृति पर पड़ने वाले असर, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, गो संरक्षण, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले संगठन के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और देश भर में होने वाले इससे जुड़े कार्यक्रमों पर संघ की भुज में होने वाली बैठक में चर्चा की जाएगी। अयोध्या राम जन्म भूमि मंदिर में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अगले साल 22 जनवरी को प्रस्तावित है।

केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश जारी रहेगी, जिलों में ऑरेंज अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को राज्य के तीन जिलों में दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। आईएमडी ने पथानामथिट्टा, इडुक्की और मलप्पुरम जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। इसने राज्य के अलाप्पुझा, एर्नाकुलम और पलक्कड़ जिलों में भी एलो अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट में 12 से 20 सेमी तक बहुत भारी बारिश और एलो अलर्ट के दौरान छह से 11 सेमी के बीच भारी बारिश का अनुमान रहता है।

ये शतक सपने के साकार होने जैसा : कोहली

तेंदुलकर के शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी के बाद दी प्रतिक्रिया

भाषा। कोलकाता

विराट कोहली ने रविवार को कहा कि अपने 35वें जन्मदिन पर 49वां एकदिवसीय शतक बनाकर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बराबरी करना सपनों के सच होने जैसा है और उन्होंने इस लम्हे के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया। तेंदुलकर के 50 ओवर के क्रिकेट में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड बनाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के एक दशक बाद कोहली ने एक और शानदार पारी के साथ इस महान बल्लेबाज की बराबरी कर ली। कोहली ने भारत की पारी खत्म होने के बाद आधिकारिक प्रसारणकर्ता से कहा, भारत के लिए खेलने का हर अवसर बड़ा है, अपने जन्मदिन पर शतक जड़ा पाना सपना साकार होने की तरह है। भगवान का आभारी हूं कि मुझे यह लम्हा मिला। तेंदुलकर ने तुरंत कोहली को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और कामना की कि वह अगले कुछ दिनों में विश्व रिकॉर्ड 50वां एकदिवसीय शतक बनाएं। तेंदुलकर ने एक्स में लिखा, शानदार खेल दिखाया विराट। इसी साल की शुरुआत में मुझे 49 से 50 (वर्ष) का होने में 365 दिन लगे। उम्मीद करता हूं कि आप 49 से 50 (शतक) तक पहुंचोगे और अगले कुछ दिनों में मेरा रिकॉर्ड तोड़ोगे। बधाई हो। ईडन गार्डन्स की पिच के धीमी होने के कारण भारत की रन गति में कुछ गिरावट भी आई। कोहली ने इस बीच एक छोर संभाले रखा जबकि दूसरे छोर पर बल्लेबाजों ने बड़े शॉट खेलने का प्रयास किया।

तेंदुलकर जितना बेहतरीन नहीं बन पाऊंगा पर अपने नायक के रिकॉर्ड की बराबरी करना खास: कोहली

कोलकाता। क्रिकेट के मैदान में कई शानदार पारियां खेलने के बावजूद विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के प्रशंसक बने हुए है।उन्होने अपने आदर्श खिलाड़ी के 49 एकदिवसीय शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार किया कि वह कभी भी मुंबई के इस दिग्गज की बराबरी नही कर पाएंगे। मैन ऑफ द मैच कोहली ने अपने 35 वें जन्मदिन को यादगार बनाने के बाद पुरस्कार समारोह मे कहा, अपने नायक के रिकॉर्ड की बराबरी करना बहुत बड़ा सम्मान है। वह बल्लेबाजी के मामले मे परफेक्ट रहे है। यह एक भावनात्मक क्षण है। मै उन दिनों को जानता हूं जहां से मै आया हूं, मै उन दिनों को जानता हूं जब मैंने उन्हें टीवी पर देखा है। उनसे सराहना पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

स्कोरबोर्ड

भारत : रोहित का बावुमा बो रबाडा 40, गिल बो महाराज 23,कोहली नाबाद 101,अय्यर का मार्क्रम बो एंगिडि 77, केएल का वान डेर डुसेन बो जेनसन 8, सूर्यकुमार का डिकॉक बो शम्सी 22, जडेजा नाबाद 29,**अतिरिक्त** : 26 रन, **कुल योग** : 50 ओवर में पांच विकेट पर 326 रन, **विकेट पतन** : 1-62, 2-93, 3-227, 4-249, 5-285, **गेंदबाजी** : एंगिडि 8.2-0-63-1, जेनसन 9.4-0 -94-1, रबाडा 10-1-48-1, महाराज 10-0-30-1, शम्सी 10-0-72-1, मार्क्रम 2- 0-17-0

दक्षिण अफ्रीका : डिकॉक बो सिराज 5, बावुमा बो जडेजा 11, डुसेन पगबाधा बो शमी 13, मार्क्रम का राहुल बो शमी 9,क्लासेन पगबाधा बो जडेजा1, मिलर बो जडेजा 11, जेनसन का जडेजा बो कुलदीप 14,महाराज बो जडेजा 7, रबाडा का और बो जडेजा 6,एंगिडि बो कुलदीप 0, शम्सी नाबाद 4, **अतिरिक्त** : दो रन, **कुल योग** : 27 .1 ओवर में 83 रन, **विकेट पतन** :1-6, 2-22, 3 -35 , 4-40, 5-40, 6-59, 7-67, 8- 79, 9- 79, **गेंदबाजी** : बुमराह 5 - 0 . 14- 0, सिराज 4-1-11-1,जडेजा 9-1 -33-5, शमी 4-0- 18 - 2, यादव 5.1-1- 7- 2

कोहली ने इस पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मानदंड स्थापित किए: द्रविड़

भाषा। कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने रविवार को अपना 35वां जन्मदिन मना रहे विराट कोहली को खेल का महान खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने उनकी पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मानक स्थापित किए हैं। भारत के पूर्व कप्तान कोहली ने खेल के सभी प्रारूपों में अनगिनत रिकॉर्ड बनाए हैं और ऐसा करना जारी रखा है। वह मौजूदा विश्व कप में शानदार लय में है। द्रविड़ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, विराट खेल के दिग्गज हैं, खासकर क्रिकेट के इस प्रारूप (वनडे) में। मुझे लगता है कि खेल के सभी प्रारूप में वह जिस तरह से मैच को खत्म करते हैं वह उन्हें विशेष बनाता है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन ने संभवत: अपनी पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए एक मानक स्थापित किया है। अनुभवी

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने माना कि कोहली ने भारतीय क्रिकेट में सोचने के तरीके और खिलाड़ियों की मानसिकता बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। कोहली ने भारतीय क्रिकेट के बारे में सोचने के तरीके को बदल दिया है। उन्होंने बल्लेबाज के लिए खेल को समझने और तैयारी करने के अंदाज को बदल दिया। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने रनों के लिए कोहली की भूख और जुनून की सराहना की और कहा, खेल के प्रति उनका रवैया और जुनून अद्वितीय है। मैंने किसी को भी विराट कोहली जितना जुनूनी नहीं देखा।

दिल्ली में विश्व कप मैच से पूर्व आईसीसी ने श्वास रोग विशेषज्ञ गुलेरिया से सलाह ली

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के कारण सोमवार को श्रीलंका-बांग्लादेश विश्व कप मैच पर खतरे के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रसिद्ध श्वसन रोग विशेषज्ञ रणदीप गुलेरिया से सलाह मांगी है कि खेल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हो। श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के मैच को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि पिछले चार दिन से शहर में जहरीली धुंध की मोटी परत छाई हुई है। एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) के कम से कम मंगलवार तक गंभीर श्रेणी में रहने की संभावना है। मैच अधिकारियों द्वारा सोमवार को निर्णय लिया जाएगा लेकिन आईसीसी ने खतरनाक वायु प्रदूषण से बचने के लिए पानी का छिड़काव करने और ड्रेसिंग रूम में एयर प्यूरिफायर (हवा को साफ करने वाले यंत्र) लगाए हैं।

कोलकाता पुलिस का टिकटों की कालाबाजारी को लेकर बीसीसीआई को नोटिस

कोलकाता। ईडन गार्डन्स स्टेडियम मे भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को यहां चल रहे विश्व कप क्रिकेट मुकाबले की टिकटों की कालाबाजारी के आरोपो के बीच कोलकाता पुलिस ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस जारी कर मुकाबले के टिकटों की बिक्री के बारे मे जानकारी मांगी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम जारी किए गए नोटिस मे बीसीसीआई अध्यक्ष से मैदान पुलिस थाने के अधिकारी को दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है जो टिकटों की कालाबाजारी के संबंध मे शिकायतों की जांच कर रहे है। बीसीसीआई अध्यक्ष को एक नोटिस भेजा गया है जिसमे उनसे व्यक्तिगत या अपने संगठन के किसी सक्षम व्यक्ति के माध्यम से टिकटों की बिक्री के संबंध मे प्रासंगिक दस्तावेज मांगे गए है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। बेहतरीन फॉर्म मे चल रहे जेरेमी डोकू के शानदार प्रदर्शन से मैनचेस्टर सिटी ने बोर्नमाउथ को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता मे फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। एक अन्य मैच मे आर्सेनल को न्यूकासल से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे मैनचेस्टर सिटी को चोटी पर पहुंचने मे मदद मिली। सिटी के अब 11 मैच मे 27 अंक हो गए है जबकि आर्सेनल के इतने ही मैच मे 24 अंक है और वह टोटेनहैम के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया है। बेल्जियम के जेरेमी डोकू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होने सिटी की तरफ से एक गोल किया जबकि चार अन्य गोल करने मे मदद की।

बैसोया ने जीव मिल्खा सिंह आमंत्रण टूर्नामेंट जीता

चंडीगढ़। सचिन बैसोया ने चौथे दौर मे पांच अंडर 67 का शानदार कार्ड खेल कर रविवार को यहां डेढ़ करोड़ रुपए इनामी जीव मिल्खा सिंह आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। बैसोया ने चार दौर मे 66, 68, 71 और 67 के कार्ड के साथ कुल 16 अंडर 272 का स्कोर कर ट्रॉफी और 22,50,000 रुपए की पुरस्कार राशि को अपने नाम किया। वह इस जीत के बाद पीजीटीआई रैंकिंग मे तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

प्रदूषण की मार: श्रीलंका व बांग्लादेश मैच पर छाए अनिश्चितता के बादल

विश्वकप में आज होना है मुकाबला

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के कारण श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच सोमवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं और यह देखना होगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है या मैच को। जहरीली धुंध ने राष्ट्रीय राजधानी को अपने आगोश में ले रखा है जिससे दोनों टीमों को कम से कम एक बार अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा था क्योंकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। श्रीलंका ने शनिवार को अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था लेकिन बांग्लादेश के खिलाड़ी मास्क पहनकर फिरोजशाह कोटला में शाम को अभ्यास के लिए पहुंचे थे। बांग्लादेश ने इससे पहले शुक्रवार को प्रदूषण के कारण अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था। गुरुवार से ही एक्यूआई 400 से ऊपर बना है तथा वायु गुणवत्ता

प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार मंगलवार तक इसके गंभीर बने रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार रविवार सुबह एक्यूआई 457 रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि मैच के बारे में फैसला मैच वाले दिन ही किया जाएगा जब सोमवार को मैच अधिकारी वायु गुणवत्ता की जांच करेंगे। आईसीसी के खेल की परिस्थितियों से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के अनुसार, अगर किसी भी समय अंपायर इस बात पर सहमत होते हैं कि मैदान, मौसम या रोशनी या कोई अन्य परिस्थितियां खतरनाक या अनुचित हैं, तो वे तुरंत खेल को निलंबित कर देंगे या खेल शुरू करने या फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं देंगे। दोनों टीम का इस तरह की परिस्थितियों से पहले भी सामना हो चुका है। श्रीलंका के खिलाड़ियों ने 2017 में टेस्ट मैच में मास्क पहनकर हिस्सा लिया था जबकि बांग्लादेश के क्रिकेटरों ने 2019 में टी20 मैच में ऐसा किया था। श्रीलंका के खिलाड़ियों को तब सांस संबंधी परेशानियां हुई थी जबकि कुछ खिलाड़ियों ने ड्रेसिंग रूम में उल्टियां भी की थी। अगर मुकाबले की बात करें तो बांग्लादेश पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है जबकि श्रीलंका की धुंधली उम्मीद बची हुई है। बांग्लादेश की टीम 10 टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है और वह प्रतिष्ठा की खातिर इस मैच में उतरेगी। श्रीलंका की टीम सातवें स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस स्थान पर बने रहकर पाकिस्तान में 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करना होगा। इन दोनों देशों के बीच अभी तक जो 53 वनडे खेले गए हैं उनमें से श्रीलंका ने 42 में जीत दर्ज की है जबकि 9 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने हालांकि विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में श्रीलंका को हराया था और उसकी टीम उससे प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। श्रीलंका की टीम भारत के हाथों 302 रन से करारी हार झेलने के बाद इस मैच में उतरेगी। भारत ने उसे केवल 55 रन पर ढेर कर दिया था। श्रीलंका की टीम खिलाड़ियों की चोटिल होने की समस्या से जूझ रही है लेकिन इस दौरान उसकी कई कमजोरियां खुलकर सामने आई है जिनका बांग्लादेश पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

हम चिकित्सा पैनल के संपर्क में लेकिन स्थल में बदलाव का आग्रह नहीं किया: श्रीलंका टीम मैनेजर

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के कारण यहां बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मुकाबले को लेकर अनिश्चितता के बीच श्रीलंका क्रिकेट टीम के मैनेजर महिदा हेलेनगोडा ने रविवार को कहा कि वे चिकित्सा पैनल के संपर्क में है और सोमवार को होने वाले मैच को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का पालन करेंगे। हेलेनगोडा ने हालांकि स्पष्ट किया कि श्रीलंका की टीम ने आईसीसी से सोमवार को होने वाले मुकाबले के स्थल को बदलने का आग्रह नहीं किया है। हम श्रीलंका में अपने चिकित्सा पैनल के लगातार संपर्क में है। असल में जो प्रोफेसर प्रभारी है, वह पहले ही भारत आ चुके है। वह एक सम्मेलन के लिए आए थे और टीम डॉक्टर के जरिए हम उनके संपर्क में है। बेशक हमारी नजरें सूचकांक पर है। लेकिन बेशक आईसीसी हमारा मार्गदर्शन करेगा और मुझे लगता है कि यहां उनके पास मेडिकल पैनल है और इसलिए वे हमें निर्देश देंगे।

हवा की गुणवत्ता आदर्श नही, खिलाड़ियों के बाहर के अभ्यास को कम करने की कोशिश: हथुरासिंघे

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरासिंघे ने श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले रविवार को यहां गंभीर रूप से खराब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे खिलाड़ियों के जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे है। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच इस विश्व कप मैच को सोमवार को खेला जाना है लेकिन गंभीर एक्यूआई के कारण मैच को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। दिल्ली एनसीआर मे पिछले चार दिनो से जहरीली धुंध की मोटी परत छाई हुई है। शहर मे मंगलवार तक प्रदूषण के ऐसे ही बने रहने की संभावना है। आईसीसी ने हालांकि कहा था कि मैच को लेकर कोई भी फैसला उस दिन सुबह की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद होगा। वायु की गुणवत्ता दोनो टीमो को प्रभावित कर रही है। यह आदर्श नहीं है. हम थोड़े चिंतित थे. इसलिए हमने एक अभ्यास सत्र रद्द कर दिया। मैच से एक दिन पहले हथुरासिंघे ने संवाददाता सम्मेलन मे कहा, ऐसी स्थिति मे हम बाहरी वातावरण मे अपने जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे है। हमे हालांकि अभ्यास करने की जरूरत है और हमे इस स्थिति के दीर्घकालिक प्रभाव से सावधान रहना होगा।

पाकिस्तान पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

बेंगलुरु पाकिस्तान के खिलाड़ियो पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को यहां खेले गए विश्व कप के लीग मैच मे धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित इस मैच मे डकवर्थ लुईस पद्धति से 21 रन से जीत दर्ज करके विश्व कप के सेमीफाइनल मे पहुंचने की अपनी उम्मीदो को जीवंत रखा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विज्ञप्ति मे कहा, एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने पाया कि बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय मे दो ओवर कम किए है इसके बाद उन्होंने टीम के खिलाड़ियों पर यह जुर्माना लगाया। खिलाड़ियो और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए धीमी ओवर गति से जुड़े आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार अगर कोई टीम निर्धारित समय मे तय ओवर पूरा नही कर पाती है तो उसके खिलाड़ियों पर प्रत्एक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा।

जका की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति को मिला तीन महीने का विस्तार

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का संचालन करने वाली क्रिकेट प्रबंधन समिति (सीएमसी) को बोर्ड के मुख्य संरक्षक कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने तीन महीने का विस्तार दिया है। खेल मंत्रालय ने एक अधिसूचना मे जका अशरफ की अध्यक्षता वाली 12 सदस्ईय सीएमसी के विस्तार की पुष्टि की गई। इसमे हालांकि यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि सीएमसी का यह आखिरी विस्तार है। भारत मे खेले जा रहे वनडे विश्व कप मे न्यूजीलैंड पर पाकिस्तान की जीत के बाद सीएमसी के कार्यकाल विस्तार का आदेश आया। इस मैच को जीतकर पाकिस्तान विश्व कप सेमीफाइनल मे पहुंचने की दौड़ मे बना हुआ है। विश्व कप मे टीम के लचर प्रदर्शन के बाद जका की अगुवाई वाली सीएमसी को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। खेल मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक जका के नेतृत्व वाली सीएमसी को अगले तीन महीनों मे नए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराना होगा।

लगातार हार निराशाजनक, विश्वासअब भी है : बटलर

अहमदाबाद। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि विश्व कप मे लचर प्रदर्शन और उनकी खराब फॉर्म निराशाजनक है लेकिन उनका या टीम का विश्वास नही डिगा है। पिछली बार का चैंपियन इंग्लैंड शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों से 33 रन से हार के साथ ही वर्तमान विश्व कप मे सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। यह उसकी सात मैच मे छठी हार थी। बटलर ने ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद कहा, मै यह नही कहूंगा कि हमारा विश्वास डिगा है लेकिन निराशा निश्चित तौर पर बढ़ी है। हमारे पास शीर्ष स्तर के खिलाड़ी है। इंग्लैंड के पास बेहद कुशल और अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद उसकी टीम विश्व कप मे अच्छा प्रदर्शन नही कर पाई है। उसको सबसे अधिक निराशा कप्तान बटलर के लगातार नाकामी की वजह से मिली। मेरा अपने खेल पर विश्वास पहले की तरह ही है जिसका मतलब है कि इतनी अधिक निराशा क्यों है। टूर्नामेंट मे आकर मैने महसूस किया कि मै शानदार फॉर्म मे हूं, मै हमेशा की तरह अच्छी फॉर्म मे हूं। इसलिए टूर्नामेट मे इस तरह का खराब प्रदर्शन निश्चित तौर पर निराशाजनक है लेकिन इससे हमारा विश्वास नही डिगा है। अगर मै खुद पर विश्वास करना बंद कर दूं तो मै यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा करने वाला मै आखिरी व्यक्ति हूं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि कप्तानी के बोझ का बल्लेबाजी मे उनकी असफलता से कोई लेना देना नही है। नही मै ऐसा नही कहूंगा।

विश्व कप में अफगानिस्तान की सफलता का काफी श्रेय अजय जडेजा की समझ को जाता है : नायब

मुंबई। अफगानिस्तान को मौजूदा वनडे विश्व कप मे अपने अभियान के दौरान भारत के पूर्व हरफनमौला अजय जडेजा की मौजूदगी से फायदा हुआ है जिससे तालिका मे छठे स्थान पर कायम यह टीम सेमीफाइनल मे पहुंचने की दौड़ मे बनी हुई है। जडेजा विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान टीम मे मेंटोर की भूमिका निभा रहे है। अफगानिस्तान को अपने अगले मैच मे मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। टीम के सात मैचो मे चार जीत और तीन हार के साथ आठ अंक है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के नाम भी इतने ही अंक है लेकिन इन दोनो टीमो ने एक-एक मैच अधिक खेले है। अफगानिस्तान नेट रन रेट (-0.330) के मामले मे इन दोनो टीमो से पीछे है। गुलबदिन नायब की कप्तानी मे अफगानिस्तान ने हाल ही मे एशियाई खेलो मे रजत पदक जीता। नायब ने 2019 विश्व कप मे टीम का नेतृत्व किया था लेकिन मौजूदा विश्व कप मे वह टीम के रिजर्व खिलाड़ी है। जब अफगानिस्तान के खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की बात आती है तो जडेजा के सुझाव अविश्वसनीय रहे है। नायब ने टीम के अभ्यास सत्र के इतर पीटीआई-भाषा से कहा, टीम के नतीजो पर पर्दे के पीछे से निभाई गई भूमिकाओ का काफी प्रभाव होता है। वह (जडेजा) खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते है और वह किसी बड़े खिलाड़ी की तरह अपना अनुभव साझा करते है। अजय भाई भारत के लिए खेल चुके है, वह जानते है और अनुमान भी लगा सकते है कि खेल के किसी भी चरण मे क्या हो सकता है।

मैंने जितने भी वनडे खेले हैं, उनमें यह मैच सबसे अधिक संतोषजनक: जंपा

अहमदाबाद। बेहतरीन गेंदबाजी और निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उपयोगी योगदान देने वाले ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच को अपने लिए अभी तक का सबसे संतोषजनक वनडे करार दिया। जंपा ने 19 गेंद पर 29 रन बनाने के बाद 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट भी लिए। इसके अलावा उन्होंने डेविड विली का दौड़ लगाकर शानदार कैच भी लिया। इस लेग स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 33 रन की जीत के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने अभी तक जितने भी वनडे मैच खेले है उनमें इस मैच का प्रदर्शन सबसे अधिक संतोषजनक रहा। , बल्लेबाजी मे योगदान देकर वास्तव में मुझे अच्छा लगा। मै और मिशेल स्टार्क पारी को लंबा खीचने पर बात कर रहे थे और हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक था। बल्लेबाजी मे योगदान और उसके बाद एक बहुत अच्छा कैच लपकना शानदार रहा। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे विश्व मे सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक नही माना जाता है लेकिन इस पर काम करना है।

पुरुष रिकर्व टीम क्वालीफिकेशन दौर के बाद दूसरे स्थान पर

एशियाई तीरंदाजी

बैंकॉक। सेना के धीरज बोम्मादेवारा और तरूणदीप राय क्वालीफिकेशन दौर में क्रमश: चौथे और छठे स्थान पर रहे जिससे भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने रविवार को यहां एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप की टीम वरीयता में दक्षिण कोरिया के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। भारत ने 2027 अंक जुटाए जबकि कोरिया की टीम 2061 अंक के साथ इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पुरुष रिकर्व टीम वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर के बाद शीर्ष पर रही। धीरज ने 682 अंक जुटाए। कोरिया के तीरंदाजों ने पहले तीन स्थानों पर कब्जा जमाया। ली वू सियोक 693 अंक के साथ शीर्ष पर रहे जबकि किम वूजिन और किम जी डियोक ने क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वूजिन और जी डियोक दोनों ने समान 684 अंक जुटाए थे लेकिन लक्ष्य के केंद्र के करीब अधिक निशाने लगाने के कारण वूजिन दूसरे स्थान पर रहे। तेज बारिश के कारण रिकर्व महिला क्वालीफिकेशन स्पर्धा को बीच में रोकना पड़ा। भारतीय तीरंदाजों में अंकिता भकत नौवें स्थान के साथ सबसे आगे चल रहीं थी। भजन कौर 12वें स्थान पर है। स्पर्धा सोमवार को बहाल होगी।

सुनील नारायण ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के दिग्गज स्पिनर सुनील नारायण ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। आईसीसी टी20 विश्व कप 2012 जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के सदस्य रहे नारायण ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला अगस्त 2019 में प्रोविडेंस में भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के रूप में खेला था। मुझे आखिरी बार वेस्टइंडीज की ओर से खेले चार साल से अधिक समय हो गया लेकिन आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। उन्होंने कहा, सार्वजनिक तौर पर मैं कम बोलने वाला व्यक्ति हूं लेकिन निजी तौर पर कुछ ऐसे लोग हैं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझे अटूट समर्थन दिया।

वैशाली ने टेन को हराया ग्रैंडमास्टर बनने के करीब

आइल ऑफ मैन (ब्रिटेन)। ग्रैंडमास्टर बनने के करीब पहुंची भारत की आर वैशली ने पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की झोंगई टेन को हराकर 10वें दौर के बाद यहां फिडे महिला ग्रां प्री में एकल बढ़त बरकरार रखी। वैशाली अपने छोटे भाई आर प्रज्ञानानंदा के साथ अपने-अपने वर्ग के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भाई-बहन की पहली जोड़ी बनी। ए दोनों अगले साल कनाड में चुनौती पेश करेंगे और विश्व चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वैशाली की लाइव रेटिंग भी 2498 तक पहुंच गई है और वह ग्रैंडमास्टर बनने से सिर्फ दो अंक दूर हैं। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती हैं तो यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया में भाई-बहन की पहली जोड़ी बनेगी। वैशाली आठ अंक के साथ शीर्ष पर हैं जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचिक से आधा अंक पीछे मंगोलिया की बातखुयाग मुनगुतुल हैं जिनसे वैशाली अंतिम दौर में भिड़ेगी। अंतिम दौर का नतीजा चाहे कुछ भी रहे वैशाली कम से कम दूसरे स्थान पर रहना तय है। ओपन वर्ग में ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एकतरफा मुकाबले में रोमानिया के डीक बोगडेन डेनियल को हराया।

जोकोविच संघर्षपूर्ण जीत से पेरिस मास्टर्स के फाइनल में

अब मुकाबला दिमित्रोव से

भाषा। पेरिस

नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में आंद्रे रूबलेव के खिलाफ तीन घंटे से अधिक समय और तीन सेट तक जूझने के बाद पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उन का मुकाबला बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। जोकोविच ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने रूसी प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 7-6 (3), 7-5 से हराया और इनडोर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। वह अब रिकॉर्ड सातवीं बार पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतने का प्रयास करेंगे। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, रूबलेव ने मैच में अधिकतर समय मेरा उसी तरह से दम घोंट रखा था जैसे सांप मेंढक को दबाए रखता है।

पेगुला आसान जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में

कैनकन (मेक्सिको)। जेसिका पेगुला ने अमेरिकी ओपन की विजेता कोको गॉफ को आसानी से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले मे जगह बनाई। अमेरिका की पेगुला ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और हमवतन गॉफ को 6-2, 6-1 से पराजित किया। उन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल मे जगह बनाई है। यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका की दो खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मे आमने-सामने थी। पेगुला फाइनल मे विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेगी।

ईआर-2 की जीत में मेहमान के 6 विकेट

पावरग्रिड टी-20 अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

सीसी की जीत में अरविंद का शतक

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच मेहमान खान 6 विकेट की धारदार गेंदबाजी से ईआर-2 ने पावरग्रिड टी-20 अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट-2023 के उद्घाटन मुकाबले में एनआर-3 को 7 विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारत सरकार की महारत्न कंपनी पावरग्रिड उत्तरी क्षेत्र द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में सीसी ने मैन ऑफ द मैच अरविंद नाबाद 119 के शतक से एसआर- 2 को 141 रन से पराजित किया। अन्य मैचों में डब्लूआर-2, ईआर 1 , डब्लूआर. 2 और ईआर 1 ने जीत दर्ज की। लखनऊ के विभिन्न मैदानों पर खेले जा रहे राष्ट्रीय स्तर के इस 6 दिवसीय टूर्नामेंट का उद्घाटन जयपुरिया ग्राउंड पर मुख्य अतिथि उत्तरी क्षेत्र-3 के कार्यपालक निदेशक नवीन श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके व बल्लेबाजी करके की। इस अवसर पर स्नेह महिला समिति की अध्यक्षा अनीता श्रीवास्तव की भी गरिमामयी मौजूदगी रही। आज उद्घाटन समारोह में पावरग्रिड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव गांधी, संजय राय, पंकज शर्मा सहित विभिन्न अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच एआर जयपुरिया ग्राउंड पर एनआर-3 पहले बल्लेबाजी करते हुए 12.2 ओवर में 45 रन ही बना सका। टीम से देवेंद्र सिंह -10 व राजेश चौरसिया -13 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। ईआर 2 से मोहम्मद खान ने 3 ओवर में 8 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। प्रदीप रजक को दो विकेट मिले। जवाब में ईआर, 2 ने श्रीनिबास नायक16 रन की पारी से 10 ओवर में 3 विकेट पर 46 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरे मैच में सीसी ने मैन ऑफद मैच अरविंद119 के शतक के बाद उम्दा गेंदबाजी से एसआर2 को 141 रन से मात दी। सीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 3 विकेट पर 218 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज वरुण सिंह 46व अरविंद ने नाबाद 119 रन की आतिशी शतकीय पारी खेली। जवाब में एसआर 2 की टीम 7 विकेट पर 77 रन ही बना सकी। सीसी से संदीप पंवार ने 3 विकेट हासिल किए।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम राष्ट्रीय शिविर में कमजोरियों पर काम करेगी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में उन कमजोर पक्षों पर काम करेगी जिनकी पहचान मलेशिया में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में कांस्य पदक जीतने के दौरान हुई। भारत ने जोहोर बाहरू में ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहते सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन वहां उसे जर्मनी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टीम ने इसके बाद तीसरे स्थान के प्ले ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर विश्व कप कुआलालंपुर में पांच दिसंबर से खेला जाएगा। टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा कि वह जोहोर बाहरू में टीम के प्रदर्शन को शानदार नहीं कहेंगे लेकिन टीम को जिन विभागों में सुधार की जरूरत है उनकी पहचान की गई है। कुमार ने बयान में कहा, मैं इसे संतोषजनक नहीं कहूंगा क्योंकि कुछ चीजें थीं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।